सुप्रभात

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

नगर संस्करण । पेज : 12 | रांची, बुधवार 17.04.2024 | चैत्र, शुक्ल पक्ष, नवमी, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 273

न्यूज डायरी

बड़कागांव के महुदी में जुलूस को ले झड़प कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त

हजारीबाग। जिले के बड़कागांव प्रखंड के महुदी गांव में विवादित मार्ग से जुलूस निकालने का प्रयास किया गया। रोके जाने पर प्रशासन के साथ उनकी झड़प हो गयी। इसमें चार गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गयी हैं। मंगलवार को रामनवमी का अष्टमी जुलूस विवादित मार्ग से निकालने के प्रयास को पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस पर जुलूस में शामिल लोग उग्र होकर हंगामा करने और पत्थराव करने लगे। पत्थराव से एसडीपीओ, बीडीओ व सीओ समेत चार गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गयी। सीओ बालेश्वर राम के चालक विजय कुमार को चोट लगी है। स्थिति को नियंत्रण करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। डीसी नैंसी सहाय, एसपी एके सिंह भी घटनास्थल पहुंचे। स्थिति अभी नियंत्रण में है।

धनबाद : मोनिका व अंकुर भी यूपीएससी में सफल

धनबाद । तोपचांची के नरकोपी निवासी मोनिका पटेल (पति उत्तम पटेल) को यूपीएससी में 708 रैंक मिला है। मोनिका बीपीएससी में कार्यरत है। वहीं बीआइइटी सिंदरी के पूर्ववर्ती छात्र अंकुर कुमार ने यूपीएससी में 286 रैंक प्राप्त कर संस्थान का नाम रौशन किया है। अंकुर बताया कि यह उनका चौथा प्रयास था। पिछले दो वर्षों से वह मटकुरिया स्थित अपने आवास पर रहकर तैयारी कर रहे थे।

चुनाव आयोग ने रणदीप सुरजेवाला को प्रचार से रोका

नयी दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पहले कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला को तगड़ा झटका लगा है। मंगलवार को भारतीय निर्वाचन आयोग ने उनके चुनाव प्रचार पर रोक लगा दी।

पटना में सड़क हादसा सात लोगों की मौत

पटना। बिहार में राजधानी पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र में मंगलवार को ऑटो रिक्शा और क्रेन के बीच हुयी टक्कर में कम से कम सात लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि ऑटो रिक्शा को पटना मेट्रो के निर्माण कार्य में लगे क्रेन से टकरा गयी। इस दुर्घटना में ऑटो रिक्शा पर सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। तीन अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में तीन पुरुष, तीन महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

लातेहार में सड़क हादसा तीन युवकों की मौत

लातेहार। हेरहंज थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गयी। दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हुई टक्कर में यह हादसा हुआ। तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मृतकों की पहचान हेरहंज थाना क्षेत्र के हाटाटोंगरी निवासी रविन्द्र गंझू, जितेंद्र गंझू और चुकू गांव निवासी सूरज यादव के रूप में की गयी।

रामनवमी की पूर्व संध्या पर आकर्षक झांकी ने मन मोहा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची समेत पूरा झारखंड बुधवार को रामनवमी उत्सव मनाने को तैयार है। श्रीमहावीर मंडल रांची ने रामनवमी जुलूस निकालने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। रामनवमी के मौके पर भव्य और ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली जायेगी। शहर के सात स्थानों से दिन के डेढ़ बजे जुलूस निकलेगा। 17 टोलियां और 1500 सदस्य इसके सफल संचालन में मुस्तैद रहेंगे। रामनवमी की पूर्व संध्या पर मंगलवार की देर शाम श्रीराम मंदिर ऋंगार समिति, महावीर मंडल ऋंगार समिति व अन्य समितियों की ओर से भव्य झांकी निकाली गयी। आकर्षक भेष-भूषा में भगवान श्रीराम, हनुमान, भगवान भोलेनाथ की झांकी ने लोगों का मन मोह लिया। वहीं अयोध्या में 500 साल बाद जन्मभूमि पर रामलला का जन्मोत्सव म्मनाने की पूरी तैयारी कर ली गयी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामनवमी पर जन्मोत्सव समारोह मनाने लाखों लोग पहुंच गये हैं। जन्मोत्सव के मौके पर भगवान श्रीराम का ऐतिहासिक सूर्य अभिषेक होगा। सूर्य की किरणें भगवान को तिलक करेंगी। दिन में 12 बजे ऑप्टोमैकेनिकल सिस्टम से सूर्य की किरणें प्रभु रामलला के ललाट पर डाली जायेगी।

रांची से कांग्रेस प्रत्याशी पर अब भी सस्पेंस

गोड्डा से दीपिका, चतरा से त्रिपाठी और धनबाद से अनुपमा को टिकट

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कांग्रेस ने झारखंड की तीन और लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा मंगलवार को कर दी है। गोड्डा से दीपिका पांडेय सिंह, चतरा से केएन त्रिपाठी और धनबाद सीट से अनुपमा सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने गोड्डा सीट के प्रबल दावेदार प्रदीप यादव को मौका नहीं दिया है।

वहीं दूसरी ओर राजधानी रांची की सीट को होल्ड पर रखा है। मालूम हो कि 2019 के चुनाव में महागठबंधन के तहत गोड्डा सीट जेवीएम के खाते में गयी थी और उस समय प्रदीप यादव चुनाव लड़े थे। जेवीएम का भाजपा में विलय के बाद प्रदीप यादव कांग्रेस में शामिल हो गये और कांग्रेस की टिकट की आस में थे। पर पार्टी ने पुरानी कार्यकर्ता दीपिका पांडे सिंह को तवज्जो दिया। खास बात है कि कांग्रेस ने बेरमो से विधायक जय मंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह की पत्नी अनुपमा सिंह को धनबाद से प्रत्याशी बनाया है। पिछली बार धनबाद से कांग्रेस ने पूर्व क्रिकेटर कीर्ति झा आजाद को प्रत्याशी बनाया था। वहीं डाल्टेनगंज से कांग्रेस के विधायक रहे कृष्णानंद त्रिपाठी को चतरा का प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा है। 2019 के चुनाव में कांग्रेस ने मनोज यादव को चतरा से प्रत्याशी बनाया था।

(शेष पेज 11 पर)

इंडी ने 14 मे से 11 सीटो पर उतारा प्रत्याशी

इधर 14 लोकसभा सीट वाले झारखंड में अब तक इंडी गठबंधन ने 11 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस ने अब तक छः लोकसभा सीट गोड्डा, धनबाद, हजारीबाग, चतरा, खूंटी और लोहरदगा सीट पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है। वहीं झामुमो ने राजमहल, गिरिडीह, सिंहभूम (चाईबासा) और दुमका सीट से पार्टी उम्मीदवार चुनावी मैदान उतारे हैं। सीपीआइ (माले) से कोडरमा लोकसभा सीट से पार्टी विधायक विनोद सिंह चुनाव मैदान में है। अब तक राजद नौ अपने पत्ते आधिकारिक रूप से नहीं खोले हैं। माना जा रहा है कि पलामू लोकसभा सीट से पार्टी अपना उम्मीदवार उतारेगा। अब देखा जाये तो रांची और जमशेदपुर और पलामू लोकसभा सीट से इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों की घोषणा होनी बाकी है।

यूपीएससी में यूपी का आदित्य टॉपर, झारखंड का भी जलवा

जमशेदपुर की स्वाति को 17वां रांची की आकांक्षा को 44वां रैंक

- गढ़वा की साक्षी को मिला 89वां , रांची के वैभव को 151वां, प्रेरणा सिंह को 271वां रैंक
- जमशेदपुर के ऋत्विक को 520वा रैंक, चाईबासा का अमन पहले ही प्रयास में सफल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची, जमशेदपुर, दिल्ली। यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा-2023 के नतीजे घोषित कर दिये हैं। लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में टॉप रैंक हासिल किया है। वहीं, अनिमेष प्रधान और डोनुरु अनन्या ए रेड्डी क्रमशः सेकेंड और थर्ड रैंक पर हैं। पीके सिद्धार्थ राजकुमार ने चौथा और रुहानी ने पांचवा स्थान हासिल किया है। इसबार झारखंड के बच्चों ने भी अपना परचम लहराया है।

स्वाति

आकांक्षा

झारखंड का जलवा

जेपीएससी की परीक्षा में जमशेदपुर की स्वाति ने 17वां और रांची की आकांक्षा सिंह ने 44वां रैंक लाकर पूरे झारखंड का नाम रौशन कर दिया। वहीं गढ़वा के डीसी शेखर जमुआर की बेटी साक्षी जमुआर को 89वां रैंक मिला है। रांची के वैभव को 151वां, प्रेरणा सिंह को 271वां रैंक और जमशेदपुर के ऋत्विक को 520वां रैंक मिला है। इसके साथ ही चाईबासा के अमन अग्रवाल ने अपने पहले ही प्रयास में सफलता कर ली।

सैनिक की पुत्री है स्वाति : 17वां रैंक लानेवाली झारखंड की बेटी स्वाति जमशेदपुर मानगो की रहनेवाली है। वह पूर्व थल सैनिक (सीएमपी) संजय शर्मा की पुत्री है। स्वाति ने मैट्रिक की परीक्षा आर्मी सैकेंडरी स्कूल कोलकाता से पास की। इसके बाद 12वीं की पढ़ाई उन्होंने साकची स्थित टैगोर एकेडमी से पूरी की। इसके बाद 2019 में उन्होंने बिष्टुपुर स्थित जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज से पॉलेटिकल साइंस में एमए किया। वहीं 44वां रैंक लानेवाली रांची की आकांक्षा सिंह एसएस मेमोरियल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर है। गढ़वा डीसी शेखर जमुआर की बेटी साक्षी जमुआर को 89 वां रैंक मिला है। रांची के सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड दरभंगा हाउस में पदस्थापित मुख्य प्रबंधक वीरेश कुमार के बेटे वैभव कुमार ने भी यूपीएससी क्लीयर कर लिया है। वैभव कुमार को 151वां स्थान प्राप्त हुआ है। रांची की मोनिका पटेल ने भी यूपीएससी क्रैक किया है।

(शेष पेज 11 पर)

कांकेर मुठभेड़ में नक्सली टाप कमांडर सहित 29 ढेर

पुलिस की बड़ी सफलता तीन जवान भी घायल

एजेंसी

जगदलपुर। लोकसभा चुनाव के पूर्व मंगलवार को छत्तीसगढ़ के कांकेर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गये। मुठभेड़ में तीन जवान भी घायल हो गये। पुलिस ने घटनास्थल से चार ए के 47 राइफल और अन्य हथियार बरामद किये हैं। मुठभेड़ में टाप नक्सली कमांडर शंकर राव भी मारा गया। उस पर 25 लाख रुपए का इनाम था। छत्तीसगढ़ में 19 अप्रैल को पहले चरण में बस्तर सीट पर मतदान होना है। एक घंटे से अधिक समय तक चली मुठभेड़ में पुलिस की यह बड़ी सफलता मानी जा रही है। नक्सलियों को काफी नुकसान हुआ। जानकारी के अनुसार नक्सल प्रभावित कांकेर के छोटेबेटिया थाने से जिला पुलिस बल, स्पेशल टॉस्क फोर्स और सीमा सुरक्षा बल के जवान गश्त पर निकले थे। थाने से लगभग 15 किलोमीटर दूर जंगल में बिनागुंडा और कोरोनार के पास गश्ती दल और नक्सलियों का आमना सामना हो गया और भीषण मुठभेड़ शुरू हो गयी। मुठभेड में 29 नक्सली मारे गये। वहीं गश्ती दल में शामिल एक निरीक्षक और दो जवान घायल हो गये। घायलों को बेहतर इलाज के लिए राज्य की राजधानी रायपुर भेजा गया है। मारे गए सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिये गये हैं।

अंतु और विपिन को साथ ले गयी इडी टीम

13 घंटे चली छापामारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जमीन घोटाला मामले में झामुमो नेता अंतु तिर्की, विपिन सिंह व अन्य जमीन कारोबारियों के यहां मंगलवार को इडी की रेड करीब 13 चली। छापेमारी के बाद इडी की टीम अंतु तिर्की और बिपिन सिंह को अपने साथ ले गयी। दोनों को डीटेन कर लिया गया है या इडी उनका स्टेटमेंट रिकॉर्ड करने के लिए उन्हें अपने साथ ले गयी, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। इडी सूत्रों के अनुसार छापेमारी में कई अहम दस्तावेज और डिजिटल इक्यूमेंट मिले हैं। मंगलवार की सुबह से ही इडी ने अंतू तिर्की के आवास समेत अन्य के 9 ठिकानों पर छापेमारी शुरू की थी।

इनके यहां चल रही है रेड

अंतू तिर्की के अलावा जमीन कारोबारी विपिन सिंह के मोरहाबादी स्थित आवास, खेलगांव स्थित शेखर कुशवाहा के ठिकाने के साथ साथ कोकर में प्रियरंजन सहाय के ठिकाने पर भी ईडी ने छापेमारी की। इससे पहले भी जमीन घोटाले मामले में विपिन सिंह, शेखर कुशवाहा और प्रियरंजन सहाय के यहां ईडी द्वारा छापेमारी की गयी थी। एक बार फिर से इनके यहां दबिश दी गयी है।

जांच टीम तड़के पहुंची अंतू के आवास : ईडी की टीम मंगलवार को सुबह 6.30 बजे ही झामुमो नेता अंतु तिर्की के बरियातू स्थित आवास पर पहुंची। सुबह से छापामारी के दौरान ईडी ने अंतु तिर्की के घर पर कागजात खंगाले जाने का कार्य किया।

(शेष पेज 11 पर)

हेमंत की जमानत अर्जी पर सुनवाई अब 23 को

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बड़गाई अंचल के 8.86 एकड़ जमीन घोटाले के आरोप में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से दाखिल जमानत अर्जी पर मंगलवार को ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में आंशिक सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान इडी की ओर से मामले में जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की। इस पर अदालत में ईडी को एक सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए उसे समय प्रदान किया। साथ ही, मामले की अगली सुनवाई की तारीख 23 अप्रैल निर्धारित कर दी। हेमंत सोरेन ने जमानत की गुहार लगाते हुए सोमवार को अपने अधिवक्ता के माध्यम से याचिका दाखिल की थी। याचिका में अपने आप को निर्दोष बताया है। हेमंत सोरेन ने गिरफ्तारी के 75 दिनों बाद जमानत की गुहार लगायी है। वहीं इडी के वकील की तरफ से न्यायाधीश के समक्ष यह आग्रह किया गया कि हेमंत सोरेन को जमानत नहीं दी जाये, क्योंकि अभी उन पर लगे आरोपों को लेकर छानबीन जारी है।

(शेष पेज 11 पर)

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	68600 रु./10 ग्राम
चांदी	:	88000 रु./प्रति किलो

तीसरी आंख

मोदी के रहते बिहार में अब जंगल राज नामुमकिन

विपक्ष संविधान को राजनीतिक हथियार नहीं बनाये : पीएम मोदी

एजेंसी

पटना। पीएम मोदी ने मंगलवार को बिहार में दो जनसभाएं कीष गया और पूर्णिया में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भविष्य को लेकर अपने लक्ष्य के बारे में बताया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा एक वक्त था जब बिहार में भ्रष्टाचार और अपहरण का उद्योग चलता था। कुछ लोग एक बार फिर से जंगलराज के वापसी चाहते हैं, लेकिन मोदी के रहते ये मुमकिन नहीं है। मोदी ने राजद पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि यह भ्रष्टाचार और जंगलराज की प्रतीक पार्टी है। उन्होंने कहा कि राजद का चुनाव चिह्न लालटेन है और बिहार लालटेन युग से बाहर निकल चुका है और कोई भी दोबारा उस युग में लौटने को तैयार नहीं है। यहां तक कि लालटेन से सेल फोन भी चार्ज नहीं किया जा सकता है।

(शेष पेज 11 पर)

संविधान को कोई बदल नहीं सकता

गया में मोदी ने संविधान को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए विपक्षी दलों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा, इसे कोई भी नहीं बदल सकता। इंडिया गठबंधन के नेता लोगों को गुमराह कर रहे हैं कि यदि लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा सत्ता में आई तो संविधान बदल दिया जायेगा। वह गया सीट से चुनाव लड़ रहे एमडीए गठबंधन के उम्मीदवार जीतनराम मांझी और औरंगाबाद से चुनाव लड़ रहे सुशील कुमार सिंह के पक्ष में जनसभा में बोल रहे थे। करते हुए कहा कि विपक्षी दलों द्वारा संविधान का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने कहा, संविधान विपक्षी दलों के लिए केवल एक राजनीतिक हथियार है लेकिन इसके प्रति गहरा सम्मान और भावनाएं रखने वाली भाजपा के लिए यह एक पवित्र ग्रंथ है।

सनकी पति ने पत्नी और दो बच्चों को काट डाला

खबर मन्त्र संवाददाता

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के लादुराबासा गांव में ट्रिपल मर्डर से सलसनी फैल गयी है। जानकारी के अनुसार पारिवारिक विवाद में गुस्से में आ कर पति ने अपनी पत्नी सहित दो बेटियों की निर्मम हत्या कर दी। इस तिहरे हत्याकांड सोमवार की देर रात अंजाम दिया गया।सनकी पति ने पति गुरुचरण पाड़ेया ने पत्नी और दो बच्चों को टांगी से काट कर मार डाला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मंगलवार की सुबह मुफस्सिल थाना की पुलिस गांव पहुंची। शवों को कब्जे में ले लिया और प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मृतकों में महिला (पत्नी) जानो बुड़ीउलि (20), 5 वर्षीय बेटी रेणुका पाड़ेया और एक साल की बेटी सुमी पाड़ेया शामिल हैं। तीनों की हत्या के समय गुरुचरण पाड़ेया नशे की हालत में था। गिरफ्तार आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि अक्सर पति-पत्नी के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर लड़ाई झगड़ा होता रहता था। सोमवार की रात भी किसी बात को लेकर दोनों पति-पत्नी में झगड़ा हो गया और गुरुचरण ने धारदार हथियार से पत्नी एवं दो बच्चों की गला काटकर हत्या कर दी। थाना प्रभारी रंजीत उरांव ने बताया कि आरोपित पति की गिरफ्तारी कर ली गयी है। सोमवार की शाम जब वो घर आया तो उसकी पत्नी उसके साथ झगड़ा करने लगी। इसी झगड़े में उसे गुस्सा आ गया और गुस्से में आकर उसने धारदार हथियार से आपकी पत्नी के साथ दोनों बेटियों को भी टांगी से काट डाला।

खबर एक नजर में

मनी लाउंड्रिंग : ईडी की ओर से गवाही दर्ज

रांची। अवैध खनन से प्राप्त 1250 करोड़ रुपए से अधिक कमाई का मनी लाउंड्रिंग करने के आरोप में जेल में बंद पंकज मिश्रा एवं अन्य से जुड़े मामले में मंगलवार को ईडी की ओर से गवाही कराई गई। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने गवाही दर्ज की। गवाही पूरी होने के बाद बचाव पक्ष के वकील ने गवाह का प्रति-परीक्षण किया। अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 19 अप्रैल निर्धारित की है। गवाही के दौरान जमानत पर चल रहा बच्चू यादव कोर्ट में मौजूद था। वहीं, पंकज मिश्रा समेत अन्य आरोपियों को वीसी से पेशी की गई। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने उक्त आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफ्तार किया था। तब से वह न्यायिक हिरासत में ही हैं।

पहली-दूसरी जेपीएससी परीक्षा की जांच के लिए दाखिल पीआइएल पर अब दूसरी कोर्ट में होगी सुनवाई

रांची। प्रथम एवं द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की सीबीआई जांच कराने वाली बुद्धदेव उरांव की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति आर मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले को दूसरे सक्षम बेंच में भेजने का निर्देश दिया। मामले में सीबीआई की ओर से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल किया जा चुका है। पूर्व में सुनवाई के दौरान प्रार्थी के अधिवक्ता राजीव कुमार की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि वर्ष 2011 में मामले को लेकर एंटी करप्शन ब्यूरो ने एफआईआर दर्ज की थी। बाद में हाई कोर्ट के आदेश के आलोक में यह मामला सीबीआई को दिया गया था, लेकिन 13 साल बीतने के बाद भी सीबीआई ने अब तक जांच पूरी नहीं की है और मामले में आरोपपत्र भी दाखिल नहीं किया गया है। सीबीआई ने कोर्ट को बताया था की प्रथम और द्वितीय जीपीएससी सिविल सेवा परीक्षा गड़बड़ी मामले में अनुसंधान अभी जारी है।

लोकसभा निर्वाचन-2024 से संबंधित विविध मतदाता जागरूकता सामग्री का लोकार्पण

लोकसभा चुनाव: राज्य में इस बार दिन भर मतदान की होगी व्यवस्था : के रवि कुमार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इस बार राज्य में दिन भर मतदान की व्यवस्था की गई है। मतदान की अवधि सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक है जो भी मतदाता शाम पांच बजे से पहले अपने मतदान केन्द्र पर लाईन में खड़े रहेंगे वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग जो आवश्यक सेवाओं से जुड़े हैं तथा मतदान के दिन अपने कर्तव्य पर रहते हैं वैसे मतदाताओं के लिए पोस्टल बैलेट के माध्यम से उनके मताधिकार के प्रयोग की व्यवस्था की गई है। उक्त बातें मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने निर्वाचन सदन सभागार से लोकसभा निर्वाचन के विविध जागरूकता सामग्रियों के लोकार्पण कार्यक्रम में मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग एवं 85 वर्ष से अधिक वैसे मतदाता जो मतदान केंद्र जाने में सक्षम नहीं हैं वैसे मतदाताओं के लिए पोस्टल बैलेट के जरिये होम वोटिंग की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि कोई भी मतदाता छूटे नहीं इस ध्येय से निर्वाचन आयोग कार्य कर रहा है।

कॉफी टेबल बुक का अनावरण : जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा आइ हॉउस में आयोजित कला महोत्सव में कलाकारों द्वारा बनाये गए कलाकृतियों का फोटोग्राफ्स कॉफी टेबल बुक के रूप में बनाया गया है। इसका विमोचन भी किया गया।

इस बार दिन भर मतदान : झारखण्ड में इस बार सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। इसे बताने के लिए मुख्य निर्वाचन कार्यालय द्वारा इस बार दिन भर मतदान, सुबह सात से पांच बजे शाम नारे का भी लोकार्पण हुआ।

होम वोटिंग एवं मीडिया के लिए पोस्टल बैलेट से संबंधित वीडियो

मुख्य निर्वाचन कार्यालय द्वारा वीडियो ट्यूटोरियल : आई-भाई के जरिये लोगों को चुनाव से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं की जानकारी देने वाले वीडियो सीरीज में 85 वर्ष से अधिक के अथवा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग जन जो मतदान केंद्र आने में असक्षम हैं। उनके लिए घर से ही मतदान किस प्रकार करना है, इसके बारे में बताया गया। साथ ही मीडिया के प्रतिनिधि जो मतदान के दिन अपने कर्तव्य पर रहेंगें वे किस प्रकार पोस्टल बैलेट का इस्तेमाल करें, इसकी भी जानकारी दी गयी। लोकार्पण कार्यक्रम में स्वीप के प्रभारी पदाधिकारी देव दास दत्ता, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा, ओएसडी गीता चौबे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप निदेशक जन-सम्पर्क आनंद, उप निर्वाचन पदाधिकारी मुख्यालय संजय कुमार, उड़ चली लघु फिल्म के निर्देशक सैकत चटर्जी, गायक सुनील कुमार थे।

इन सामग्री का किया गया लोकार्पण

लघु फिल्म उड़ चली : इस अवसर पर क्षेत्रीय कलाकारों द्वारा मतदाता जागरूकता के निमित्त बनाई गई लघु फिल्म उड़ चली को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा रिलीज किया गया। इसका निर्देशन झारखण्ड के सैकत चटर्जी द्वारा किया गया है। इस फिल्म के माध्यम से लोगों के बीच निर्वाचन और एक-एक वोट के महत्व को बताया गया है। साथ ही परिवार गढ़ने से पहले देश गढ़ने की बात कही गयी है। इस फिल्म में निर्वाचन को उत्सव की भांति मनाने एवं पूरे परिवार के साथ मतदान में भाग लेने जैसी बातों पर बल दिया गया है।

आठ स्थानीय भाषाओं में चुनाव का पर्व-देश का गर्व स्लोगन के डिजाइन का लोकार्पण : भारत निर्वाचन आयोग का इस लोक सभा निर्वाचन का नारा है चुनाव का पर्व, देश का गर्व इस नारे को झारखण्ड की 8 भाषाओं, यथा, नागपुरी, कुडुख, हो, खड़िया, कुड़माली, खोरठा, मुंडारी एवं संताली में रूपांतरित कर पोस्टर बैनर के माध्यम से संबंधी भाषाई क्षेत्र के लोगों के बीच प्रसारित किया जाना है, ताकि उन क्षेत्रीय भाषाओं वाले मतदाताओं तक भी भारत निर्वाचन आयोग का यह संदेश पहुंच सके।

चुनाव कर परब, देस कर गरब नागपुरी गीत : स्तानीय कलाकारों द्वारा निर्मित नागपुरी भाषा के वीडियो सॉन्ग चुनाव कर परब, देस कर गरब को भी रिलीज किया गया। यह गीत किसान, बुजुर्ग, युवा, दिव्यांग हर वर्ग के लोगों को निर्वाचन के महत्व को बताते हुए इसमें उत्साहित होकर भाग लेने के लिए प्रेरित करता है।

निर्वाचन संबंधी कॉलर टयून एवं रिंगटोन : निर्वाचन में जागरूकता के लिए उड़ चली लघु फिल्म के एक गीत को लिया गया है। इसमें सभी वर्ग के मतदाताओं को अपने पूरे परिवार के साथ मिलकर मतदान करने के संदेश को बताया गया है। साथ ही इस बार दिन भर मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक के निर्वाचन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाता है।

सीबीआइ के जवाब पर हाई कोर्ट असंतुष्ट

पिछले 2 साल में एमएलए-एमपी के खिलाफ दर्ज एक भी केस का नहीं हुआ निष्पादन : सीबीआई

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्य में एमएलए/एमपी कोर्ट में विधायकों और सांसदों के केस के त्वरित निष्पादन से संबंधित कोर्ट के स्वतः संज्ञान की सुनवाई मंगलवार को झारखंड हाइकोर्ट में हुई। मामले में सीबीआइ की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर राज्य में एमपी/एमएलए से संबंधित केस का स्टेटस प्रस्तुत किया गया। सीबीआइ ने बताया कि पिछले 2 साल में एमएलए/एमपी के खिलाफ दर्ज कोई केस का निष्पादन नहीं हुआ है।

कोर्ट ने सीबीआइ के जवाब पर असंतुष्टि जताते हुए कहा मामले में एसपी रैंक से नीचे के अधिकारी हाइकोर्ट में शपथ पत्र दाखिल न करें। शपथ पत्र दाखिल करनेवाले पुलिस अधिकारी का पद कम से कम एसपी रैंक का होना जरूर है। कोर्ट ने सीबीआइ और ईडी को निर्देश दिया कि अगली सुनवाई में समुचित शपथ पत्र दाखिल करते हुए बताएं कि राज्य में एमपी/एमएलए के खिलाफ कितने केस पेंडिंग है, निचली अदालत में एमपी/एमएलए के खिलाफ चल रही ट्रायल को तेज करें। ट्रायल के दौरान गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित करें ताकि समय से उनकी गवाही हो और मामले का जल्द निष्पादन हो। कोर्ट ने अगली सुनवाई 8 मई निर्धारित करते हुए सीबीआइ और ईडी से जबाव मांगा है।

कोर्ट ने दी हिदायत- एसपी रैंक से नीचे के अधिकारी शपथ पत्र दायर न करें

दरअसल, पिछली सुनवाई में कोर्ट ने सीबीआइ को शपथ पत्र दाखिल कर बताने को कहा था कि एमपी/एमएलए के खिलाफ निचली अदालत में जो केस चल रहे हैं उसके ट्रायल में क्यों देरी हो रही है? ट्रायल की वर्तमान स्थिति, कितने में ट्रायल पूरा हो गया और कितने में अभी बचा है? ट्रायल के दौरान गवाहों की गवाही सुनिश्चित क्यों नहीं हो पा रही है? कोर्ट की पिछली सुनवाई के आलोक में मंगलवार को सीबीआइ की ओर से हाइकोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने एमपी/ एमएलए के खिलाफ दर्ज अपराधिक मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर सभी हाइकोर्ट को दिशा निर्देश दिये थे।

वित्त विभाग का राज्य के सभी विभागों के प्रधान को पत्र, कहा

निकासी व व्यनन पदाधिकारी नहीं दिखा रहे दिलचस्पी महालेखाकार कार्यालय में दिए आंकड़ों का करें मिलान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। वित्त विभाग के सचिव प्रशांत कुमार ने राज्य के सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव को पत्र लिखा है। इसमें कहा है कि महालेखाकार (एजी) कार्यालय में दिए गए आंकड़ों का मिलान नहीं हो रहा है। निकासी और व्ययन पदाधिकारी ऑनलाइन सुलह (ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन) की कार्रवाई शत-प्रतिशत नहीं कर रहे हैं, जबकि ई-कुबेर पोर्टल में आय और व्यय से संबंधित विभागीय आंकड़ों को ऑनलाइन सुलह (ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन) करने का प्रावधान किया गया है। वहीं महालेखाकार कार्यालय द्वारा बार-बार सूचित किया जा रहा है कि निकासी एवं व्यनन पदाधिकारियों द्वारा ऑनलाइन सुलह की शत-प्रतिशत कार्रवाई नहीं की जा रही है।

ये लिये गए हैं निर्णय : जिस महीने में डीडीओ लेवल पर बिल मैनेजमेंट सिस्टम से विपत्र तैयार किया गया होगा। उससे दो माह पूर्व तक के विभागीय आय एवं व्यय लेखा का महालेखाकार कार्यालय के आंकड़ों के साथ ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन अनिवार्य होगा। उदाहरण के लिए अगर मार्च माह में डीडीओ लेवल पर बिल मैनेजमेंट सिस्टम में कोई भी विपत्र बनाने से पूर्व दिसंबर माह में निकासी किये गये सभी विपत्रों का ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन किया जाना अनिवार्य होगा। उसी प्रकार अप्रैल माह में डीडीओ लेवल पर बिल मैनेजमेंट सिस्टम में कोई भी विपत्र बनाने से पूर्व जनवरी माह में निकासी किये गये सभी विपत्रों का ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन किया जाना अनिवार्य होगा।

दूसरे विपत्र नहीं किए जा सकेंगे तैयार : वर्तमान माह से दो माह पूर्व तक के विभागीय आय एवं व्यय लेखा का एजी कार्यालय के आंकड़ों के साथ ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन नहीं रहने की स्थिति में डीडीओ लेवल बिल मैनेजमेंट सिस्टम से वेतन, जीपीएफ एडवांस, जीपीएफ फाइनल संबंधी विपत्रों को छोड़ कर अन्य किसी प्रकार के विपत्र तैयार नहीं किये जा सकेंगे। डीडीओ लेवल पर बिल मैनेजमेंट सिस्टम में लॉगिन करने पर पेंडिंग का अलर्ट प्रदर्शित होगा, ताकि ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन करने संबंधी पेज का लिंक रहे।

जमीन फर्जीवाड़े में सद्दाम व अफसर अली से आमने-सामने होगी पूछताछ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े बड़गाई अंचल के 8.46 एकड़ जमीन फर्जीवाड़े का राज उगलवाने के लिए ईडी अब मो. सद्दाम एवं रिम्स कर्मी अफसर अली को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करेगी। ईडी ने मंगलवार को अफसर अली को बड़गाई अंचल जमीन घोटाले में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद ईडी ने पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ करने का आवेदन अदालत में दिया। इस पर सुनवाई के पश्चात अदालत ने छह दिनों की पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की अनुमति प्रदान की। ईडी ने आरोपी अफसर अली को कोर्ट से ही अपने साथ ले गई। पूछताछ की अवधि 22 अप्रैल को पूरी हो रही। उस दिन अदालत में पेश किया जायेगा। इससे पूर्व आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर जेल से लाकर कोर्ट में पेश किया गया था। वहीं, ईडी पिछले 9 अप्रैल से मो सद्दाम से पूछताछ कर रही है। पुलिस रिमांड की दूसरी अवधि मंगलवार को पूरी होने पर उसे ईडी कोर्ट में पेश किया गया। पेशी के साथ ही और पुलिस रिमांड पर लेने का आवेदन दिया गया। जिस पर अदालत ने और चार दिनों की पूछताछ की अनुमति दी है। अदालत ने उसे 20 अप्रैल को पेश करने का निर्देश दिया है। मालूम हो कि दोनों पूर्व से 4.55 एकड़ सेना जमीन घोटाले के आरोप में जेल में बंद है। ईडी ने पहली बार सेना जमीन घोटाले में 13 अप्रैल 2023 को दोनों को गिरफ्तार किया था।

लोकसभा चुनाव एवं महारैली की तैयारी अल्पसंख्यक कांग्रेस की बैठक संपन्न

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। लोकसभा चुनाव-2024 की तैयारी एवं 21 अप्रैल को इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित उलगुलान न्याय महारैली को लेकर मंगलवार को कांग्रेस भवन में बैठक हुई। बैठक में अध्यक्ष हुसैन खान ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तैयारी एवं पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार-प्रसार करने में अल्पसंख्यक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को कोई कसर नहीं छोड़ना होगा। पूरी तन-मन के साथ ईमानदारी पूर्वक चुनाव में कार्य करें। साथ ही 21 अप्रैल को आयोजित इंडिया गठबंधन महारैली में भारी से भारी संख्या में शामिल हों तथा आमजनों को भी शामिल होने हेतु प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा से देश की जनता को जागरूक हुए हैं। भाजपा के गलत नीति के कारण देश में महंगाई अपनी चरम सीमा पार कर चुकी है। इस बार लोकसभा चुनाव में जनता इंडिया गठबंधन के पक्ष अपना व्यापक समर्थन देने का मन बना चुकी है। हुसैन खान ने कहा कि पिछले पांच वर्षों से भाजपा पूरे देश के लोगों को अलग-अलग मुद्दों में उलझा कर भी देश की मूल समस्याओं बेरोजगारी और महंगाई से लोगों का ध्यान नहीं भटका सकी है। इस चुनाव में जनता प्रधानमंत्री मोदी से अपनी बदहाली का हिसाब मांग रही है।

अमन श्रीवास्तव गिरोह का कुख्यात नीरज ठाकुर गिरफ्तार, पूछताछ जारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जेल में बंद गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव के बेहद खास गुर्गे नीरज ठाकुर को झारखंड एटीएस की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। नीरज ठाकुर एटीएस सहित कई जिलों की पुलिस का वांटेड था। एटीएस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नीरज ठाकुर को रांची से ही गिरफ्तार किया गया है।

आपराधिक गैंग्स के खिलाफ कार्रवाई जारी : झारखंड के संगठित अपराधी गैंग्स के खिलाफ झारखंड एटीएस की कार्रवाई लगातार जारी है। खासकर गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव और अमन साहू के खिलाफ एक तरफ जहां एटीएस कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी तरफ रांची पुलिस भी अमन गिरोह के पीछे हाथ धोकर पड़ी हुई है। अमन श्रीवास्तव के मुंबई से गिरफ्तार होने के बाद गैंग के संचालन में नीरज ठाकुर आम भूमिका निभा रहा था। एटीएस में दर्ज एक कांड सहित नीरज पर कई मामले दर्ज हैं। एटीएस की टीम लगातार नीरज ठाकुर की तलाश में लगी हुई थी। इसी बीच सूचना मिली कि नीरज रांची के पिठोरिया इलाके में देखा गया है जिसके बाद एटीएस ने अपना जाल बिछाया और नीरज को धर दबोचा। एटीएस सूत्रों ने नीरज ठाकुर की गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

दो साल से था फरार, गैंग का फंड करता था मैनेज : एटीएस से मिली जानकारी के अनुसार जेल में बंद गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव के द्वारा खौफ के बल पर की गई कमाई का सारा लेखा-जोखा नीरज ठाकुर ही रखता था।

बीजेपी के घोषणा पत्र से रोजगार गायब, सबको पता है- हेमंत सोरेन के साथ क्या हुआ : जेएमएम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जेएमएम केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य में चौथे चरण से चुनाव होना है। सिंहभूम, लोहरदगा, पलामू और चतरा लोकसभा इलाकों के मूलवासियों ने मूड़ बना लिया है। बीते दस सालों तक बीजेपी के जनप्रतिनिधियों का जो व्यवहार रहा अपने क्षेत्र को लेकर उसने उन्हें निराश किया। उसी का आक्रोश निकल कर बाहर आ रहा है। राजस्थान के सीएम का भाषण हम लोगों ने सुना और लोगों को रोकने के लिए हिंदू और महादेव की सौगंध दी जा रही है। अब भ्रष्टाचार पर सवाल नहीं हो रहा है। घोषणा पत्र से यह मालूम चल गया है कि एनडीए की विदाई देश से तय है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष डर गये हैं, यूसीसी पर डराया जा रहा : राज्य के बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष डर गये हैं और अब न्याय उलगुलान के प्रति बोल रहे हैं। बीजेपी के घोषणा पत्र से रोजगार गायब है। देश में ओलंपिक का आयोजन अगर चुनावी मुद्दा है, तो अन्य समस्याओं पर कौन बात करेगा। हम बात मुद्दे की कर रहे हैं और यह बात धर्म की कर रहे हैं। अगर धर्म पर बात करनी है तो आदिवासी सरना धर्म कोड क्यों नहीं। यूसीसी पर डराने की धमकी दी जा रही है। इंडी गठबंधन के सभी लोग आ रहे हैं और सभी जानते हैं पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के साथ क्या हुआ है। बीजेपी खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे का काम कर रही है।

नजरूल हसन के बोलने पर बीजेपी कर रही बवाल : नजरूल हसन का बचाव करते हुए जेएमएम ने कहा कि बहुत तरस आता है बीजेपी की सोच पर। हमारे कार्यकता हैं वह चुनाव सभा में ऐसी बात बोले, चुनावी सभा में राजनीति की बात होती है। संसद के सेशन में पीएम ने कैसे बोल दिया कि 400 के पार। उसी पर हमारे कार्यकर्ता ने कहा बीजेपी 400 नीचे चली जायेगी। उनके कहने का मतलब था कि राज्य में सभी सीटों पर इंडी गठबंधन जीतेगा।

कार्यालय नगर पंचायत, खूँटी

ज्ञापांक: 706 खूँटी, दिनांक: 15.04.2024

आवश्यक सूचना

दिनांक 17.04.2024 को रामनवमी के शुभ अवसर पर नगर पंचायत, खूँटी क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाले सभी वधशाला, मांस, मछली एवं मुर्गा-मुर्गी की दुकानें पूर्णतः बन्द रहेगी एवं क्रय विक्रय बन्द रहेगा।

दिनांक 17.04.2024 को जो भी मांस, मछली एवं मुर्गा-मुर्गी बिक्री करते हुए पाए जाएंगे, उनके विरूद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ह0/-
प्रशासक,
नगर पंचायत, खूँटी

PR 323858 Urban Development (24-25)_D

हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग

आवश्यक सूचना

21 अप्रैल 2024 को महावीर जयंती के अवसर पर हजारीबाग नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत पशु वध एवं माँस-मछली की बिक्री पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगी।

अतः आदेश दिया जाता है कि दिनांक 21.04.2024 को कोई भी व्यक्ति पशु वध एवं माँस-मछली की बिक्री नहीं करें, पकड़े जाने पर उनके विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

नगर आयुक्त सह प्रशासक
नगर निगम, हजारीबाग

PR 323872 Urban Development and Housing(24-25).D

भाजपा ने कहा- 24 घंटे बाद भी नजरुल के खिलाफ पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

इंडी गठबंधन के नेता पीएम मोदी के खिलाफ बड़ी घटना की रच रहे साजिश : प्रतुल शाहदेव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि झामुमो केंद्रीय समिति के सदस्य नजरुल इस्लाम ने विकृत मानसिकता और जिहादी सोच का परिचय दिया है। श्री शाहदेव मंगलवार को मीडिया सेंटर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नजरुल ने पीएम नरेंद्र मोदी को जमीन के 400 फीट नीचे गाड़ने की धमकी दी है। इस बयान के सार्वजनिक होने के 24 घंटे के बाद भी पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। इससे साफ दिखता है कि सरकार ऐसे जिहादी तत्वों को बढ़ावा दे रही है। इससे पूर्व कोडरमा में राजद नेता ने पीएम मोदी की खोपड़ी में गोली मारने की बात कही थी। यह सीक्वेंस साफ दिखता है कि इंडी गठबंधन के नेता मोदी जी के खिलाफ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह बेहद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि झारखंड पुलिस के द्वारा अब तक नजरुल इस्लाम की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस जेहादी व्यक्ति ने तो सीधे तौर पर प्रधानमंत्री के हत्या की बात कही है। लेकिन फिर भी मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा खामोश है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिये। क्योंकि देश के प्रधानमंत्री की सुरक्षा से सीधा जुड़ा मामला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की अस्मिता और गौरव के प्रतीक हैं। उनकी हत्या करने की बात करके विपक्ष साफ दिखा रहा है कि उसका लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर विश्वास नहीं है। पूरे प्रदेश में राज्य सरकार अराजकता का वातावरण चाहती है। एक तरफ राजद और झामुमो के नेता मोदी जी की हत्या करने की बात कर रहे हैं। तो दूसरी तरफ आदिवासी महिला सांसद गीता कोड़ा को झामुमो के सशस्त्र समर्थकों द्वारा बंधक बनाकर रखा जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय को तुरंत संज्ञान लेना चाहिये। प्रधानमंत्री के ऊपर हमला करने की बात और उनकी हत्या की बात कहना राजद्रोह की श्रेणी में आता है।

आज रामनवमी, निकलेगी ऐतिहासिक शोभायात्रा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रामनवमी उत्सव मनाने के लिए रांची तैयार है। श्री महावीर मंडल रांची ने रामनवमी जुलूस निकालने की सभी तैयारियां पूरी कर ली है। शहर के सात स्थानों से दिन के डेढ़ बजे से शोभायात्रा निकाली जायेगी। 17 टोलियां और 1500 सदस्य इसके सफल संचालन में मुस्तैद रहेंगे। समय का ध्यान रखते हुए सभी अखाड़ाधारी निर्धारित समय और स्थान पर जुलूस के साथ पहुंचेंगे। मंडल के पदाधिकारी पूरे जुलूस का नेतृत्व करेंगे। इस संबंध में दुर्गा मंदिर ट्रस्ट भवन, महावीर चौक में सोमवार को मंडल अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू और मंत्री दीपक ओझा ने बताया कि इस बार लाखों रामभक्त बजरंगी झंडे, गाजे-बाजे और पारंपरिक हथियारों के साथ इतिहास बनाएंगे। दीपक ने शहर के सभी से शोभायात्रा में बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की है। साथ ही शराब या किसी तरह का नशीले पदार्थो का सेवन कर जुलूस में शामिल न होने का आग्रह किया है।

अखाड़ाधारियों का होगा मिलन

शहर के सात स्थानों से निकला जुलूस निर्धारित स्थान पर पहुंचने के बाद अखाड़ाधारियों का मिलन होगा। बाद में सभी साथ मिल कर अल्बर्ट एक्का चौक, मेन रोड के रास्ते एक साथ तपोवन मंदिर पहुंचेंगे। यहां झंडा पूजन के बाद वापस अपने अखाड़ा लौट जाएंगे।

यहां से निकलेगा जुलूस

पंडरा बाजार से निकलने वाला रामनवमी जूलूस पिस्कामोड़, रातू रोड क्षेत्र के मोहल्ले से निकली शोभायात्रा के साथ महावीर चौक पहुंचेगा। धावलनगर, कांके रोड, हातमा गांधीनगर से जुलूस निकल कर महावीर चौक पहुंचेगा। बड़गाईं से निकला जुलूस मेडिकल चौक, एदलहातू, करमटोली, जेल चौक, कचहरी चौक की ओर से आने वाली शोभायात्रा के साथ शहीद चौक पहुंचेगा। गाड़ी होटवार से निकला जुलूस कोकर, लालपुर, थड़पखना की ओर से आने वाली शोभायात्रा के साथ अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचेगा। लोवाडीह से निकला जुलूस कांटाटोली, पत्थलकुदवा, पुरुलिया रोड की ओर से आने वाली शोभायात्रा के साथ सर्जना चौक पहुंचेगा। चुटिया से निकला जुलूस गुदड़ी, कर्बला चौक, चर्च रोड की ओर से आने वाली शोभायात्रा के साथ काली मंदिर चौक पहुंचेगा। हिंदपीढ़ी, लेक रोड, मल्लाह टोली की ओर से आने वाली शोभायात्रा उर्दू लाइब्रेरी चौक पर पहुंचेगी। भुतहा तालाब, नौवा टोली, जालान रोड की ओर से आनेवाली शोभायात्रा शहीद चौक पहुंचेगी।

पुंदाग से निकला जुलूस कडरू, हरमू रोड, किशोरगंज, गाड़ीखाना रोड आदि की शोभायात्रा के साथ अपर बाजार होते हुए शहीद चौक चौक पहुंचेगा। सामलौंग से निकला जुलूस चुटिया, बहुबाजार, चर्च रोड की ओर से संकट मोचन मंदिर, मेन रोड पहुंचेगा। सभी जुलूस एक साथ तपोवन मंदिर के लिए प्रसथान करेगा।

रामनवमी की पूर्व संध्या पर राजधानी रांची में भव्य और आकर्षक झांकी का आयोजन

बांस की कीमत में उछाल, 100-300 रुपये तक हुई बांस की बिक्री

रांची। रामनवमी के एक दिन पूर्व मंगलवार को रांची के बाजार में जमकर बांस की बिक्री हुई, लेकिन बांस की कीमतों में खासा उछाल देखा गया। शहर में जो बांस सोमवार तक 70 से 80 रुपए में उपलब्ध थे, वह बांस मंगलवार को 100 से 300 रुपए तक बिक्री हुई। वहीं जो बांस सोमवार तक 150 से 200 रुपए तक मिल रहे थे, वह बांस मंगलवार को 300 रुपए तक बिक्री हुई। रामनवमी को लेकर बांस की मांग बढ़ गई है। बांस खरीदने आए ग्राहकों ने कहा कि इस वर्ष बांस की कीमत में खासा बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। पिछले वर्ष की तुलना में बांस की कीमत बढ़ गई है।

वहीं इस संबंध में बांस बेच रहे कारोबारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों से 80 से 100 रुपए तक की बांस खरीद कर लाते हैं। जिसे शहरी क्षेत्र में 150 से 175 रुपए में बेचते हैं। वहीं बड़े बांस की खरीद ही 150 रुपए पड़ रही है। इस कारण बड़े बांस की बिक्री 200 से 250 रुपए तक की जा रही है।

श्री सनातन महापंचायत की शोभायात्रा की तैयारी पूरी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। श्री सनातन महापंचायत के मुख्य संयोजक ललित नारायण ओझा ने सभी स्वागत शिविर के समाजसेवियों से निवेदन किया कि राम भक्तों को व्यवस्था बनायें और झंडेधारी को पानी पिलाकर सबको आगे बढ़ायें। संरक्षक संजय कुमार जायसवाल ने कहा कि शोभा यात्रा ऐतिहासिक होगी। शोभा यात्रा के मुख्य संरक्षक आशा लकड़ा, संजय सेठ, सीपी सिंह रहेंगे। शोभा यात्रा का नेतृत्व मुख्य संयोजक ललित नारायण ओझा, संजय कुमार जायसवाल, संजय मिनोचा, कृपा शंकर सिंह, मुकेश पाण्डेय, डॉ अनिल राम, शशांक राज, मेहुल प्रसाद, संजय महतो चंदन प्रजापति, राजेश प्रसाद, बब्बन बैठा, मंतोष सिंह, युवराज पासवान, सत्यजित सिंह, संजीत सिंह, दीपू राम, नवीन सिंह, पॉली मुकुल कुमार, शुभम जायसवाल, रौनक चौधरी करेंगे।

1980 के दशक में चार टोलियां थीं, आज भव्य हो चुकी है राजधानी रांची की रामनवमी शोभायात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। चैती दुर्गा पूजा समिति के आजीवन अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने बताया कि 1936 में मंदिर समिति के सदस्यों ने प्राचीन महावीर मंदिर, महावीर चौक से शोभायात्रा निकालना शुरू किया। 1929 से 1936 के बीच निकली शोभायात्रा ने सभी को एकजुट किया, जो बाद में भव्य रूप ले लिया। बता दें कि 1980 के दशक में रामनवमी की शोभायात्रा वृहद रूप ले चुकी थी। रांची शहर को चार टोली (क्षेत्र) में बांटा गया था। पूर्वी क्षेत्र में नामकुम व लोवाडीह, पश्चिमी क्षेत्र में बजरा (रातू रोड का इलाका), पंडरा (इटकी रोड का इलाका), उत्तरी क्षेत्र बड़गाई व बरियातू और दक्षिणी क्षेत्र में अरगोड़ा और पुंदाग शामिल था। इन जगहों से अलग-अलग अखाड़ा, हनुमान मंदिर और अन्य मंदिरों से शोभायात्रा निकलने लगी। सभी क्षेत्र से रामभक्त महावीर चौक पर एकजुट होते थे, इसके बाद तपोवन मंदिर तक शोभायात्रा बढ़ती थी। समय के साथ हर इलाके में अलग-अलग महावीर अखाड़ा बनता गया।

1930 से शोभा यात्रा में जुटने लगे थे लोग : वर्ष 1930 में स्व नानू भगत के नेतृत्व में रातू रोड स्थित ग्वाला टोली से शोभायात्रा निकाली गयी। परंपरा बनी रहे इसके लिए पांच अप्रैल 1935 को अपर बाजार स्थित संत लाल पुस्तकालय (वर्तमान में गोविंद भवन) में शोभायात्रा को लेकर बैठक हुई। इसमें रांची के कई लोग शामिल हुए। इसी बैठक में श्री महावीर मंडल का गठन हुआ। मंडल के प्रथम अध्यक्ष स्व महंत ज्ञान प्रकाश उर्फ नागा बाबा और महामंत्री डॉ रामकृष्ण लाल बने। इसके बाद स्व नानू, स्व कपिलदेव, स्व गंगा प्रसाद बुणिया, स्व जगदीश नारायण शर्मा, स्व हरवंश लाल ओबराय, स्व परशुराम शर्मा, सरयू यादव और स्व किशोरी सिंह यादव के नेतृत्व में शोभायात्रा निकलती रही।

वर्तमान में चार संगम स्थलों पर होता है भरत मिलाप : रामनवमी शोभायात्रा में आज भी संगम स्थल को महत्व दिया जाता है। इन संगम स्थलों पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से महावीर टोली पहुंचती हैं। एकजुट होने की परंपरा को आज भी भरत मिलाप के रूप में देखा जाता है। आज भी पहला संगम स्थल महावीर चौक को ही माना जाता है, जहां शहर के पश्चिमी क्षेत्र के रामभक्त जुटते हैं। दूसरा संगम स्थल शहीद चौक, तीसरा अलबर्ट एक्का चौक और चौथा संगम स्थल सुजाता चौक है। इन सभी संगम स्थल पर झंडे से झंडा मिलाकर आगे बढ़ने की परंपरा कायम है।

महावीर मंडल, अखाड़ाधारियों और नेतृत्वकर्ताओं ने की बैठक

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। श्री रामनवमी महोत्सव को धूमधाम एवं भव्य रूप से मनाने के लिए श्री महावीर मंडल के अखाड़ाधारियों एवं नेतृत्वकर्ताओं की बैठक हुई। अध्यक्षता राजीव रंजन मिश्रा ने की। बैठक में श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू, श्री चैती दुर्गापूजा महासमिति के अध्यक्ष शंकर दुबे एवं महामंत्री गोपाल पारीक, राम बानर सेना के अध्यक्ष लंकेश सिंह उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि श्री रामनवमी मोहत्सव की तैयारी पूरी हो चुकी है। राजीव रंजन मिश्रा ने बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में श्री महावीर मंडल के नेतृत्व में राजधानी रांची के विभिन्न क्षेत्रो से सभी राम भक्त अपने अपने अखड़ों से महाबली हनुमान के पताकों और श्री राम के जयकारों का उद्घोष कर मुख्य शोभायात्रा में शामिल होंगे। रवि कुमार पिंकू ने बताया कि श्री महावीर मंडल के द्वारा भव्य शोभायात्रा बुधवार को दोपहर 3 बजे निकाली जायेगी जो अपने निर्धारित मार्ग से होते हुये तपोवन मंदिर पहुंच भगवान श्री राम के चरणों मे श्रद्धा सुमन अर्पित करेगी। बैठक में शंकर दुबे, डॉ जीवाधन, काशी साहू, अमरदीप साहू, प्रकाश साहू, सुनील साहू, कृष्णा सहाय, सुनील रंजन सहाय, कैलाश केसरी, प्रदीप साहू आदि थे।

खबर एक नजर में

सुबह 11 बजे पहाड़ी मंदिर से तपोवन मंदिर को प्रस्थान करेगी शोभायात्रा

रांची। पहाड़ी मंदिर से भोले की फौज के द्वारा भाव रामनवमी शोभायात्रा बुधवार की सुबह 11 बजे पहाड़ी मंदिर से तपोवन मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी। इस शोभायात्रा को भाव स्वरूप देने के लिए पूरे गाजे बाजे मनमोहक झांकी के साथ भव्य जुलूस निकाली जाएगी। यह जुलूस पहाड़ी मंदिर से रातू रोड, दुर्गा मंदिर, महावीर चौक, हनुमान मंदिर, संकट मोचन हनुमान मंदिर में रोड में भजन करते हुए तपोवन मंदिर तक जाएगी

रामनवमी महोत्सव धूमधाम से मनाने का भक्तों से किया आग्रह

रांची। रांची में रामनवमी महोत्सव धूमधाम से मनाने के लिए रांची महावीर मंडल के अखाड़ाधारियों एवं नेतृत्वकर्ताओं की बैठक मंगलवार को हुई। महावीर मंडल बड़ा तालाब परिसर में हुई बैठक में रामनवमी महोत्सव को घर-घर में धूमधाम से मनाने की अपील की गई। महावीर मंडल ने रामभक्तों से आग्रह किया कि रांची के विभिन्न क्षेत्रों से सभी रामभक्त अपने-अपने अखाड़ों से महावली हनुमान के पताका के साथ अस्त्र-शस्त्र व गाजे-बाजे के साथ महावीर मंडल की मुख्य शोभायात्रा में शामिल होंगे। बैठक में महावीर मंडल के पूर्व अध्यक्ष रविकुमार पिंकु, चैती दुगार्पूजा महासमिति के अध्यक्ष शंकर दुबे व महामंत्री गोपाल पारीक, राम बानर सेना के अध्यक्ष लंकेश सिंह मौजूद उपस्थित थे।

कन्याओं ने मां भगवती को चुनरी भेंट भी

रांची। वासंतिक नवरात्र पर रातू रोड के केएन कॉलोनी में श्री राधा कृष्ण मंदिर में मंगलवार को श्रद्धालुओं ने कर्पूर ज्योत जलाकर सभी के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद कन्याओं ने मां भगवती को चुनरी और नारियल भेंट किया। मंदिर परिसर में पंडित ज्ञानदेव मिश्रा, चंद्रभान व रामचंद्र के नेतृत्व में भक्तों ने दुर्गा सप्तशती का पाठ किया। मंदिर कमेटी के मीडिया प्रभारी अरुण जसूजा ने बताया कि इसमें काफी संख्या में भक्त पहुंचे। श्री दुर्गा जागरण मंडली और मां भवानी ज्योत सेवा मंडल के सदस्यों ने रात में भजन पेश किया। महानवमी पर बुधवार को इंडियन आइडल फेम कुमार विश्वास भजन पेश करेंगे। विजयादशमी पर हवन एवं ज्योत का विसर्जन होगा। अनुष्ठान के आयोजन में चंद्रभान तलेजा, मनोहर लाल जसूजा, केसर पपनेजा, नंदकिशोर अरोड़ा, मनोज किंगर, पवन मनुजा, गौरीशंकर मादनपोत्रा, किशोरी पपनेजा, हरीश अरोड़ा, चंदन सिडाना, हरीश मनुजा, दिनेश गक्खड़, प्रवीण घई, निखिल घई, रामचंद्र तलेजा, हरीश नागपाल, नरेश अरोड़ा, राजदेवी मनुजा, कौशल्या देवी, बबिता, ज्योति अरोड़ा, शशि किंगर, पूजा जसूजा समेत अन्य की भागीदारी रही।

हत्याकांड के दोषी को उम्रकैद की सजा

रांची। हत्याकांड के 11 साल पुराने एक मामले की सुनवाई करते हुए अपर न्यायायुक्त विशाल श्रीवास्तव की अदालत ने मंगलवार को दोषी अभियुक्त बलजुरिया खेरवार उर्फ बबलू चौधरी उर्फ बलजोरिया को उम्र कैद की सजा सुनाई है। साथ ही, 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। अदालत ने हत्याकांड में 12 अप्रैल को दोषी पाया था। अभियुक्त बलजुरिया खेरवार पूर्व से ही जेल में है। अभियुक्त पर पुरानी दुश्मनी को लेकर रातू थाना क्षेत्र के एतवार बाजार के शेड में सो रहा बिनोद रवानी की गोली मारकर हत्या करने का आरोप था। हत्या के बाद बिनोद रवानी का गर्दन काट दी और मृतक का सिर काट कर अपने साथ ले गया। घटना को लेकर मृतक की पत्नी राजगुरु देवी ने रातू थाना में 11 सितंबर 2012 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया था कि मृतक बिनोद रवानी इसी मामले के दूसरे आरोपी देवगम खेरवार की पत्नी की हत्या के आरोप में पलामू में साढ़े चार जेल में रहने के बाद जमानत मिली थी। मामले में सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से ठोस सबूत पेश किया गया था।

रामनवमी शोभायात्रा को लेकर आज दोपहर दो बजे से नहीं रहेगी बिजली

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रामनवमी शोभायात्रा को लेकर रांची शहर में आज दोपहर दो बजे से बिजली बंद रहेगी। जबकि अन्य इलाकों में शोभायात्रा के प्रारंभ होते ही सभी सब स्टेशन-फीडरों से बिजली बंद कर दी जाएगी। शोभायात्रा के दौरान बिजली संबंधी किसी प्रकार की शिकायत व आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए रांची विद्युत एरिया बोर्ड के महाप्रबंधक पीके श्रीवास्तव के द्वारा सभी डिविजन के बिजली कर्मियों को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया है। पूरे शहर में जिला प्रशासन के साथ आपसी तालमेल और निर्देश के आधार पर बिजली बंद रखे जाने की योजना है। जिन निर्धारित इलाकों से शोभायात्रा गुजरेगी या वापस होगी, उन इलाकों में रात 11 या 12 बजे तक बिजली बंद रहने की संभावना है। इसके अलावा विभाग की तरफ से छह विद्युत प्रमंडल के 18 सब डिविजन अंतर्गत करीब 200 बिजली कर्मियों की तैनाती फिल्ड में की जाएगी। जो शोभायात्रा के प्रस्थान व वापसी सहित झंडों की उंचाईयों की निगरानी करेंगे।

बिजली संबंधी शिकायत होने पर इन नंबर पर करें कॉल

कोकर डिविजन 9431135615
रांची वेस्ट डिविजन 9431135664
न्यू कैपिटल डिविजन 9431135620
डोरंडा डिविजन 9431135608
रांची सेंट्रल डिविजन 9431135613
रांची ईस्ट डिविजन 9431135614

बिजली, पानी, सीसीटीवी कैमरा और खराब रास्ते नहीं किये गये हैं दुरूस्त

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में रामनवमी को लेकर उत्साह चरम पर है। हर वर्ष की तरह इस बार भी रांची में पारंपरिक रूप से हर्षोल्लास के साथ रामनवमी के अवसर पर शोभा यात्रा निकाली जाएगी। अपर बाजार स्थित महावीर मंदिर से करीब 4.5 किलोमीटर की दूरी तय कर बड़ी संख्या में भक्त तपोवन मंदिर पहुंचेंगे। बुधवार को निकलनेवाली इस शोभायात्रा को लेकर प्रशासनिक तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है, लेकिन सबसे अहम बात यह है कि जिस तपोवन मंदिर में पहुंचकर शोभा यात्रा समाप्त होती है उसके आसपास बिजली, पानी, सीसीटीवी कैमरा और खराब रास्ते को दुरुस्त नहीं किया गया है। फ्लाईओवर निर्माण की वजह से ओवरब्रिज होते हुए राजेंद्र चौक के रास्ते निवारणपुर मंदिर परिसर तक पहुंचने में श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होगी। हालांकि मंगलवार की देर रात से लेकर बुधवार की सुबह तक जिन अव्यवस्था को लेकर मांग उठाये गये हैं उसे दूर करने की कोशिश होगी।

रामनवमी पर आज रांची जिला में ड्राई डे

रांची। रामनवमी पर बुधवार को रांची जिला में ड्राई डे रहेगा। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रांची के निर्देशानुसार सहायक आयुक्त उत्पाद, रांची द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। 17 अप्रैल 2024 को जिला में सभी प्रकार की खुदरा उत्पाद दुकानें, बार एवं क्लब सहित, थोक बिक्री परिसर, सभी देसी-विदेशी शराब के विनिर्माणशाला तथा सभी प्रकार की उत्पाद अनुज्ञप्ति परिसर बंद रहेंगे तथा किसी भी प्रकार से शराब की बिक्री एवं आपूर्ति प्रतिबंधित रहेगा। निरीक्षक उत्पाद, अवर निरीक्षक उत्पाद एवं मानव प्रदाता कंपनी, रांची को अपने-अपने क्षेत्र/अंचल स्थित सभी खुदरा उत्पाद दुकानों को सीलबंद सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है। वहीं क्षेत्र में निगरानी एवं सतर्कता रखने को कहा है।

रामनवमी पर राममय रांची, अयोध्या की छवि वाले झंडे की अधिक डिमांड

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रामनवमी को लेकर रांची राममय हो गयी है। महावीरी झंडे से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। तरह-तरह के झंडे बाजार में आ हैं। इस बार बाजार में भगवान राम और अयोध्या की छवि वाले झंडे की डिमांड अधिक देखी जा रही है। रांची के तपोवन मंदिर को भी सजाया गया है। महंत ओमप्रकाश शरण बताते हैं कि इस साल हम दूसरी बार रामनवमी मना रहे हैं। अयोध्या में रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हुए थे, तब रांची समेत पूरे भारत में उत्सव मनाया गया था। इस बार रामनवमी का उत्साह ही कुछ और है। हर कोई अपने घर मे अयोध्या की झलक देखना चाह रहा है। यही वजह है कि झंडे में इस बार अयोध्या और भगवान राम की छवि वाले झंडे की डिमांड काफी हाई है।

इस साल दो बार मना रहे रामनवमी : तपोवन मंदिर के महंत ओमप्रकाश शरण बताते हैं कि ये वर्ष हमारे लिए बहुत शुभ हुआ। हम इस वर्ष 2 बार रामनवमी मना रहे हैं। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के विराजने के वक्त ही रामनवमी मन गयी। झारखंड में जुलूस और झांकी की परंपरा है, लेकिन अयोध्या में जुलूस नहीं निकलता है। वहां पहले सरयू नदी में भक्त स्नान करते हैं फिर हनुमानगढ़ी के दर्शन करते हैं। इसके बाद रामलला के दर्शन करते हैं। झारखंड में जुलूस निकलता है। यहां भी लोग आते हैं। हाथ में हुनमान जी का झंडा लेकर चलते हैं। यहां आकर भगवान हुनमान के दर्शन करते हैं। इसके बाद ही भगवान राम के दर्शन करते हैं। ये प्रथा तो यहां भी है।

हर साल की तरह सजा है तपोवन मंदिर : इस बार भी हर साल की भांति तपोवन मंदिर को सजाया गया है। झंडा लगाने की जगह सुनिश्चित कर ली गयी है। वहीं प्रशासनिक सहयोग पर महंत ओमप्रकाश शरण कहते हैं कि हमारी तरफ से हर बार पत्र भेजा गया है, लेकिन उनकी क्या तैयारी है, वह अभी तक हमें नहीं पता है।

महंत ने प्रशासन और राज्यपाल को लिखा पत्र

इस संबंध में तपोवन मंदिर के महंत ओमप्रकाश शरण ने अब तक व्यवस्था नहीं पूरी किए जाने पर नाराजगी जताते हुए जिला प्रशासन के साथ-साथ राज्यपाल को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि भक्तों की संभावित भीड़ को ध्यान में रखकर बिजली, सीसीटीवी और सड़क की साफ-सफाई आवश्यक है, ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी ना हो।

अपर्याप्त व्यवस्था से महावीर मंडल नाराज

रामनवमी के मौके पर हर साल आम और खास लोगों का जमावड़ा तपोवन मंदिर में लगता रहा है। इस स्थल पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री से लेकर कई वीआईपी रामनवमी के दिन आते रहे हैं। इसके अलावे भक्तों की भारी भीड़ सुबह से लगनी शुरू हो जाती है। ऐसे में मंदिर परिसर के अंदर की जिम्मेदारी तो मंदिर प्रबंधन लेता है, लेकिन मंदिर के बाहर की जिम्मेदारी प्रशासन की होती है। इधर, तपोवन मंदिर के आसपास समुचित व्यवस्था नहीं होने पर महावीर मंडल ने भी नाराजगी जताई है।

श्रद्धालुओं को मंदिर पहुंचने में हो सकती है परेशानी

महावीर मंडल के पूर्व अध्यक्ष हीरालाल साहू ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि रामनवमी शोभा यात्रा के दौरान जिस तरह से बड़े-बड़े ध्वज लेकर श्रद्धालु तपोवन मंदिर तक पहुंचते हैं, ऐसे में ओवरब्रिज होते हुए मंदिर तक पहुंचना बेहद ही मुश्किल होगा। मंदिर के आसपास बिजली और अन्य सुविधा का खास प्रबंध जरूरी है। वहीं जयप्रकाश गुप्ता कहते हैं कि जिस तरह से भक्तों की भीड़ शोभा यात्रा में उमड़ती है ऐसे में यदि व्यवस्था पूरी नहीं की जाती है तो श्रद्धालुओं को परेशानी जरूर होगी।

रांची में 1929 से शुरू हुई रामनवमी शोभा यात्रा

बहरहाल श्रद्धालुओं की आस्था का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रांची में 1929 से शुरू हुई रामनवमी शोभा यात्रा में समय के साथ भीड़ बढ़ती ही चली गई। अब रामनवमी की शोभा यात्रा में गांव से लेकर शहर में रहनेवाले श्रद्धालुओं का हुजूम सड़क पर उतर जाता है और पूरी रांची राममय हो जाती है। ऐसे में सड़क, बिजली और सीसीटीवी जैसी बुनियादी सुविधा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

तपोवन मंदिर के आसपास की अव्यवस्था, होगी परेशानी

तपोवन मंदिर में जीवित है परंपरा यहीं होता है शोभा यात्रा संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची का तपोवन मंदिर रामनवमी के मौके पर राममय हो जाता है। इस अवसर पर निकलने वाली शोभायात्रा बगैर तपोवन मंदिर में पहुंचे पूर्ण नहीं माना जाता है। ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण इस स्थल को लेकर कई तरह की मान्यताएं हैं जो 1929 से आज तक चली आ रही है। रांची में पहली बार रामनवमी की शोभा यात्रा इसी तपोवन मंदिर के सर्वप्रथम महंत रामशरण दासजी महाराज के द्वारा निकाली गई थी। जिन्होंने कुछ लोगों के साथ अपर बाजार स्थित महावीर मंदिर में झंडा का पूजा अर्चना कर तपोवन मंदिर तक यात्रा की थी। जहां पर पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर समापन किया गया। उस समय से चली आ रही यह परंपरा आज भी जारी है।

कुआं के नजदीक होती है झंडा की पूजा तपोवन मंदिर स्थित प्राचीन कुआं आज भी रामनवमी शोभा यात्रा का गवाह है। इस कुआं के नजदीक सबसे पहले पुराने झंडे की पूजा अर्चना कर उसे उतारा जाता है और नया लगाया जाता है। तपोवन मंदिर प्रबंधन यह अहले सुबह विधि विधान के साथ संपन्न करता है उसके बाद अन्य श्रद्धालु और शोभा यात्रा में आनेवाले ध्वज की पूजा की जाती है। मंदिर के महंत ओमप्रकाश शरण का मानना है कि यहां आनेवाले झंडे की विधि विधान से पूजा अर्चना की जाती है। मान्यता यह है कि इस दौरान जो भी मांगा जाता है भगवान श्रीराम और बजरंगबली की कृपा भक्तों पर बरसती है। कुआं अति प्राचीन है जिसमें सालों भर पानी रहता है और मंदिर का समस्त कार्य इसी के पानी से होता है।

कुआं का निर्माण कार्य करीब 250 साल पहले हुआ था। ओमप्रकाश शरण कहते हैं कि एक बार महात्माओं की टोली इस मंदिर में आए थे जो जल पीने की इच्छा जताई और मृतप्राय इस कुआं से निर्मल जल मिलने लगा। इस कुआं के समीप रामनवमी ध्वज की पूजा अर्चना की जाती है जिसके बाद शोभायात्रा का समापन होता है।

दूसरे राज्य या जिलों के आर्म्स लाइसेंसधारियों को भी चेतावनी, 48 घंटे के भीतर शस्त्र जमा करने का आदेश

जिनका लाइसेंस रांची से निर्गत है और वर्तमान में दूसरे जिला/राज्य में रह रहे हैं वैसे लाइसेंसधारियों को शस्त्र जमा करने का आदेश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। वैसे आर्म्स लाइसेंसधारी जिनका लाइसेंस रांची जिला से निर्गत है और वर्तमान में वो अन्य जिला या राज्य में रह रहे हैं, उन्हें शस्त्र जमा करने का आदेश दिया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची राहुल कुमार सिन्हा द्वारा लोकसभा (आम) निर्वाचन 2024 को स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त तरीके से सम्पन्न कराने को लेकर ये आदेश दिया गया है। श्री सिन्हा द्वारा उक्त शस्त्र लाइसेंसधारियों को आगामी 48 घंटे के भीतर अपने नजदीकी थाना/ओपी अथवा वैध शस्त्र एवं कारतूस विक्रेता दुकानों में शस्त्र जमा करने का आदेश दिया गया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा ने रांची जिला में रह रहे दूसरे राज्य/जिलों के आर्म्स लाइसेंसधारियों को भी चेतावनी देते हुए कहा कि वो अपना हथियार रांची जिला में रजिस्टर्ड करायें और अपने नजदीकी थाना में जल्द से जल्द जमा करायें।

जमा नहीं कराये तो होगी कार्रवाई

जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा ने कहा कि आदेश का अनुपालन नहीं करने पर शस्त्र लाइसेंसधारियों (रांची जिला एवं अन्य राज्यों/जिलों से निर्गत) के विरुद्ध शस्त्र नियमावली के सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जायेगी।

सभी थानों को सूची उपलब्ध कराने का आदेश

रांची जिला के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को अपने शस्त्रों को थाना/ओपी अथवा शस्त्र एवं कारतूस विक्रेता दुकान में दिनांक 13.04.2024 तक जमा करने का आदेश पूर्व में ही निर्गत किया जा चुका है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा ने बताया कि जिला के सभी थानों से प्रतिवेदन प्राप्त किया जा रहा है, सभी थानों को शस्त्र जमा करनेवालों और नहीं जमा करनेवालों की सूची उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया है, इसके बाद शस्त्र जमा नहीं करनेवालों के खिलाफ नोटिस जारी कर अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

हाई कोर्ट ने एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर व रांची नगर निगम प्रशासक को हाजिर होने का दिया निर्देश

रांची शहर में सीवरेज-ड्रेनेज परियोजना मामला

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची शहर में सीवरेज-ड्रेनेज परियोजना को पूरा करने का आग्रह करने वाली अरविंदर सिंह देओल की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में मंगलवार को हुई। मामले में रांची नगर निगम की ओर से कहा गया कि रांची शहर में सीवरेज-ड्रेनेज परियोजना के फेज वन के लिए एनएचएआई नो ऑब्जेक्शन नहीं दे रहा है। इस पर कोर्ट ने एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर और एडमिनिस्ट्रेटर रांची नगर निगम को अगली सुनवाई 24 अप्रैल को हाजिर होने का निर्देश दिया। नगर निगम की ओर से बताया गया कि फेज वन का 15% काम शेष बचा है। पिछली सुनवाई में राज्य सरकार ने फेज-टू, फेज थ्री और फेज फोर के निर्माण कार्य के संबंध में बताया था कि इसके डीपीआर के स्क्रूटनी का काम चल रहा है। अभी चुनाव आचार संहिता लगी है, इसलिए टेंडर की प्रक्रिया भी नहीं की जाएगी।

पूर्व की सुनवाई में रांची नगर निगम की ओर से अधिवक्ता एलसीएन सहदेव ने कोर्ट को बताया था कि जोन-वन का कार्य रांची नगर निगम कर रहा है, जिसका 15 प्रतिशत कार्य बचा है। एनएचएआई से अभी एनओसी नहीं मिला है।

जमीन कब्जा का विरोध कर रहा था रैयत

जमीन दलालों ने रैयत के साथ की मारपीट

जमीन दलालों का मनोबल इतना बढ़ा है कि वे किसी की जमीन पर कर ले रहे कब्जा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में हर दिन जमीन पर अवैध कब्जा और मारपीट की घटना निकल कर सामने आती है। जमीन दलालों का मनोबल इतना बढ़ा हुआ है कि वह किसी की जमीन पर जबरन कब्जा कर ले रहे हैं। जमीन मालिक अगर गलती से काम रोकने पहुंच रहे हैं, तो उनके साथ मारपीट कर रहे हैं। ताजा मामला लोअर बाजार थाना क्षेत्र का है। विजय लकड़ा की जमीन कोंका मौजा के नया टोली के पास खतियानी जमीन है। इस जमीन पर शनिवार की सुबह रंजित टोप्पो कुछ लोगों के साथ बाउंड्री का काम करा रहा था। जैसे ही जमीन मालिक विजय लकड़ा को इसकी जानकारी हुई वह मौके पर पहुंचे और काम रुकवाने लगे, लेकिन जमीन पर जबरन कब्जा कर रहे रंजित टोप्पो के साथ मौजूद लोगों ने खतियानी रैयत विजय लकड़ा के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। जिसके बाद जमीन मालिक ने रंजित टोप्पो, मजीत टोप्पो, संजीत टोप्पो, अनिकेत, हर्ष, आकाश और शंभू के खिलाफ लोअर बाजार थाने में आवेदन देकर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

मतदाता जागरूकता को लेकर एलइडी वैन रवाना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आगामी लोकसभा आम चुनाव 2024 को लेकर रांची जिला में स्वीप के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची राहुल कुमार सिनहा द्वारा समाहरणालय परिसर से एलईडी (वर्चुअल रियलिटी) वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान सहायक निवार्ची पदाधिकारी, रांची विधानसभा उत्कर्ष कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय एवं अन्य उपस्थित थे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा ने बताया कि जिले में लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारी सुनिश्चित कराई जा रही है। साथ ही मतदाताओं को जागरुक भी किया जा रहा है, इसी कड़ी में आज डिजिटल वैन को रवाना किया गया है, जो गांव, कस्बों, टोलों में जाकर वर्चुअल तकनीक के जरिए लोगों को मतदान और चुनावी प्रक्रिया के संबंध में जागरूक करेगा।

25 अप्रैल 2024 तक मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं नाम

जिला निर्वाचन पदाधिकारी राहुल कुमार सिन्हा ने बताया कि रांची के सामान्य निवासी जिनकी उम्र 1 अप्रैल 2024 को 18 वर्ष हो गई है, वो अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए उन्हें फॉर्म-6 भरकर बीएलओ को देना होगा या वो वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से भी फॉर्म-6 भरकर आवेदन दे सकते हैं।

संत जेवियर्स कॉलेज रांची में आर्गेनिक खेती पर सेमिनार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज रांची व इकोजेसुइट्स के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को आर्गेनिक खेती पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान बताया गया कि वर्तमान परिवेश में प्रदुषण को नियंत्रित करने के किये आर्गेनिक खेती एक उत्तम साधन है। इकोजेसुइट्स द्वारा पर्यावरण की रक्षा के लिए सभी को प्रेरित की जाती है और इस काम से जुड़ने के लिए आमंत्रित भी करते हैं। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. फादर नाबोर लकड़ा ने कहा कि मनुष्य के पास ज्ञान, बुद्धि व क्षमता है वह प्रदुषण को नियंत्रित कर सकता है। पर्यावरण धरती की रक्षा हमारी खुद की रक्षा है। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. चन्द्र शेखर सिंह ने भारत में कृषि के बदलते तरीके और आर्गेनिक खेती के बारे में विद्यार्थियों को बताया। मौके पर कॉलेज के रजिस्ट्रार डॉ. फादर प्रभात केनेडी सोरेंग, वनस्पति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अजय श्रीवास्तव थे।

मरीजों की सेवा को पूरी तरह से तैयार है देवनिका अस्पताल एंड रिसर्च सेंटर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। तुपुदाना स्थित देवनिका अस्पताल एंड रिसर्च सेंटर मरीजों की सेवा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अस्पताल के डायरेक्टर डॉक्टर देव कमल ने बताया कि वह काफी दिनों से ऐसे अस्पताल की कल्पना कर रहे थे, जहां समाज के हर वर्ग का इलाज संभव हो पाए। इसी सोंच को पूरा करते हुए हमने तुपुदाना में एक अस्पताल खोलने की योजना बनाई, जहां सभी रोगों का इलाज हो सके। इस अस्पताल में मात्र 400 में मरीज सामान्य ओपीडी में दिखा पाएंगे। एक मजबूत मेडिकल टीम जो 24 घंटे मरीजों की सेवा करने के लिए तत्पर रहेगी। 250 बेड वाले इस अस्पताल में 24 घंटे चलनेवाली अत्याधुनिक प्रयोगशाला है, जिसमें दुनिया भर से सर्वोत्तम संभव मशीनरी है। सात मंजिला इस अस्पताल में पहली मंजिल पर 65 बिस्तरों वाला सामान्य वार्ड है। दूसरी मंजिल पर अत्यधिक लैब है, तीसरी मंजिल पर सभी आईसीयू बेड के साथ एक अत्याधुनिक बर्न यूनिट भी है। चौथी मंजिल पर एक गैर मॉड्यूलर ओटी के साथ अत्याधुनिक चार मॉड्यूल है। पांचवी मंजिल पूरी तरह से कार्डियोलॉजी विंग है। छठी मंजिल पर हमारे पास लगभग 18 कमरे हैं। दोनों डीलक्स और एक अच्छे टेरेस गार्डन के साथ छोटे कमरे हैं। अस्पताल में न्यूरो सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, कैंसर सर्जरी, लेप्रोस्कोपी, गाइनेकोलॉजी, आदि इलाज की पूरी व्यवस्था की गई है साथ आयुष्मान, ईसीएचएस, ईएसआई हो, चाहे वे सरकारी या अर्ध-सरकारी योजना में किसी भी श्रेणी में आते हों, हम उन्हें स्वीकार करेंगे और उन्हें सर्वोत्तम संभव उपचार प्रदान करेंगे।

उपद्रवियों से निपटने के लिए रांची पुलिस तैयार

मॉक ड्रिल कर दिखायी ताकत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में रामनवमी को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। एक तरफ जहां मंगलवार को राजधानी में पुलिस के द्वारा फ्लैग मार्च किया गया वहीं रांची पुलिस लाइन में दंगाइयों से निपटने का मॉक ड्रिल कर रांची पुलिस ने यह जता दिया कि वह शांतिपूर्ण तरीके से रामनवमी पूजा को संपन्न करवाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

रांची पुलिस लाइन में मंगलवार को जिला पुलिस ने एहतियातन हिंसा से निपटने के लिए एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में रांची पुलिस के जवानों ने भाग लिया। इधर रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने जिला के सभी थाना एवं ओपी प्रभारियों को रामवनवमी के अवसर पर क्षेत्र में विशेष निगरानी करने का निर्देश दिया है। मंगलवार को एसएसपी के निर्देश पर रांची पुलिस लाईन में पुलिस ने मॉक ड्रिल कर जनता को यह बताने का प्रयास किया कि पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही समाज को बांटने वाली ताकतों के अरमान को पूरा नहीं होने दिया जाएगा।

पूरी तत्परता के साथ हुआ मॉक ड्रिल : रांची पुलिस के मॉक ड्रिल में पुलिस की तत्परता दिखी, यहां 'उपद्रवी' की भूमिका में भी पुलिस ही थी और उसपर कार्रवाई करनेवाले भी पुलिसकर्मी ही थे। उपद्रवियों की पत्थरबाजी से लेकर उनपर अश्रु गैस के गोले, हवाई फायरिंग, पानी बौछार, लाठीचार्ज से लेकर गिरफ्तारी तक की कार्रवाई की गयी। इस अभ्यास ने यह बता दिया कि पुलिस हर परिस्थिति से निपटने में सक्षम है। इस दौरान जवानों को यह भी बताया कि अगर इसमें घायल लोगों को कैसे तुरंत अस्पताल भेजा जाए।

रामनवमी को लेकर पुलिस अलर्ट : रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि रामनवमी को लेकर राजधानी की पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। आम लोगों के बीच किसी भी तरह का भय ना हो, लोग शांतिपूर्ण वातावरण में रामनवमी का पर्व मनाएं, इसके लिए पूरे शहर में फ्लैग मार्च किया गया है। वहीं पुलिस ने अपनी तैयारी को मुकम्मल करने के लिए पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल भी किया है।

सीसीएल में सरहुल मिलन समारोह का आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीसीएल मुख्यालय के कन्वेंशन सेंटर में मंगलवार को सरहुल मिलन समारोह का आयोजन सरना समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक, पवन कुमार मिश्रा थे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक, हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक हरीश दुहान एवं रांची विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर, डॉ. किशोर सूरीन उपस्थित थे। मुख्य अतिथि पवन कुमार मिश्रा ने प्रकृति को समर्पित सरहुल पर्व की बधाईयां देते हुए कहा कि प्रकृति और जंगल झारखण्ड की पहचान है। हर्ष नाथ मिश्र ने अपने सम्बोधन में कहा कि सरहुल हमें पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश देता है और इसके संदेशों को आत्मसात करना चाहिए। सीसीएल भी बेहतर पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत कार्य कर रहा है तथा इसी कड़ी में पर्यावरण अनुकूल खनन के साथ-साथ वृहद् स्तर पर वृक्षारोपण किया जा रहा है। रांची विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर, डॉ. किशोर सूरीन ने सरहुल पर्व की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सरहुल प्राकतिक पर्व है और आज आदिवासी समाज ही नहीं राज्य के प्रत्येक निवासी हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाते हैं।

इस अवसर पर मुख्यालय के विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी एवं अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष सचिन कुमार, सचिव सुभाष बेदिया, पंचम मुण्डा, दशरथ उरांव, सनोज एक्का, सोहित बेदिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सुंदरकांड -हनुमान चालीसा पाठ से गूंजा श्याम मंदिर

रांची। नसे रोग हरे सब पीड़ा जपत निरंतर हनुमत बीरा के सुरताल से हरमू रोड श्री श्याम मंदिर गूंजता रहा। हर मंगलवार को होने वाला 97 वा कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ। सुनील मोदी आशा मोदी ने परिवार संग हनुमान जी महाराज की दिव्य अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित करके केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का प्रसाद अर्पित कर परिवार के लिए खुशहाली की प्रार्थना की। बुधवार को रामनवमी उत्सव बड़े ही भव्य रूप में मनाया जायेगा।

रांची विवि के नये वेबसाइट को कुलपति ने किया लॉन्च

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. डा.अजीत कुमार सिन्हा ने मंगलवार को वीसी के कांफ्रेंस हौल में नये वेबसिइट को लांच किया। नये वेबसाइट का होम पेज पहले की अपेक्षा ज्यादा आकर्षक है और पूर्व की कई कमियों को भी दूर कर लिया गया है। कुलपति तथा रांची विश्वविद्यालय के सभी वरीय पदाधिकारियों ने मंगलवार को नये वेबसाइट को देखा और कहा कि अब यह वेबसाइट ज्यादा यूजर फ्रेंडली और वैश्विक स्तर के कलेवर का है। छात्रों तथा अन्य यूजर्स के लिए यह ज्यादा सहज है। लांचिंग के अवसर पर आरयू के सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

हेसल सरना समिति का सरहुल मिलन समारोह सह सरना प्रार्थना सभा 21 को

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हेसल सरना समिति की ओर से मंगलवार को सरहुल मिलन समारोह सह सरना प्रार्थना सभा तैयारी को लेकर केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप के अध्यक्षता में पिस्का मोड़ के सत्यारी सरना स्थल में बैठक हुई। इसका संचालन सती तिर्की ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि सरहुल मिलन समारोह सह सरना प्रार्थना सभा 21 अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगा। सुबह 10 बजे से प्रार्थना सभा का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया जायेगा। साथ ही 5 बजे शाम से सरहुल मिलन समारोह संस्कृति नृत्य गीत संगीत के साथ शुभारंभ होगा। इस दौरान सभी अतिथियों को सम्मानित किया जाएगा। समिति की ओर से इसकी तैयारी जोरों पर चल रही है।

बैठक में मुख्य रूप से सती तिर्की, अनिता उरांव, मीणा देवी, शोभा तिर्की, जितू तिर्की, नुरी तिर्की, नीलम उरांव, प्रमिला उरांव, पार्वती उरांव, सुनीता उरांव, पिंकी कुजूर आदि उपस्थित थीं।

सुदेश महतो ने बुंडू में आजसू पार्टी कार्यालय का किया उद्घाटन

लोकसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित होकर कार्य करें कार्यकर्ता: सुदेश महतो

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हमारी तैयारी राज्य की सभी 14 लोकसभा सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित करने की है। पार्टी के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी इसके लिए संकल्पित होकर कार्य कर रहे हैं। तमाड़ की जनता हमारे लिए एक परिवार है। इस सीट पर एनडीए के पक्ष में एक बड़ा जनादेश पाने और भविष्य में यहां पर एक बेहतर नेतृत्व देने की हमारी तैयारी है। उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने बुंडू में आजसू पार्टी कार्यालय के उद्घाटन के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के सभी ग्राम और पंचायत प्रभारियों के साथ लोकसभा चुनावों को लेकर संवाद किया।

उन्होंने कहा कि पार्टी का यह कार्यलय क्षेत्र की जनता और पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का काम करेगा। यह कार्यालय क्षेत्र की जनता की सेवा में हमेशा कार्यरत रहेगा। तमाड़ विधानसभा के विकास में इस कार्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। सुदेश महतो ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं पर दोहरी जिम्मेदारी है। लोकसभा चुनाव के साथ ही आने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को लगना है। पार्टी ने पूरे राज्य में ग्राम प्रभारी सुनिश्चित किया है। हर गांव में महिला और पुरुष प्रतिनिधि बनाने का काम लगभग पूरा हो गया है। बुंडू, तमाड़ और अड़की क्षेत्र में भी इस काम को पूरा कर लिया गया है अब तय समय के अंदर चूल्हा प्रमुखों के चयन के दायित्व को भी आप सभी पूरा करें।

इस अवसर पर मुख्य केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो, केंद्रीय महासचिव रामजी यादव, केंद्रीय प्रवक्ता डॉ सुधीर यादव, केंद्रीय सचिव रामदुर्लभ मुंडा, जिला परिषद विजय मनकी, श्याम महतो, परमेश्वरी सांडिल, राजकिशोर कुशवाहा, सुनील जायसवाल, रांची महानगर प्रभारी जितेंद्र सिंह, केंद्रीय सचिव पारसनाथ उराँव, संजय सिद्धार्थ, संजय महतो, मोसिन खान, सुधा मुण्डू, गुंजल इंकिर मुंडा, रमेश मुंडा, रमेश साहू, सिद्धार्थ साहू, जगदीश साहू, अजु पटनी इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

श्रीराम जन्मोत्सव के साथ राम चरित्र मानस की जयंती आज मनेगी

रांची। तिरुपति बालाजी मंदिर में बुधवार को चैत्र शुक्ल महानवमी तिथि में पुनर्वसु नक्षत्र एवं कर्क लग्न में कौशल्या नंदन प्रभु श्रीराम का प्राकट्य महोत्सव के उपलक्ष्य पर विविध धार्मिक अनुष्ठान होंगे। ब्रम्ह मुहूर्त के बेला में भगवान श्रीमन्नारायण का महाभिषेक होगा। प्रभु श्री रामलला कौशल्या के महाभाग, इक्ष्वाकुकुलका मान बढ़ाने वाले तथा दुष्टों का दमन करने के लिए अवतार ग्रहण किया। कौशल्या देवी ने दिव्य लक्षणों से युक्त, सर्वलोक वन्दित जगदीश्वर श्रीराम को जब जन्म दिया। इसके बाद कैकेयी से सत्यपरा भरत का जन्म हुआ, जो साक्षात भगवान विष्णु के स्वरूप भूत खीर के चतुर्थांश से भी कम भाग सेद्ध प्रकट हुए। रानी सुमित्रा ने लक्ष्मण को जन्म दिया। फिर शत्रुघ्न जी का जन्म हुआ।

स्पीड न्यूज

सरहुल मिलन आपसी प्रेमभाव को बढ़ाने का एक माध्यम : विधायक

सिकिदिरी। नवागढ़ में मंगलवार को सरहुल मिलन समारोह का आयोजन हुआ। इसका आयोजन नवागढ़ की पंसस फाल्गुनी शाही ने किया। मुख्य अतिथि खिजरी विधायक राजेश कच्छप, विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्य राजेन्द्र शाही मुण्डा, झामुमो के सिल्ली विस प्रभारी रामानंद बेदिया, अनगड़ा प्रमुख दीपा उरांव, उपप्रमुख जयपाल हजाम व भाजपा नेता रामसाय मुण्डा थे। काफी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। इसमें आसपास के नवागढ़, ओबर, बदरी, बरवाटोली, सोसो, गोड़ांग, मैनीछापर, मड़ईटोली की खोरहा टीमें नाच गान करते पहुंची। सभी पाहनों को सम्मानित किया। राजेश कच्छप ने कहा कि सरहुल मिलन आपसी प्रेमभाव को बढ़ाने का एक माध्यम है। यह हमें एक दूसरे से जोड़ती है। अतिथि के रूप में नवागढ़ मुखिया भुवनेश्वर बेदिया, कुच्चू मुखिया सहदेव बेदिया, भाजपा नेता सत्यदेव मुण्डा, प्रभुदयाल बड़ाईक, मानकी कामाख्या नारायण शाही, राजेश पाहन, बालेश्वर बेदिया, रब्बानी राज थे। इस अवसर पर संतोष बेदिया, संजय बेदिया, दिलीप मिर्धा, जगदीश भोगता, चमरू पाहन, बुधराम बेदिया आदि उपस्थित थे।

हज प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

इटकी। इटकी स्थित मक्का मैरेज हॉल में आगामी 18 अप्रैल गुरुवार को 36 वां वार्षिक हज प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। हज ट्रेनर हाजी कैसर आलम ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में हज 2024 के आजमीन-ए-हज को हज से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा।

निकली झांकी, आज भव्य शोभायात्रा

बेड़ो में निकली रामनवमी की भव्य झांकी।

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड मुख्यालय में श्री राम नवमी पूजा, मेला और झांकी सह शोभा यात्रा को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। श्री राम नवमी पूजा महासमिति के तत्वाधान में सोमवार की रात्रि महादानी मैदान में विभिन्न अखाड़ों के अखाड़ाधारी अस्त्र शास्त्र परिचालन प्रतियोगिता तथा झांकी प्रतियोगिता में कई गांव के लोगों ने भाग लिया। वहीं बुधवार को भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। लाखों की संख्या में श्रद्धालु महावीरी पताकाओं तथा अस्त्र शस्त्र के साथ शोभायात्रा में अपनी भक्ति की शक्ति का परिचय कराएंगे। रामनवमी शोभा यात्रा के साथ-साथ विशाल रामनवमी मेला का भी आयोजन किया जाएगा। श्री राम नवमी पूजा महासमिति के द्वारा पूरे बेड़ो प्रखंड मुख्यालय के मुख्य सड़कों तथा मंदिर मार्ग व महावीर चौक से गुमला रोड में को झंडों तथा पताकाओं से सजाया संवारा जा रहा है। वहीं दूसरी ओर तुको तथा रोगाडीह पतराटोली, डूमर दोन, तुको सहित कई जगहों पर राम नवमी पूजा के मौके पर शोभायात्रा निकाली जाएगी। इधर बेड़ो की पुलिस प्रशासन डीएसपी अखिल नितेश कुजूर के नेतृत्व में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी व द्रोण कैमरे के माध्यम से शोभायात्रा पर नजर रखी जाएगी।

बारीडीह हनुमान मंदिर का 34वां वार्षिक स्थापना दिवस मना

हनुमान मंदिर परिसर में हरिकीर्तन करते हुए श्रद्धालु।

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के बारीडीह गांव स्थित बजरंग बली हनुमान मंदिर का सोमवार को 34 वां वार्षिक स्थापना दिवस हर्सोल्लास के साथ मनाया गया।जहां मंदिर के पुजारी लाल बाबा ने गणेश पूजा,नवग्रह पूजा, पंचदेव पूजा,षोडशो मातृका पूजा व बजरंगबली की पूजा की गई।इसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया। वार्षिकोत्सव के मौके पर 12 घंटे का अखंड हरिकीर्तन व शाम में भंडारे का वितरण किया गया। वहीं मंगलवार को पूजा-अर्चना के बाद पूणार्हुति के साथ कार्यक्रम संपन्न किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुकेश कुमार राय,राज राय,प्रेम राय,सौमित्र शर्मा,साधन राय,सोनू कुमार,सुजीत राय,वाणी कुमार राय, धनंजय कुमार राय, दीपक सेन, रमेश प्रसाद गुप्ता, अनुज कुमार गुप्ता, ईश्वर गोप, तुर्कू गोप, उमेश सिंह, शिवनाथ साहू सुरेश उरांव, जिगवा टाना भगत ,बासु उरांव,गोविंदा उरांव सहित कई लोगों ने सराहनीय योगदान दिया।

रामनवमी पर शोभायात्रा निकाली

खबर मन्त्र संवाददाता

चान्हो/मांडर। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद की अगुवाई में मंगलवार को रामनवमी के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। ब्रांबे से लेकर ओपा झंडा मैदान तक करीब 25 किलोमीटर के इस शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में दोपहिया और चारपहिया में बजरंग दल, विहिप के कार्यकर्ता तथा विभिन्न हिंदू संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए। ब्रांबे के शिव मंदिर में पूजा अर्चना, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और आरती के बाद शोभायात्रा शुरू हुई थी। ब्रांबे चौक, मुड़मा, चिलटोली, कंदरी, मांडर, मिशन, सोसई आश्रम, करकट मोड़, बिजुपाड़ा चौक, चान्हो चौक, ओपा, सोस, महुंवाटोली चौक के रास्ते पतरातु गांव होते हुए

ओपा झंडा मैदान तक गई और यही पर शोभायात्रा का समापन हुआ। इस दौरान पूरा क्षेत्र जयश्री राम के नारों से गुंजायमान रहा। जगह जगह जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत किया गया। कई स्थानों पर पानी, सरबत और गुड़ चना का वितरण बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के बीच किया गया। खेलारी डीएसपी राम नारायण चौधरी के अतिरिक्त मांडर और चान्हो थाना की पुलिस सुरक्षा की कमान संभाले हुए थे। जुलुस को देखते हुए कई जगह फोरलेन रोड को वन-वे किया गया था।

अस्त्र शस्त्र चालन प्रतियोगिता का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर । मांडर शिव दुर्गा मंदिर समिति के द्वारा अस्त्र शस्त्र चालन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बजरंगी डंके के साथ जय श्री राम का नारा गुंजायमान हुआ। अखाड़े धारियों के द्वारा अस्त्र शस्त्र चालन प्रतियोगिता में एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज करतब का प्रदर्शन किया गया। प्रतियोगिता में मांडर, चान्हो, बुढ़मू प्रखंड क्षेत्रों के विभिन्न गाँवो से आए अखाड़ेधारियों ने अपने अस्त्र शस्त्र चालन के अनोखे कला कौशल का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को मन्त्रमुग्ध किया । प्रथम पुरस्कार चान्हो सोपारम की टीम को शंकर आचार्या के द्वारा अपने पूज्य पिता स्व. रवि आचार्या के नाम पर

31,00 रू दिया गया। वहीं द्वितीय पुरस्कार कंजिया मांडर को स्व. गणेश केशरी के नाम पर ढ 21,00 तथा तृतीय पुरस्कार चान्हो पहाड़टोली की टीम को मांडर मुखिया प्रकाश खलखो ने 15,00 देकर प्रोत्साहित किया। थाना प्रभारी राहुल ने कार्यक्रम का आगाज राम भक्तों, अखाड़ा धारियों समिति के सभी स्त्री पुरुष एवं बच्चों के साथ बजरंग बली की जय के नारे के बीच रामनवमी डंका बजा कर सभी को झूमाकर किया। उन्होंने सभी को अपने सम्बोधन में कहा कि भक्ति ही हमें संस्कार एवं अनुशासन सिखाती है। हम सभी को धर्म शास्त्रों में बताए मार्गो पर चलकर अपने परिवार, समाज, तथा देश को विकास के मार्ग में अग्रसर करना है. रामनवमी की शुभकामनायें आप सभी को राँची पुलिस की ओर से देते हुए आप सभी से अनुरोध है कि आप सभी सरकारी गाइड लाइन का उलंघन ना करते हुए श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा अर्चना या शोभा यात्रा संपन्न करें।

मौके पर शंकर आचार्या, पिंटू तिवारी, शैलवाहन कुमार, मुखिया प्रकाश खलखो, बेबी देवी, प्रीति केशरी, सुबोध शाहा, रमेश केशरी, पप्पू तिवारी, गीता देवी, शशि देवी, रेणु देवी, प्रमिला देवी, राकेश लहकार, ब्रज बिहारी ओझा, बजरंग साहु विक्की नाग, मनोज सोनी, आकाश आचार्या, राजेश केशरी, बिनोद सेन गुप्ता, ममता देवी, रानी देवी, कांति देवी अशोक अग्रवाल सहित समिति के सदस्य मौजूद थे।

सरहुल महोत्सव का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

राहे। प्रखंड के राहे पंचायत अंतर्गत महेशपुर गांव में मंगलवार को सरहुल महोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि विधायक सुदेश महतो उपस्थित हुए इन्होंने सभी ग्रामवासी को सरहुल की शुभकामनाएं दी और कहा कि सरहुल पूजा प्रकृति पूजा है जाति-धर्म से ऊपर रह कर हमें प्राकृतिक संरक्षण का संकल्प लेनी चाहिये। सभी समुदाय को संकोच को दूर भागते हुये परंपरागत रीति रिवाज को स्थापित करें। सरना स्थल में पाहान के द्वारा विधिवत रूप में सिंगा बोंगा की पूजन किया गया। शोभायात्रा का उद्घाटन कुरमी भाषा परिषद के नेता डॉ राजाराम

सरहुल शोभायात्रा में शामिल महेशपुर के ग्रामीण

महतो ने किया। इन्होंने कहा कि सरहुल हमें प्रकृति संरक्षण के साथ अपनी संस्कृति-परंपरा की विरासत को बचाने का संदेश देता है। पूजन के बाद ग्रामीणों ने डोमनडीह ब्लॉक होते हुये भगतसिंह चौक, सुभाष चौक, पाठकडीह,नावागांव होकर महेशपुर महोत्सव स्थल तक शोभायात्रा निकाली गयी। इस दौरान रंगारंग लोक सांस्कृतिक पर आधारित नृत्य और गीत प्रस्तुत किया गया। शाम को झूमर संगीत का उद्घाटन विधायक द्वारा किया गया। बाद छऊ नृत्य का आयोजन हुआ। मौके में काफी संख्या में महिला-पुरूष मौजूद रहे।

रामनवमी जुलूस के मार्गों का निरीक्षण

इटकी। सीओ विजय कुमार व थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने मंगलवार को रामनवमी पर्व के मद्देनजर रामनवमी जुलूस के मार्गों का निरीक्षण किया। इस दौरान सीओ ने जुलूस निकलने वाले मार्गों पर खड़ी वाहनों को हटाने के अलावा गुलजार रोड, त्रिविंधा चौक व इटकी बाजार परिसर में पुलिस बल तैनात कराने की बात कही। निरीक्षण के क्रम में उप प्रमुख परवेज आलम, कमेश वर्मन, महावीर मंडल के अध्यक्ष कृष्णा राम तिवारी सहित शांति समिति के सदस्यों मौजूद थे।

पंच दिवसीय हनुमत शिव, देवी प्राण प्रतिष्ठा सह रूद्र चंडी यज्ञ का समापन

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। प्रखंड के मुड़मा में आयोजित पंच दिवसीय हनुमत शिव, देवी प्राण प्रतिष्ठा सह रूद्र चंडी यज्ञ का समापन मंगलवार को हुआ। आयोजन समिति की ओर से आयोजित कथावाचन में कथावाचिका देवी रौशनी शास्त्री को सुनने सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। बताते चलें कि मुड़मा स्थित पांच धार्मिक स्थलों को असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़ दिया गया था, जिसके बाद ग्रामीणों द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यज्ञ को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष मनोहर

साहू, बिंदु भूषण दुबे, समाजसेवी बाबू पाठक सहित विनोद साहू, अर्जुन महतो, सुरेश उरांव, राम तिलक साहू, पंकज ठाकुर, जितेंद्र साहू, संजय साहू, तारकेश्वर केशरी, बसंत साहू, बबलू साहू, रामचरण साहू, ओमप्रकाश आनंद, आदित्य सोनी, अंबिका प्रसाद , विजय साहू, दिनेश गोप आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

पुलिस प्रशासन मुस्तैद, किया फ्लेग मार्च

पिपरवार। रामनवमी का त्योहार मनाए जाने को लेकर पिपरवार पुलिस प्रशासन पुरी तरह से अलर्ट मोड में हैं । चतरा पुलिस अधीक्षक विकास पांडे के निर्देश पर पिपरवार थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पिपरवार थाना क्षेत्र में मंगलवार को फ्लेग मार्च निकाला गया । फ्लेग मार्च थाना क्षेत्र के बचरा स्थित अशोक विहार, बचरा चार नंबर, बसंत बिहार कालोनी, विसुझापा कॉलोनी, बचरा बाजार टांड, माईनस कॉलोनी, 64 कॉलोनी, एलो कॉलोनी, बचरा एक नंबर काली मंदिर , सहित अन्य स्थानो में फ्लेग मार्च निकाला गया । इस दौरान पुरे रास्ते मे पिपरवार थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा ने लोगो से आपसी भाईचारा और शांतिपूर्ण माहोल में त्योहार मनाने की अपील की । इस फ्लेग मार्च के दौरान अवर निरीक्षक अभिमन्यु कुमार, अंजनि कुमार, शैलेश राय, सहित काफी संख्या में थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

भक्तिमय वातावरण में महा अष्टमी की हुई पूजा

खबर मन्त्र संवाददाता

सोनाहातू/राहे। भक्ति में वातावरण में पूरे क्षेत्र में मंगलवार को महाअष्टमी की पूजा की गई श्रद्धालुओं ने माता के चरणों में श्रद्धा के पुष्प अर्पित किए इस दौरान प्रतिमा दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ दिनभर लगी रही। प्रखंड के पांडुडीह, सोनाहातू आदि गांवों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। इधर राहे प्रखंड के दुलमी ओर ठाकुर मुहल्ला राहे में स्थापित प्रतिमा स्थल पर पूजा के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही ।सोनाहातू थाना प्रभारी चंदन कुमार सभी पूजा पंडालों का दौरा कर आवश्यक निर्देश दिये। राहे क्षेत्र में प्रभारी फैज रब्बानी के नेतृत्व में पुलिसबल विधि व्यवस्था के लिए तत्पर दिखाई दिये।

एक नजर में

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

पिस्का नगडी। प्रखंड के संत जगत ज्ञान सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में विकास पुरुष सह समाजसेवी स्वर्गीय डॉ नन्दकिशोर मेहता की तृतीय पुण्यतिथि मनाते हुए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें कई लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ संत जगत ज्ञान महर्षि मेंहि पब्लिक स्कूल के प्राचार्य इंजी. संदीप राज के द्वारा अतिथियों का स्वागत तथा परिचय प्रदान कराते हुए उन्हें गुलदस्ता, बैच तथा मोमेंटो द्वारा सम्मानित करते हुए किया गया। अतिथियों के द्वारा स्वर्गीय डॉ नन्दकिशोर मेहता की तस्वीर और मूर्ति पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन किया गया। विद्यालय की शिक्षिका ज्योत्सना कुमारी तथा ग्रुप के द्वारा स्वर्गीय डॉ मेहता को समर्पित एक गीत प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के शिक्षक संतोष कुमार चौबे के द्वारा स्वर्गीय डॉ मेहता के दृष्टिकोण तथा उनके उद्देश्यों को जीवन परिचय प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, कला तथा संस्कृति, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा का क्षेत्र, रक्तदान करने वाले रक्तवीर, कोरोना काल योद्धा, महिला सशक्तिकरण तथा नगड़ी प्रखण्ड में दसवीं तथा बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को शॉल तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

सरहुल पर्यावरण संरक्षण के लिए करता है प्रेरित : कालीचरण मुंडा

बुंडू। खूंटी संसदीय सीट के कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा बुंडू प्रखंड स्तिथ नावाडीह गांव में सरहूल महोत्सव में शामिल हुये। प्रत्याशी कालीचरण मुंडा का ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति रिवाज से स्वागत किया। प्रत्याशी कालीचरण मुंडा ने भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। पश्चात नावाडीह में सरहूल महोत्सव पर कालीचरण मुंडा ढोल नगाड़े पर जमकर थिरके। सरहूल महोत्सव को संबोधित करते हुए कालीचरण मुंडा ने कहा की सरहूल पर्व आदिवासियों के प्रकृति प्रेम का प्रतीक है। जंगलों को बचाने की दिशा में काम करने की जरूरत है। सरहूल मानव सभ्यता को वन पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करता है एवं मानव जीवन दर्शन के मौलिकता को दशार्ता है। सरहुल महोत्सव हमारी पौराणिक संस्कृति को दशार्ती है। जरूरत है हमे इसे संजोने की। इस पर्व के माध्यम से हमें प्रकृति की महत्व को समझते है। सरहुल आदिवासी समाज का पारंपरिक पर्व है। यह पर्व आदिवासी समाज द्वारा पीढ़ी दर पीढ़ी मनाते आ रहे है। आज के इस आधुनिक युग में इस पर्व को बचाए रखना हम सभी का परम कर्तव्य है। इसमें युवाओं की भूमिका अहम रहेगी। उन्होने आगे कहा की हमें गर्व है कि हम प्राकृतिक उपासक हैं। हमारा धर्म अति प्राचीन एवं विज्ञान पर आधारित है। हमारी धार्मिक, समाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक मान्यताएं एवं परंपराएं प्रकृति के नियमानुसार बनें हैं।

देशी शराब की भट्ठी में छापामारी

इटकी। इटकी पुलिस ने मोरो गांव में अवैध रूप से चलाये जा रहे देशी शराब की भट्ठी में छापामारी कर करीब चार क्विंटल जावा महुवा और 20 लीटर तैयार देशी शराब को जब्त कर लिया है। वहीं शराब कारोबारी रमेश साहू अधेरे का फायदा उठा कर भागने में सफल रहा। थाना प्रभारी अभिषेक कुमार के अनुसार उन्हें गुप्त सूचना मिली थी के मोरो गांव के रमेश साहू पिता दुखू साहू के घर में अवैध रूप से देशी शराब की भट्ठी चलायी जा रही है। जिस में देशी शराब निर्माण और भंडारण किया जा रहा है।

सिदरौल जोड़ा मंदिर में चोरी, घंटा सहित दो दानपेटी तोड़कर पैसे की चोरी

खबर मन्त्र संवाददाता

नामकुम। थानाक्षेत्र के सिदरौल जोड़ा मंदिर में सोमवार देर रात अज्ञात चोरों चोरी कर ली। चोरों ने इस दौरान मंदिर से बडा घंटा, आरती की जाने वाली घंटी एवं दो दानपेटी तोड कर लगभग चार हजार रुपये चुरा लिए। मंदिर के पुजारी सत्येन्द्र वैद्य ने बताया कि मंगलवार सुबह लगभग चार बजे वे रोज की भांति बाजा बजाने मंदिर पहुंचे तो देखा कि बाहर का ताला लगा हुआ था और अंदर सारा सामान बिखरा पडा हुआ था। मंदिर में रखी दो दानपेटी टुटी पडी थी और घंटा सहित कुछ सामान गायब थ। पुजारी श्री, वैद्य ने मामले की जानाकरी स्थानीय लोगों को दी जिसके बाद बडी संख्या में लोग मंदिर पहुंचे और देखा कि मंदिर के पिछले हिस्से में बनी ग्रिल से चोर अंदर घुसे। बुधवार को रामनवमी होने और हनुमान मंदिर में चोरी को लेकर लोग आक्रोषित हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही नामकुम पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन षुरू कर दी। लोगों ने बताया कि सिदरौल क्षेत्र में चोरों का आतंक बढ गया है। कई बार बड़ी बड़ी चोरी एवं डकैती की घटना घट चुकी है। इसलिए लोगों ने पुलिस से मांग की है कि रात में पेट्रोलिंग कर घटनाओ में लगाम लगायी जाए।

सिदरौल के इसी मंदिर में हुई चोरी

खबर मन्त्र
रांची. बुधवार .17 अप्रैल 2024
अभिव्यक्ति
epaper.khabarmantra.net

जीएसटी में सुधार

बीते दशक के सबसे महत्त्वपूर्ण सुधारों की बात करें तो वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार उनमें से एक है। बहरहाल, कई वजहों से इसका प्रदर्शन शुरूआती अनुमानों की तुलना में कमजोर रहा और अर्थव्यवस्था को इससे उतना लाभ नहीं मिला जितनी कि कल्पना की जा रही थी। इसमें बहुत सुधार की गुंजाइश है। जीएसटी से जुड़े निर्णय यद्यपि जीएसटी परिषद लेती है लेकिन अगली केंद्र सरकार चाहे जिस दल या गठबंधन की हो, उसे लंबित सुधारों को गति देनी चाहिए। उसे जीएसटी 2.0 के तहत न केवल कर संग्रह बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए बल्कि समग्र अप्रत्यक्ष कर प्रशासन में सुधार करना चाहिए जिससे देश में कारोबारी सुगमता बढ़े। वर्ष 2023-24 में समग्र जीएसटी संग्रह में 11.7 फीसदी का सुधार हुआ और यह 20.18 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार यह संग्रह जीडीपी का 6.86 फीसदी था। शुद्ध रिफंड की बात करें तो संग्रह जीडीपी के 6.13 फीसदी तक रहा जो पिछले वर्ष से बेहतर है। बहरहाल, राजस्व संग्रह का आकलन जीएसटी समेत सभी करों के आधार पर होना चाहिए। कर से होने वाला सामान्य सरकारी राजस्व संग्रह जीएसटी में शामिल होने के बाद 2016-17 में जीडीपी का 6.3 फीसदी रहा। वर्तमान प्रदर्शन अधिक निराश करने वाला होगा, अगर उपकर को इससे बाहर कर दिया जाए। रिफंड और उपकर को हटा दें तो जीएसटी संग्रह जीडीपी के छह फीसदी के नीचे आ जाएगा। दरों की बहुलता ने कई भ्रम पैदा किए। कई मामलों में शुल्क उलट दिया गया जिससे राजस्व वर्षों तक प्रभावित हुआ। जीएसटी की शुरूआत में जो प्रभावी औसत दर 14.4 फीसदी थी वह 11.6 फीसदी रह गई। चुनाव में गंभीर आर्थिक मसले मुद्दें नहीं बनते लेकिन सुधार से ही समाज के हर वर्ग का विकास संभव है।

बेहतर मानसून

भारत में मानसून की स्थिति सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग (क्टऊ) ने आज यानी 15 अप्रैल को इस साल के दक्षिण-पश्चिम मानसून का पहला पूवार्नुमान जारी किया। क्टऊने अपनी अनुमान में बताया कि भारत के ज्यादातर इलाकों में चार महीने के मानसून सीजन के दौरान लॉन्ग टर्म एवरेज की 106 प्रतिशत बारिश होगी। साल 1951 से 2023 तक के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में उन नौ मौकों पर सामान्य से अधिक मानसूनी बारिश दर्ज की गई, जब अल नीनो के बाद ला नीना की स्थिति बनी।भारत में अच्छे मानसून से संबंधित ला नीना की स्थिति अगस्त-सितंबर तक एक्टिव होने की संभावना है। मृत्युंजय ने कहा कि इस समय मध्यम अल नीनो की स्थिति बनी हुई है। क्टऊका अनुमान है कि मानसून का मौसम शुरू होने तक यह सामान्य हो जाएगा। इसके बाद ला लीना की स्थिति अगस्त-सितंबर तक आ सकती है।अपने मौसम पूवार्नुमान में बताया कि उत्तर-पश्चिम , पूर्व और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश के ज्यादातर इलाकों में सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है।दक्षिण-पश्चिम मानसून का भारत की सालाना बारिश में करीब 70 फीसदी योगदान होता है, जो खेती-किसानी यानी कृषि क्षेत्र के लिए काफी अहम होता है। गौरतलब है कि भारत की ऋ्रुद्ध में कृषि क्षेत्र का करीब 14 फीसदी योगदान है। यानी अगर सही सीजन में बेहतर बारिश होती है तो भारत को अर्थव्यवस्था में मदद मिलेगी क्योंकि जीडीपी ग्रोथ भी और अधिक बढ़ सकती है। दीर्घकालिक बारिश के पूवार्नुमान 1971 से लेकर 2020 तक के बारिश के आंकड़ों के आधार पर जताए गए हैं। 1 जून से लेकर 30 सितंबर तक देशभर में कुल बारिश औसतन 87 सेंटीमीटर हो सकती है। निश्चित ही यह देश के लिये एक सकून का वर्ष होगा।

बैंक राष्ट्रीयकरण पूरा कर चुका है अपना लक्ष्य

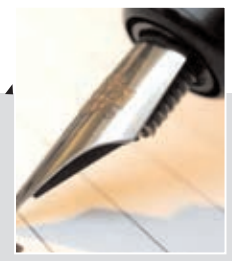

भारत सरकार ने 1969 में देश के बैंकिंग उद्योग के लिए एक बड़ा कदम उठाया था। अब पांच दशक से कुछ अधिक समय बीतने के बाद कई लोग यह प्रश्न पूछने लगे हैं कि क्या वह भारतीय वित्तीय प्रणाली के लिए एक वाकई क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला कदम था? तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 19 जुलाई, 1969 को राष्ट्र के नाम संबोधन में बैंकों के राष्ट्रीयकरण की घोषणा की थी। इसके बाद उसी मध्य रात्रि 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। उस समय इनमें प्रत्येक बैंक के पास कम से कम 50 करोड़ रुपये जमा रकम थी। इसके बाद 1980 में छह से अधिक व्यावसायिक बैंकों का भी राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। इनमें प्रत्येक बैंक के पास 200 करोड़ रुपये से अधिक जमा रकम थी।

तब से बैंकिंग उद्योग आगे बढ़ता गया। जून 1969 में देश में 73 व्यावसायिक बैंक थे जिनकी संख्या अब बढ़कर 94 हो गई है। इनमें लघु वित्त बैंक और भुगतान बैंक भी शामिल हैं। हालांकि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और स्थानीय क्षेत्र बैंक (लोकल एरिया बैंक) इनका हिस्सा नहीं हैं। बैंक शाखाओं की संख्या भी 8,262 से बढ़कर 1,58,373 हो गई है। जून 1969 में 1,833 ग्रामीण, 3,342 अर्द्ध शहरी, 1,584 शहरी और 1,503 महानगरीय शाखाएं थीं। अब क्रमशः इनकी संख्या बढ़कर 52,773, 43,683, 30,638 और 31,279 हो गई हैं। 1969 में 64,000 लोगों पर एक बैंक शाखा थी लेकिन अब यह अनुपात प्रति शाखा 9,500 हो गया है।

जून 1969 में बैंकों का कुल जमा आधार 4,646 करोड़ रुपये था और ऋण खाता 3,599 करोड़ रुपये था। जून 2021 तक जमा आधार बढ़कर 153 लाख करोड़ रुपये और ऋण खाता बढ़कर करीब 108.5 लाख करोड़ रुपये हो गए हैं। पिछले कुछ वर्षों से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण की चर्चा चल रही हैं क्योंकि उनमें कुछ की वित्तीय सेहत डगमगा गई है। पहली बार फरवरी 2021 के केंद्रीय बजट में दो ऐसे बैंकों के निजीकरण की चर्चा हुई। हालांकि सरकार आईडीबीआई बैंक के निजीकरण करने की योजना का खुलासा पहले ही कर चुकी है।

आईडीबीआई बैंक के निजीकरण पर काम चल रहा है और इस पर भी कयास लगाए जा रहे हैं कि दो अन्य बैंक कौन हैं जिनका निजीकरण किया जाएगा। निजीकरण प्रक्रिया की तरफ बढ? के साथ ही कई बैंकों का एकीकरण भी हुआ है और अब 2017 से 2020 के बीच इनकी संख्या कम होकर 27 से केवल 12 रह गई है।

- तमाल बंधोपाध्याय

> तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 19 जुलाई, 1969 को राष्ट्र के नाम संबोधन में बैंकों के राष्ट्रीयकरण की घोषणा की थी। इसके बाद उसी मध्य रात्रि 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। उस समय इनमें प्रत्येक बैंक के पास कम से कम 50 करोड़ रुपये जमा रकम थी। इसके बाद 1980 में छह से अधिक व्यावसायिक बैंकों का भी राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। इनमें प्रत्येक बैंक के पास 200 करोड़ रुपये से अधिक जमा रकम थी।

वित्त सचिव टी वी सोमनाथन के बयान से बैंक निजीकरण पर चर्चा और तेज हो गई है। पिछले दिनों एक कार्यक्रम में सोमनाथन ने कहा था कि सरकार अंततः सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों का विलय कर देगी और एक नीति के तौर पर इन पर न्यूनतम नियंत्रण ही रखेगी। हालांकि उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि ये उनके व्यक्तिगत विचार हैं और उनके बयान को भारत सरकार का आधिकारिक रुख नहीं माना जाना चाहिए।

सन 1969 से पहले भी बैंकों के राष्ट्रीयकरण की पहल की गई थी। 1963 में इस संबंध में एक अध्यादेश तैयार किया गया था और इसके तहत पांच बड़े सरकारी बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया जाना था। राजनीति के अलावा बैंक राष्ट्रीयकरण के पीछे दूसरे कई कारण भी थे। दूसरे विश्व युद्ध के बाद कई बैंक धराशायी हो गए क्योंकि वे कयास के आधार पर विभिन्न गतिविधियों के लिए रकम दे रहे थे।

आरबीआई 300 से अधिक बैंकों के नियमन एवं निगरानी से जूझ रहा था। इनमें कई बैंक उद्योग एवं कृषि को वित्त मुहैया कराने के लिए तैयार नहीं थे और उन्होंने केवल व्यापार के लिए ऋण आवंटित किए।

सन 1960 में जब पलाई सेंट्रल बैंक और लक्ष्मी कमर्शियल बैंक धराशायी हो गए तो आरबीआई ने इनके उद्धार के लिए बड़े स्तर पर एकीकरण अभियान शुरू किया। इससे 1965 तक बैंकों की संख्या कम होकर 94 रह गई जो 1960 में 328 थी। बैंकों के राष्ट्रीयकरण से बैंङ्किग सेवाएं देश के सुदूर क्षेत्रों तक ले जाने और अधिक से अधिक लोगों को इसके दायरे में लाने में मदद मिली। अब इस रुख में बदलाव करने की जरूरत है। इसकी वजह यह नहीं है कि कुछ बैंकों की सेहत अच्छी नहीं है। इसकी वजह यह है कि कमजोरी तो लक्षण मात्र है, दरअसल हमें बीमारी दूर करनी होगी।

राष्ट्रीयकरण के बाद सरकार ने वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) का गठन किया जिससे साबित हो गया कि बैकों के परिचालन में सरकार अपना नियंत्रण बनाए रखना चाहती है। आरबीआई के पूर्व गवर्नर वाई वी रेड्डी इसे संयुक्त परिवार रणनीति कहते हैं। बैंक, सरकार और आरबीआई 'हिंदू अविभाजित परिवार' का हिस्सा बन गए जिसमें किसी को पूरी तरह नहीं मालूम था कि दूसरा क्या कर रहा है। रेड्डी ने नवंबर 2000 में अपने एक भाषण में कहा कि वे सभी जनता की सेवा कर रहे थे। आरबीआई के एक और गवर्नर रघुराम राजन ने डीएफएस बंद करने तक की सलाह दे डाली।

अगर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक लोगों की सेवा का राजनीतिक माध्यम हैं तो उन्हें कारोबारी इकाई के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

सरकार यह जानती है और यहां तक कि बैंक और उनके ग्राहक भी यह बात समझते हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार को कारोबार में नहीं उतरना चाहिए। उन्होंने कहा था कि उद्यम एवं कारोबारों को समर्थन देना सरकार का कत्त्रव्य है लेकिन उनका मालिकाना हक भी वह अपने पास रखे यह जरूरी नहीं है। बैंक राष्ट्रीयकरण अपना लक्ष्य पूरा कर चुका है। अब आगे बढ? का समय है और लोगों की सेवा करने के लिए सरकार को कुछ ही बैंकों पर अपना स्वामित्व रखना चाहिए।

खास बात
नारी की छवि

पुष्पा

जब आज के युग में यह स्पष्ट रूप से स्वीकार कर लिया गया है कि घर के कामों को पति और पत्नी समान रूप से मिलकर निपटाते हैं, पत्नी का स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि पति का; एक महिला को छुट्टी पर जाने और मौज-मस्ती करने का उतना ही अधिकार है जितना पुरुष को; फिर ऐसा क्यों है कि विज्ञापनों में वही पुरानी छवि पेश की जाती है? बाथरूम क्लीनर के विज्ञापन में महिलाओं को सफाई एजेंटों के रूप में क्यों दिखाना चाहिए? प्रेशर कुकर का विज्ञापन या मसाला ब्रांड का प्रचार या कुकिंग ऑयल का विज्ञापन केवल महिलाओं के लिए ही क्यों होना चाहिए? एडवेंचर और मस्ती को दर्शाने वाले विज्ञापनों में केवल पुरुषों को ही क्यों दिखाया जाना चाहिए? महिलाओं को ऐसा तेल क्यों चुनना चाहिए जो उनके पतियों को स्वस्थ रहने में मदद करे इसके उलट क्यों नहीं? सौभाग्य से, मैं आजकल, कुछ विज्ञापन देखती हूं जो इन रूढ़ियों से दूर जा रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसे विज्ञापन बहुत कम हैं। उपभोक्ताओं के सोचने और कार्य करने के तरीके को भी प्रभावित करते हैं, खासकर जब उत्पादों या सेवाओं का लाखों अनुयायियों के साथ मशहूर हस्तियों द्वारा समर्थन किया जा रहा हो। विज्ञापनदाता और समर्थनकर्ता दोनों को इसके प्रति संवेदनशील होना होगा और जिम्मेदारी से काम करना होगा। लेकिन हमेशा ऐसा होता नहीं। इसका एक बड़ा उदाहरण फेयरनेस क्रीम और साबुन की मार्केटिंग है। यह सच है कि रंग पूर्वाग्रह हमारे समाज में पहले भी था, लेकिन अपने उत्पादों को बेचने के लिए, दशकों तक इन निमार्ताओं ने अपने विषैले संदेशों के जरिये गोरी त्वचा को सुंदरता और सफलता से जोड़ा। जुलाई 2018 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैकेनिकल एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में प्रकाशित मैसूरू में युवाओं के खरीद-व्यवहार और विश्वास प्रणाली पर फेयरनेस क्रीम के विज्ञापनों के प्रभाव पर एक अध्ययन रिपोर्ट छपी, इसमें सामने आया कि कैसे फेयरनेस क्रीम विज्ञापनों ने सुंदरता की परिभाषा को प्रभावित किया। सुंदर सांवले लोगों के मानस को इन विज्ञापनों ने जो नुकसान पहुंचाया।

शिव शक्ति

धर्म-प्रवाह

बीएन पाण्डेय

मां दुर्गा की उत्पत्ति के संदर्भ में शिव पुराण के अनुसार आदि देव शिव ने लीला शक्ति से अपने आकार यानी मूर्ति की कल्पना की, उसके पश्चात उन्होंने अपने ही विग्रह से एक स्वरूप मूर्त शक्ति की रचना की, जो परा शक्ति की प्रधान, प्रकृति, माया, बुद्धि तत्व की जननी तथा विकार रहित थी। शिव की यही शक्ति अंबिका कहलायी जिसे पार्वती, शिवा, उमा, शैल, तनुजा, शक्ति आदि नामों से पुकारा गया।

देवों के तेज का एकाकार रूप

मार्कण्डेय पुराण के देवी महात्म्य के अध्याय-2 के अनुसार महिषासुर वध के लिए देवी प्रकट हुईं। सबसे पहले भगवान विष्णु के मुखमंडल से एक प्रकाश पुंज प्रकट हुआ। इसी प्रकार ब्रह्मा एवं शिव आदि देवताओं के शरीर से एक तीव्र तेज निकला, जो मिलकर एकाकार हो गया। उसके पश्चात वह एकाकार रूप एक नारी रूप में परिवर्तित हो गया। उस नारी स्वरूप को शिव के तेज से मुख, यमराज के तेज से बाल, विष्णु के तेज से भुजाएं, चंद्रमा के तेज से वक्ष, इंद्र के तेज से कटि प्रदेश, वरुण के तेज से जंघाएं, पृथ्वी के तेज से नितम्ब, ब्रह्मा के तेज से चरण, सूर्य के तेज से उंगलियां, कुबेर के तेज से नासिका, प्रजापति के तेज से दांत, अग्नि के तेज से तीनों नेत्र और वायु के तेज से कान उत्पन्न हुए। दुर्गा सप्तशती के अनुसार इस नारी स्वरूपा दुर्गा को असुरों के साथ होने वाले महासंग्राम में विजयश्री प्राप्ति हेतु भगवान शिव ने त्रिशूल, विष्णु ने चक्र, वरुण देव ने शंख, पवन देव ने धनुष बाण और तरकश हैं।

भारत अपने 80 करोड़ से अधिक लोगों को कोरोना महामारी के दौरान मुफ्त आनाज उपलब्ध करा रहा है, उद्देश्य कोई भारतवासी भूखा न रहे।प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत गरीबों को मुफ्त में प्रति माह, प्रति व्यक्ति 5 किलो खाद्यान्न दिया जा रहा है।

- अर्जुन मुंडा, केन्द्रीय मंत्री

आपके ट्वीट

हनुमान सर्वथा संकट मोचक व सज्जनों के प्रतिपालक हैं ।जिन की कृपा आशीष-अनुग्रह से दुर्गम सुगम,असाध्य साध्य व असंभव संभव बन जाता है,ऐसे मोक्ष-प्रदाता हनुमान के प्राकट्य दिवस पर अनेक शुभेच्छा।

-स्वामी अवधेशानंदगिरी

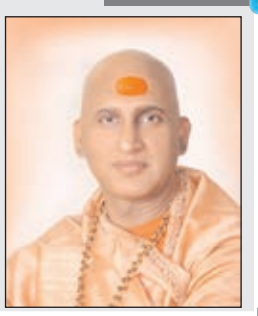

कौन होता है दोस्त? दोस्त वो जो बिन बुलाये आये, बेवजह सर खाये,जेब खाली करवाये, कभी सताए, कभी रुलाए, मगर हमेशा साथ निभाए! ईश्वर जिन्हें खून के रिश्ते में बांधना भूल जाता है, उन्हें दोस्त बना देता है! **- अनुपम खेर**

लखनऊ के आदित्य ने किया यूपीएससी में टॉप,टॉपर दस में पांच लड़कियां

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने बहुप्रतीक्षित सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2023 के अंतिम परिणाम घोषित कर दिए हैं। जिन उम्मीदवारों ने व्यक्तित्व परीक्षण में भाग लिया था, वे अपना परिणाम आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। यूपीएससी सीएसई परीक्षा 2023 के परिणाम जारी हो गए हैं इस परीक्षा में आदित्य श्रीवास्तव ने टॉप किया हैक जबकि टॉप-10 में 5 लड़कियों ने अपनी जगह बनाई है।

संघ लोक सेवा आयोग ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम जारी कर दिए हैं इस परीक्षा में आदित्य श्रीवास्तव का पहला स्थान आया है जबकि दूसरे स्थान पर अनिमेष प्रधान जबकि तीसरे स्थान पर डोनुरु अनन्या रेड्डी और चौथे, पांचवे पर पी के सिद्धार्थ रामकुमार और रूहानी रहीं हैंक इस बार टॉप 10 में 5 लड़कियां ने अपनी जगह बनाई हैक

आदित्य श्रीवास्तव लखनऊ के रहने वाले हैं और इन्होने अपनी पढाई लखनऊ के प्राइवेट स्कूल उटर की अलीगंज ब्रांच से की है। पिछले साल आदित्य की 216 रैंक थी। अभी हैदराबाद की पुलिस ट्रेनिंग एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। आदित्य ने 2014 में 12वीं की परीक्षा 95.4% अंक के साथ पास की थी।इन्होंने आईआईटी कानपुर से बी.टेक और एम.टेक डिग्री हासिल की। आईआईटी के बाद, श्रीवास्तव ने गोल्डमैन सैक्स में 15 माह काम किया है।

इस समर्पण और दृढ़ता के साथ-साथ उनके परिवार (उनके पिता, अजय श्रीवास्तव, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक में एक सहायक लेखा

सफलता

परीक्षा अधिकारी हैं) के समर्थन ने निस्संदेह उन्हें 2023 में शीर्ष रैंक तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) राउरकेला से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक (बीटेक) अनिमेष प्रधान ने वैकल्पिक विषय के रूप में समाजशास्त्र के साथ दूसरी रैंक हासिल की। दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस से भूगोल में कला स्नातक (ऑनर्स) की डिग्री हासिल करने वाली डोनुरु अनन्या रेड्डी अपने वैकल्पिक विषय के रूप में मानव विज्ञान के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

कुल 1,016 उम्मीदवारों (664 पुरुष और 352 महिलाएं) ने परीक्षा उत्तीर्ण की है और आयोग द्वारा विभिन्न सेवाओं में नियुक्ति के लिए उनकी सिफारिश की गई है। अंतिम रूप से योग्य उम्मीदवारों में शीर्ष पांच में तीन पुरुष और दो महिला उम्मीदवार शामिल हैं। पी के सिद्धार्थ रामकुमार और रुहानी को सिविल सेवा परीक्षा में क्रमशः चौथी और पांचवीं रैंक मिली है। त्रिवेन्द्रम के कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर से आर्किटेक्चर में स्नातक रामकुमार ने अपने वैकल्पिक विषय के रूप में मानव विज्ञान के साथ चौथी रैंक हासिल की।

सिविल सेवा परीक्षा 2023 के परिणामों के अनुसार, दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज से अर्थशास्त्र में कला स्नातक (ऑनर्स) रुहानी ने वैकल्पिक विषय के रूप में अर्थशास्त्र के साथ पांचवीं रैंक हासिल की। शीर्ष 25 उम्मीदवारों में 10 महिलाएं और 15 पुरुष शामिल हैं आईएएस, आईएफएस और आईपीएस समेत 1143 वैकेंसी के लिए 1016 अभ्यर्थियों की नियुक्ति की सिफारिश की गई है. इसमें 347 जनरल कैटेगरी के हैं. जबकि 115 इडब्लूएस, 303 ओबीसी, 165 एससी, 86 एसटी कैटेगरी के हैं. नोटिफिकेशन के अनुसार 355 अभ्यर्थियों का रिजल्ट प्रोविजनल रखा गया है।

कॉटून वर्ल्ड

युद्ध संगीत...

साभार कॉर्टून मूववेंट

लेटर टू एडीटर

प्रतिभा पलायन रुके

चुनाव का मौसम आते ही राजनीतिक दल जन साधारण का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने के लिए ऐसे-ऐसे मुद्दे लाते हैं जो मतदाताओं को भ्रमित करते हैं। देश के आम चुनाव में चुनावी मुद्दे जनसाधारण की समस्याएं होनी चाहिए, जो उनके दैनिक जीवन को प्रभावित करते हैं। आज के मेधावी युवा देश से विदेश में पलायन कर रहे हैं।

- शिव कुमार, हजारीबाग

चुनावी मुद्दें

आज चुनाव आकर्षक वादों और आधारहीन दावों के बल पर लड़ा-लड़ाया जा रहा है। जनता से जुड़े मुद्दों को नजरंदाज कर विकास के दावे किए जा रहे हैं। मतदाता को राजनीतिक दलों से उनके दावों और वादों के आधार के बारे में पूछना चाहिए। एक तरफ तो पांचवें पायदान से तीसरे पायदान पर पहुंचने के दावे और वादे किए जा रहे हैं फिरअस्सी करोड़ जनता को मुफ़्त अनाज क्यों? **- रवि, रांची**

आखिर कब तक नशीले पदार्थ से देश होगा बर्बाद

तनवीर जाफरी

समस्या

सुशांत की मौत 'हत्या नहीं बल्कि आत्महत्या थी', जांच एजेंसियों के इस निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद इसी विषय से जुड़ी इससे भी बड़ी बहस इस बात को लेकर छिड़ी कि क्या फिल्म जगत, ड्रग एडिक्ट्स या नशेड़ियों का अड्डा है?

इस विषय पर होने वाली चीख-चिल्लाहट केवल मीडिया पर टी आर पी रेस के लिए होने वाली चटकारेदार बहस तक ही सीमित नहीं रही बल्कि यह विषय संसद में भी गूंजता सुनाई दिया। इसका कारण यह था कि अभिनेत्री कंगना रणौत ने अपने एक इंटरव्यू में फिल्मी पार्टियों में ड्रग्स के कथित इस्तेमाल को लेकर फिल्म उद्योग की तुलना 'गटर' से कर डाली थी। कंगना ने अपने एक इंटरव्यू में 99 प्रतिशत बॉलिवुड स्टार्स के ड्रग्स सेवन में शामिल होने का दावा किया था। इसके जवाब में राज्यसभा सांसद जया बच्चन ने कहा था कि , 'जिन लोगों ने फिल्म इंडस्ट्री से नाम कमाया, वे इसे 'गटर' बता रहे हैं? मैं इससे बिल्कुल सहमत नहीं हूं।' मैं सरकार से अपील करती हूं कि वो ऐसे लोगों से कहे कि इस तरह की भाषा का इस्तेमाल न करें।'

यहां कुछ लोग हैं जो 'जिस थाली में खाते हैं, उसी में छेद करते हैं।' कुल मिलाकर ड्रग्स व नशे की दुनिया से संबंधित यह बहस टी वी व मीडिया के माध्यम से इधर उधर जरूर घूमती रही परन्तु इस बहस में छुपी सच्चाई को उजागर करने का काम न तो किसी प्रोपेगैंडिस्ट मीडिया ने किया न ही स्वयं को सत्यवादी कहने वाले बहस के अनेक प्रतिभागियों ने। आइये ड्रग्स या नशे से जुड़े कुछ ऐसे ही अनछुए पहलुओं पर नजर डालते हैं।

वैसे तो ड्रग्स का शाब्दिक अर्थ दवा या औषधि ही होता है। पहले दवाइयों की दुकानों पर लगने वाले बोर्ड्स पर लिखा होता था 'केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट'। परन्तु धीरे धीरे 'ड्रग्स' शब्द को नशे और नशेड़ियों से जोड़ दिया गया। समाज के ही न जाने किस तथाकथित 'अधिकृत वर्ग ' ने शराब का नशा करने वालों को तो नशेड़ी या ड्रग एडिक्ट्स की श्रेणी में नहीं रखा परन्तु गांजा,भांग,अफीम,चरस आदि का सेवन करने वालों पर नशेड़ियों का लेबल लगा दिया।गोया शराब पीने वाला शराबी नहीं कहलाता बल्कि वह शराब का 'शौक फरमाता है' परन्तु जो गांजा,भांग अफीम या चरस का सेवन करता है तो वह कानून की नजरों में अपराधी तो है ही साथ ही वह गंजेड़ी,भंगेड़ी,अफीमची या चरसी जैसी उपाधियों का भी हकदार है। जरा इन्हीं 'नीति निमार्ताओं' से पूछिए कि यदि शराब पीने में कोई बुराई नहीं या यह विश्व की सर्वमान्य मुख्यधारा से जुड़ा 'सोमरस' है तो क्या वजह है कि इस 'मय मुबारक' को गुजरात,बिहार,मिजोरम,नागालैंड, लक्षद्वीप तथा मणिपुर के कई क्षेत्रों में इसकी बिक्री,सेवन व व्यवसाय प्रतिबंधित है ?

जाहिर है बिहार जैसे विशाल राज्य में शराब पर प्रतिबंध लगाने के समय से लेकर अब तक इससे जुड़े जिस मुद्दे को सत्ता द्वारा अपने राजनैतिक लाभ के लिए उठाया जाता है वह यही है कि शराब लोगों को बर्बाद कर रही थी,लोगों के घर उजाड़ रही थी, लोगों के स्वास्थ्य तथा उनकी आर्थिक स्थिति पर बुरा प्रभाव डाल रही थी। गोया सरकार के अनुसार जनता के परिवार कल्याण व उनके उज्जवल भविष्य के मद्देनजर राज्य में शराब बंदी की गयी थी ।जाहिर है शराब बंदी वाले अन्य राज्यों के भी निश्चित रूप से यही तर्क होंगे।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी।
प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

विश्व रंजन सिन्हा की मां के निधन पर अरूण सिन्हा ने जताया शोक

रामगढ़। भुरकुंडा निवासी कायस्थ महासभा युवा प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष विश्व रंजन सिन्हा की मांग के निधन पर कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा ने जताया शोक। उन्होंने कहा कि उनके निधन से कायस्थ परिवार मर्माहत है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवार के सभी सदस्यों को दुख सहने की शक्ति दें। कहा कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा दुख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवार के साथ है। रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबु,विनोद श्रीवास्तव, अमित कुमार सिन्हा, डाक्टर शंभू प्रसाद, राजेश कुमार, राजीव पामदत्त,बामेश्वर प्रसाद, प्रोफेसर प्रदीप कुमार सिन्हा, अधिवक्ता आनन्द कुमार,कुंवर बक्सी, अनिल कुमार सिन्हा, दीपक कुमार सिन्हा, रोहित वर्मा, मनोज कुमार सिन्हा, सूर्यवंश श्रीवास्तव, संजय लाला, डाक्टर संजीव कृष्ण जमुवार, मुन्ना श्रीवास्तव, अनिल कुमार सिन्हा, सुजीत नारायण सिन्हा, अवधेश कुमार सिन्हा, विरेन्द्र कुमार सिन्हा, धन्नजय वर्मा, उपेन्द्र कुमार सिन्हा, अधिवक्ता अनुज कुमार सिन्हा, अधिवक्ता कौशल कुमार सिन्हा,सुदेश कुमार सिन्हा, नितेश रंजन,संजीव कुमार सिन्हा, ज्योति कुमार सिन्हा समेत कई लोगों ने जताया शोक।

आजसू प्रखंड सचिव को मातृ शोक

भुरकुंडा (रामगढ़)। आजसू पतरातु प्रखंड सचिव विश्वरंजन सिन्हा की मां रीता सिन्हा का मंगलवार को इलाज के दौरान रांची पारस अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन से भुरकुंडा कोयलांचल, पतरातू, भदानीनगर, बासल क्षेत्र में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार दिवंगत रीता सिन्हा के अचानक पेट में दर्द और पित के थैली फट जाने से निधन हुआ है। वे अपने पीछे पति आनंद किशोर प्रसाद, दो पुत्र, दो पुत्री, दो नतनी, एक पोता-पोती सहित भरापूरा परिवार छोड़कर गई हैं। बुधवार को रिवर साइड-गिद्दी दामोदर नदी तट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। शोक व्यक्त करने वाले में प्रो. आरके दास, रौशन लाल चौधरी, मनोज राम, प्रदीप मांझी, दिलीप दांगी, सतीश सिन्हा, संजय मिश्रा, लव कुमार महतो, सरोज झा, उत्तम सिन्हा, राकेश सिन्हा, सलील मोहन सिन्हा, प्रशांत कुमार, विकास सिन्हा, सुबोध सिन्हा, ललन सिन्हा, सुनील सिन्हा सहित चित्रांश परिवार के दर्जनों शामिल थे।

भुरकुंडा में रामनवमी को ले फ्लैग मार्च

भुरकुंडा (रामगढ़)। रामनवमी की पूर्व संध्या मंगलवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातु बीरेंद्र राम एवं पतरातु इंस्पेक्टर योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस-प्रशासन ने भुरकुंडा कोयलांचल, भदानीनगर आदि क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान पतरातू एसडीपीओ बीरेंद्र राम आदि पुलिस-पदाधिकारियों ने सयाल मोड, पटेलनगर, बिरसा चौक, मतकमा चौक, लक्ष्मी टाकीज रामनवमी मैदान, भुरकुंडा बाजार, थाना चौक आदि क्षेत्रों में फ्लैग मार्च कर रामनवमी पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखनें में क्षेत्रवासियों से पुलिस-प्रशासन को सहयोग करने की अपील की। मौके पर पूजा समितियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए एसडीपीओ बीरेंद्र राम ने कहा कि हमारे सभी पर्व-त्योहार आपसी भाईचारगी व प्रेम का संदेश देता है। रामनवमी पर्व को भी आपसी भाईचारगी व सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मनाएं। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस-प्रशासन मुस्तैदी के साथ डटी रहेगी। फ्लैग मार्च में पतरातू एसडीपीओ बीरेंद्र राम, पतरातु इंस्पेक्टर योगेंद्र सिंह, पतरातू थाना एसआई शिवा कच्छप, भुरकुंडा ओपी प्रभारी अभिषेक कुमार, भदानीनगर ओपी प्रभारी संजय कुमार रजक, बासल थाना के एसआई निमिर हेस और बरकाकाना ओपी प्रभारी अख्तर अली सशस्त्र बल के साथ शामिल थी।

प्रकृति के साथ मानव से प्रेम करना सीखाता है सरहुलः प्रेम शाही मुंडा

रजरप्पा। चितरपुर प्रखंड के पंचायत बोरोबिंग स्थित सरना स्थल में सरहुल पूजा समिति बोरोबिंग ने मंगलवार को सरहुल महोत्सव मनाया, जिसमें प्रेमशाही मुंडा केंद्रीय अध्यक्ष आदिवासी जनपरिषद, मुखिया बंसती देवी, प्रो. मीणा मुंडा, एसीएस जिलाध्यक्ष सुनील मुंडा, विशाल स्पन्ज से रमेश तिवारी, परिषद से सरीना लकड़ा, राजा मुंडा, संगीता तिर्की, रोहित बेदिया, प्रार्थना सभा से किरण मुंडा, जेबीकेएसएस राजेंद्र बेदिया, एसीएस प्रवक्ता पंचदेव करमाली, प्रकाश मुंडा, पन्नालाल महतो, वार्ड सदस्य अनिता मुंडा,दीपक मुंडा, अनु मुंडा, विजय बेदिया, रुपलाल मुंडा, बबीता मुंडा, प्रार्थना सभा से राजेश मुंडा, संदीप टोप्पो, रामकिशोर मुंडा, विजेंद्र मुंडा शिक्षक, विजय मुंडा सीसीएलकर्मी मौजूद थे। मुंडा ने कहा कि आदिवासी अपनी परंपरा के साथ-साथ जंगल को भी बचा कर रखे।

रामगढ़ में रामनवमी को लेकर फ्लैग मार्च

खबर मन्त्र संवाददाता

- सड़क पर उतरे डीसी, एसपी, एसडीओ, एसडीपीओ, सीओ और सीआरपीएफ जवान
- सौदागर के हर घर को नोटिस छत पर रखे ईंट-पत्थर हटा लें

रामगढ़ । रामनवमी को लेकर पुलिस ने किया फ्लैग मार्च किया। मंगलवार को डीसी चंदन कुमार, एसपी डॉ बिमल कुमार, एसडीओ आशीष गंगवार, एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, अंचल अधिकारी सत्येंद्र नारायण पासवान, पुलिस बल और सीआरपीएफ जवानों के साथ सड़क पर उतरे। रामगढ़ शहर के चट्टी बाजार, सौदागर मोहल्ला, लोहार टोला, शिवाजी रोड, सुभाष चौक, कोयरी टोला, गोलपार्क, पुरनी मंडप, बुढ़वा महादेव, नई सराय बस्ती, मनुवा, फुलसराय, सिरका, अरगड्डा सभी इलाकों में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान अधिकारियों ने यह संदेश दिया कि किसी भी उपद्रवियों की चलने वाली नहीं है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर रहेगी। हर जगह दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे। सौदागर मोहल्ला, गोलपार्क, पूरनी मंडप शहर के संवेदनशील इलाकों में शामिल हैं। उन स्थानों पर सीआरपीएफ के जवान सुरक्षा में शामिल रहेंगे। एक तरफ पुलिस प्रशासन फ्लैग मार्च कर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया तो दूसरी तरफ रामगढ़ थाना प्रभारी ने सौदागर मोहल्ला के हर घर को नोटिस थमा दिया। नोटिस में साफ शब्दों में लिखा गया है कि जिनके घर के छतों पर ईंट पत्थर व अन्य आपत्तिजनक वस्तुएं रखी गई है, तो वह तत्काल वहां से हटा लें। ड्रोन कैमरे की नजर में अगर आपत्तिजनक वस्तुएं आती हैं तो तत्काल उस घर के मालिक के खिलाफ कार्रवाई होगी। जिस रास्ते पर जुलूस निकालने वाला है, उस रास्ते के हर घर को यह नोटिस मिला है।

रामनवमी को लेकर किसी भी प्रकार की विषम परिस्थिति में असामाजिक तत्वों एवं हुड़दंगियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए पुलिस के जवानों ने मॉक ड्रिल किया।

पुलिस लाइन में आयोजित मॉक ड्रिल का संचालन डीसी चंदन कुमार और एसपी डॉ बिमल कुमार के द्वारा किया गया। इस दौरान एसडीओ आशीष गंगवार, एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, ट्रेनिंग डीएसपी फौजान अहमद, रामगढ़ थाना प्रभारी अजय साहू, सार्जेंट मेजर मंटू यादव, पुलिस पदाधिकारी, कर्मी एवं सीआरपीएफ 218 डी बटालियन के सशस्त्र बलों ने हिस्सा लिया।

सभी झांकियों पर पुष्प वर्षा करेगी विजय शंखनाद संस्था

- केंद्र सरकार के पर्यटन विभाग ने वेबसाइट पर हजारीबाग राममवमी के इतिहास और तस्वीरें किया अपडेट

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। विजय शंखनाद संस्था के अध्यक्ष अमरदीप यादव ने बताया कि 500 वर्षों बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला का प्राण प्रतिष्ठा हुआ है। पूरी दुनिया के सनातन धर्म प्रेमी गौरान्वित है इसलिए इस शुभ वर्ष में संस्था अपने शिविर से सभी झांकियों और रामभक्तों पर पुष्प वर्षा करेगी। अधिक फूल उपलब्ध कराने के लिए फूल विक्रेताओं से संपर्क किया गया है। अमरदीप ने बताया कि भारत सरकार के पर्यटन विभाग के वेबसाइट utsav.gov.in में हजारीबाग रामनवमी का संक्षिप्त इतिहास और तस्वीरें अपडेट कर दिया गया है। इससे विदेशी पर्यटक हजारीबाग इंटरनेशनल राममवमी के बारे में जानकारी प्राप्त कर रामनवमी में हजारीबाग रामनवमी, विजयादशमी और एकादशी जुलूस देखने आने के लिए आकर्षित और प्रेरित होंगे। इससे रोजगार की संभावनाएं बढ़ेगी। इसके लिए भारत सरकार बधाई के पात्र हैं। 27 फरवरी से संस्था ने इस विषय को सरकार को ध्यान आकृष्ट कराया था। संस्था ने सबसे पहले हजारीबाग रामनवमी को राजकीय महोत्सव का दर्जा दिलाने का किया था।

इस मांग के लिए जागरूकता और प्रयास जारी रहेगी। 23 अप्रैल को पैराडाइस रिसॉर्ट में हनुमान बालरूप सजा प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। दो कैटेगरी में यह प्रतियोगिता होगी। जिसमें नगद पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विजय शंखनाद संस्था इंद्रलोक टावर के नीचे विजयदशमी और एकादशी जुलूस में चिकित्सा शिविर, लगाएगी। साथ ही चना, सत्तू, शरबत, बिस्कुट पानी का वितरण करेगी। सचिव बुद्ध प्रिय मौर्य आदित्य ने बताया कि रामनवमी के इतिहास पर हिंदी और अंग्रेजी में दो पुस्तक लिखने की प्रक्रिया जारी है सभी अखड़ेधारियों से अपील है कि अपने क्लब से जुड़े तस्वीर, दस्तावेज आदि उपलब्ध कराएं। जिससे की पुस्तक लिखने में आसानी होगी। प्रेस वार्ता में उपाध्यक्ष अजीत गुप्ता, सदस्य कैलाश कुमार साहू और संदीप उपाध्याय उपस्थित थे।

विष्णुगढ़ में महाअष्टमी पर निकला शोभा यात्रा

हजारीबाग। महाअष्टमी के अवसर पर मंगलवार को जिले भर के विभिन्न क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ शोभायात्रा निकला। विष्णुगढ़ के द्वारा विष्णुगढ़ में रामनवमी के पूर्व संध्या आयोजित भव्य और आकर्षक झंडा शोभा यात्रा में विशेषरूप से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के एनडीए सांसद प्रत्याशी मनीष जायसवाल शामिल हुए और रामभक्तों और श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया। जायसवाल श्रद्धालुओं के साथ सड़क पर तलवार और भगवा ध्वज के साथ कदमताल करते नजर आए। जय श्री राम के नारे की गूंज के साथ पूरा विष्णुगढ़ और बनासो क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। विष्णुगढ़ प्रखंड के सभी 24 पंचायतों के हजारों लोग सड़कों पर श्रीराम की उद्घोष के साथ रामनवमी की आगाज करते दिखे। वहीं टाटीझरिया प्रखंड के बेड़म गांव में आयोजित हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ में जायसवाल शामिल हुए। यज्ञ मंडप में मत्था टेक कर उन्होंने सबके लिए मंगल कामना की। उन्होंने कहा कि यज्ञ से क्षेत्र में शांति, सुख समृद्धि आती है वहीं समाज में एक दूसरे के प्रति समरसता और विश्वास बढ़ता है।

40 वर्षों बाद महूदी में निकाला अष्टमी का जुलूस, वापसी में प्रशासन ने रोका

- जुलूस शांतिपूर्ण, प्रशासन को परेशानी क्यों: ग्रामीण
- साजिश के तहत निकाला गया जुलूसः प्रशासन

खबर मन्त्र संवाददाता

बड़कागांव।महुदी गांव में 40 वर्ष से रुका रामनवमी का जुलूस मंगलवार को बिना प्रशासन की देखरेख में शांतिपूर्वक निकल कर सोनपुरा मेलाटांड़ पहुंचा। जुलूस निकलने की सूचना से खुशी का माहौल हो गया।

जुलूस निकलने की सूचना मिलते ही प्रशासन ने पुलिस छावनी में तब्दील कर वापसी जुलूस को पुनः प्रशासन द्वारा रोक दिया। रोके जाने के बाद जुलूस में शामिल लोग महुदी की ओर धीरे धीरे बढ़ रहा था। जुलूस में शामिल लोगों का कहना है कि जब बिना प्रशासन का ही हम लोग शांतिपूर्वक अष्टमी का जुलूस निकाल लिए और किसी प्रकार कोई अप्रिय घटना नहीं घटी तो फिर प्रशासन वापसी जुलूस को क्यों नहीं जाने दे रही है। जुलूस के समय दूसरे समुदाय के लोगों का कोई विरोध तो नहीं हुआ लेकिन जुलूस पार होने के बाद प्रशासन पहुंचते ही विरोध जताना शुरू कर दिया। स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। प्रशासन का कहना है कि जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध लोगों द्वारा प्रशासन के साथ चीटिंग किया गया है। समझौता के लिए प्रखंड मुख्यालय में बैठक के नाम पर साजिश के तहत जुलूस निकाला गया। समाचार लिखे जाने तक हजारीबाग एसडीओ शैलेश कुमार, बड़कागांव सीडीपीओ कुलदीप कुमार, अंचलाधिकारी बालेश्वर राम, प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल, इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह, थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह सहित डीएसपी रैंक के कई पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड के सभी आला अधिकारी, संबंधित कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है।

जेएसपी फाउंडेशन ने जिंदल क्लब में लगाया रक्तदान शिविर

भुरकुंडा । जेएसपी फाउंडेशन और रिम्स रांची के संयुक्त तत्वावधान ने मंगलवार को जिंदल क्लब बलकुदरा पतरातू में मेगा रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर का उद्घाटन जेएसपी पतरातू के प्लांट प्रमुख आशीष जैन ने किया। शिविर में 133 लोगो ने रक्त जांच कराया। जिसमें 53 लोगो ने रक्तदान किया। इस अवसर पर प्लांट प्रमुख आशीष जैन ने कहा कि रक्तदान मानवता के हित में सराहनीय कदम है। मानव जीवन के लिये रक्तदान करनी चाहिये। उन्होंने कहा कि जेएसपी फाउंडेशन निरंतर इस तरह का कार्य मानवीय सेवा के लिये करता रहता है। फाउंडेशन द्वारा हर वर्ष रक्तदान शिविर लगाया जाता है। रक्तदान में जिंदल के अधिकारी, कर्मचारी सहित ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदान करने वालो में मुख्य रूप से सीएसआर प्रमुख रवि निवास, ओपी जेसीसी के प्रिंसिपल संबित साहू, दीपक कुमार, कृष्णा कुमार रवि, खुर्शीद आलम, देवकुमार पटेल, जितेन्द्र कुमार, बिपिन कुमार आदि शामिल थें। मौके पर प्लांट प्रमुख के साथ एचआर प्रमुख अजय झा, रिम्स पैथलॉजी विभाग के डॉ. अभिरूप, दीपक चौधरी, दीपनारायण प्रसाद, रविंद्र पासवान एवं जेएसपी सीएसआर से डॉ. मंजू मिश्रा, गजाला मतीन, कुमार राहुल, सुरेन्द कुमार व अन्य लोग मौजूद थे।

श्रीश्री सूर्य षष्ठी महायज्ञ संपन्न, जागरण में उमड़ी भीड़

खबर मन्त्र संवाददाता

- क्षेत्र में हरियाली-खुशहाली के लिए भक्ति का आयोजन जरूरी : मनोज पाठक

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा नलकारी नदी तट स्थित छठ मईया मंदिर प्रांगण में चल रहे सात दिवसीय श्रीश्री सूर्य षष्ठी महायज्ञ सोमवार को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के बीच हवण-पुणार्हुति के साथ संपन्न हो गया। महायज्ञ की सफलता को लेकर रात्रि में मां भगवती जागरण का आयोजन किया गया। जागरण का उद्घाटन भुरकुंडा पीओ मनोज कुमार पाठक, सतीश सिन्हा, योगेन्द्र सिन्हा, दीपक प्रसाद, संजय वर्मा, संजय मिश्रा, जग्गू घांसी, संजय यादव आदि ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। पीओ मनोज पाठक ने कहा कि ऐसे आयोजनों से क्षेत्र में भक्ति का संचार बढ़ता है। साथ ही श्रद्धालुओं को भक्ति के सागर में डुबकी लगाने का अवसर मिलता है। पीओ श्री पाठक ने कहा कि भक्ति आयोजनो से क्षेत्र में हरियाली-खुशहाली व सुख-समृद्धि का आगमन होता है। इसके पूर्व पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद ज्योत जलाकर जागरण की शुरूआत हुई। भक्ति जागरण का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ हुआ। इसके बाद जागरण मंडली के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजन व भक्ति गीतों की प्रस्तुति से श्रद्धालु महिला-पुरूषों को रात भर झुमाए रखा। इस दौरान भजन गायक व गायिकाओं द्वारा गाये गये युग राम राज का, अरे द्वार पालों, ये गणेश के पापा, राम सिया राम, राम आयेंगे तो अंगना सजाऊंगी आदि भक्ति गीतों पर देर रात तक श्रद्धालु नाचते-गाते दिखें। वहीं बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद भी भक्ति जागरण का आनंद लेने पहुंची। कार्यक्रम को सफल बनाने में कमेटी के संजय मिश्रा, संजय वर्मा, संजीत राम, दीपक कुमार, सतीश सागर, शशि सागर, रवि दीप, विजय कुमार, अमृत कुमार विक्रम, योगेंद्र करमाली, कुमार आलोक, राजन राउत, संजय यादव, उपेंद्र शर्मा, अजय पासवान, दीपक भुइयां, विजय, शंकर, डब्लू पांडेय, राजगीरी, सुशील सिंह, विक्रम, विक्की, सौरव, सुदीप, मधुकर, गुरदयाल ठाकुर, श्रीनिवास अग्रवाल, डीके पंडित, अप्पू मिश्रा, उपेंद्र शर्मा, उत्तम सिन्हा, रमाकांत दूबे आदि का विशेष योगदान रहा।

भक्ति जागरण को उद्घाटन करते पीओ मनोज पाठक व अन्य।

एक नजर में

श्रीराम का अनुसरण करें : मनोज यादव

बरही। गौरियाकरमा पंचायत के करमा गांव में आयोजित श्री श्री 1008 शतचंडी महायज्ञ के मानस कथा में पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव सोमवार को मुख्य रूप से शामिल हुए। जहां महायज्ञ समिति ने उनका भगवा पगड़ी व माला पहनाकर स्वागत किया। पूर्व विधायक ने व्यास पीठ की आरती उतारी और आशीष लिया। पूर्व विधायक मनोज यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में धर्म के प्रति लोगों की रूची बढ़ी है। इसका नतीजा है कि कई जगह यज्ञ हवन एवं कथा का आयोजन किया जा रहा है। श्री यादव ने कहा कि जीवन को मयार्दामय बनाने के लिए भगवान श्रीराम के आदर्शों पर चलना आवश्यक है। मौके पर स्थानीय मुखिया मीरा कुमारी ,वरिष्ठ समाजसेवी दुलार यादव, उप मुखिया संजय वर्मा, मुखिया प्रतिनिधि राजन यादव, परमेश्वर यादव, गुलाब यादव, शंकर यादव, छोटु कुमार, लालू यादव, सँतोष ठाकुर, शैलेन्द्र यादव, मनोज विश्वकर्मा सहित यज्ञ कमिटी संरक्षक दुलार यादव, अध्यक्ष प्रकाश चौधरी, उपाध्यक्ष राजन यादव, सचिव राजेंद्र राम, कोषाध्यक्ष युगल पाण्डेय, उप कोषाध्यक्ष सोनू पाण्डेय, उपसचिव विकास यादव सहित हजारों श्रद्धालु भक्त जन उपस्थित थे।

अभियंता सीबी सिंह को दी गयी श्रद्धांजलि

हजारीबाग। हुटपा पंचायत स्थित ग्राम बानाहप्पा निवासी हजारीबाग जिला परिषद के जिला अभियन्ता स्व. सीबी सिंह और उनकी मां के संयुक्त श्रद्धांजली सभा में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के एनडीए उम्मीदवार मनीष जायसवाल शामिल हुए और दिवंगत मां- बेटे की तस्वीर पर माल्यार्पण कर नमन किया एवं श्रद्धासुमन अर्पित किया। साथ हीं सदर प्रखंड स्थित ग्राम पंचायत मेरू और अमनारी पंचायत के ग्राम डंडई में आयोजित श्री चैती दुर्गा पूजा के महाअष्टमी पूजा में शमिल हुए और माता रानी से क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मौके पर विधायक प्रतिनिधि विजय कुमार, भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेंद्र राम बिहारी, पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष अनेश्वर प्रसाद, महेश प्रसाद, प्रमोद कुमार सिंह, सीताराम प्रसाद, मनोज प्रसाद, राजू मेहता, लल्लू यादव, नंदकिशोर सिंह, बबलू सिंह, श्यामलाल महतो, राजेश शर्मा, भरत सिंह, रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

16 हैज पी 2ः मनीष जायसवाल व अन्य।

संधि बलि के साथ महाअष्टमी संपन्न

टाटीझरिया। प्रखंड के कई गांवो में हरेक वर्ष की भांति इस वर्ष भी चैत्र महीने में मनाई जाने वाली बसंती दुर्गा पूजा बहुत ही धूमधाम से मनाया जा रहा है भक्तो ने 24 घंटे का उपवास रख महाअष्टमी व्रत किया। रामनवमी पूजा में कई श्रद्धालु भक्त गण शामिल हुए और पूजा समिति के अध्यक्ष सचिव एवम सदस्यों संग टाटीझरिया पुलिस प्रशासन थाना प्रभारी सुजीत कुमार ,बीडीओ सह सीओ रश्मि खुशबू मिंज ने पूजा प्रांगण का जायजा लिया और शांति पूर्वक पूजा मेला को संपन्न करवाने का अपील किया । यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है शास्त्र के अनुसार महा अष्टमी को संधि बलि में कोहड़ा, ईख,शकरकंद,नारियल, सेव का बलि दिया जाता है इसी दिन मां दुर्गा ने महिषासुर के सहयोगी चंड और मुंड ने मां दुर्गा को पीछे से वार किया था माता रानी को क्रोध आया त्रिनेत्र खोला और चामुंडा का अवतरण धारण किया और दोनो दुष्ट का वध किया इसलिए चामुंडा के सम्मान के रूप में संधि पूजा की समयानुसार की जाती है उपप्रमुख रवि वर्नवाल ने कहा िमाता रानी को 108 बेलपत्र की माला ,108 कमल गट्टा, फुल, चढ़ाने और 108 दीपक जलाने से मनोकामना पूर्ण होती है ।झरपो पूजा समिति व्यवस्थापक बालेश्वर महतो सरयू प्रसाद राजेंद्र प्रसाद प्रकाश प्रसाद ने झांकी का सहयोग करने के लिए ग्रामीणों से अपील की।

दारू में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

दारू। रामनवमी को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर दारू पुलिस ने मंगलवार को फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च दारू से झुमरा तक निकाला गया जिसमे अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, थाना प्रभारी एवं महिला तथा पुरुष पुलिस फोर्स शामिल थे। थाना प्रभारी सफीक खान ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि रामनवमी को शांतिपूर्ण से मनाए। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे दूसरे धर्म को ठेस पहुंचे। विशेष कर हुरदंग करने वाले पर हमारा पैनी नजर हैं, पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वभनाडीहवासी में वोट का बहिष्कार करेंगे ग्रामीण

बरही। करियातपुर पंचायत अंतर्गत वभानडीह वासी लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं करने का निर्णय लिया है। जिसे वहां के ग्रामीणों ने मंगलवार को सर्वसम्मति से बैठक कर निर्णय लिया। ग्रामीणों का आरोप है कि उनका गांव एनएच 2 से 15 किमी दूर है। गांव आने जाने के लिए ग्रामीणों को पगडंडी का ही उपयोग करना पड़ता है। सबसे ज्यादा दुष्कर बरसात में हो जाता है। मरीजों, वृद्धों या गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक ले जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा पूरे रास्ते में कीचड़ व पानी होने के कारण आना जाना मुश्किल होता है। इस संबंध में जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित सांसद को भी दी गई है, सबों ने सिर्फ आश्वासन दिया है। हम सभी उनके आश्वासनों पर अब तक भरोसा करते रहे, लेकिन अब यहां के ग्रामीण समस्या समाधान होने तक लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा नहीं लेंगे। इस बाबत स्थानीय प्रशासन को भी सूचना दिया जा रहा है। उक्त बातें ग्रामीणों ने प्रेस बयान जारी कर दी है। इस बाबत मुखिया मनोज कुमार से सम्पर्क करने पर उन्होंने बताया कि इसकी जानकारी उन्होंने पहले भी प्रशासन व जनप्रतिनिधि को दी गई है लेकिन मताधिकार का बहिष्कार करना इसका समाधान नही है। स्थानीय लोगों से लगातार संपर्क किया जा रहा है और उन्हें समझाने का प्रयास किया जा रहा है।

भये प्रगट कृपाला, दीन दयाला...

500 वर्ष के इंतजार के बाद भगवान श्रीराम अपने भव्य महल में विराजे

बासुकीनाथ पाण्डेय

चैत्र माह के नौवें दिन राम नवमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन का हिंदू धर्म के लोगों के लिए विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि इस दिन भगवान राम का जन्म हुआ था। रामनवमी के दिन मां दुर्गा और श्री राम और मां सीता का पूजन किया जाता है। इस दिन देवी मां के 9वें स्वरूप सिद्धिदात्री की उपासना की जाती है।

क्यों मनाई जाती है राम नवमीः इस दिन भगवान राम का जन्म हुआ था। इसी के साथ नवरात्रि पर्व का भी ये आखिरी दिन होता है। पौराणिक कथाओं अनुसार भगवान श्रीराम ने धर्म युद्ध में विजय प्राप्त करने के लिए मां दुर्गा की पूजा की थी। इसके बाद श्रीराम ने रावण का वध किया था। ये भी कहा जाता है कि राम नवमी के दिन गी गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस का लिखना शुरू किया था। इस दिन कई लोग श्री राम को याद करते हुए व्रत रखते हैं। ऐसी मान्यता है कि व्रत रखने और विधिवत पूजा हवन करने से उपासकों की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

अयोध्या के महाराजा दशरथ की कोई संतान नहीं थी। उन्होंने पुत्र प्राप्ति के लिए यज्ञ करने की योजना बनाई। यज्ञ प्रारंभ के समय उन्होंने अपनी चतुरंगिनी सेना के साथ श्यामकर्ण नामक घोड़ा छोड़ दिया। अब उनका यज्ञ प्रारंभ हुआ। उनके यज्ञ में सभी ऋषि-मुनि, तपस्वी, विद्वान, राजा-महाराजा, मित्र और उनके गुरु वशिष्ठ जी भी शामिल हुए। सभी लोगों की उपस्थिति में यज्ञ प्रारंभ हो गया।

मंत्रोच्चार से चारों दिशाएं गूंज उठीं और यज्ञ की आहुति से महकने लगीं। यज्ञ के लिए विशेष खीर बनाया गया। यज्ञ के समापन के समय महाराज दशरथ ने अपने सभी अतिथियों, ऋषि-मुनियों, ब्राह्मणों आदि को दान देकर सकुशल विदा किया। यज्ञ के समापन के बाद दशरथ जी ने यज्ञ के समय बने खीर को अपनी तीनों रानियों को प्रसाद सवरूप खिलाया। उसके प्रभाव से उनकी तीनों रानियां गर्भवती हो गईं।

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र में राजा दशरथ की बड़ी रानी कौशल्या ने एक शिशु को जन्म दिया। वह शिशु बेहद आकर्षक, तेजस्वी और नील वर्ण वाला था। वह और कोई नहीं, साक्षात श्रीहरि विष्णु के स्वरुप राम थे। इसके पश्चात रानी कैकेयी ने एक और रानी सुमित्रा ने दो तेजस्वी पुत्रों को जन्म दिया। चार पुत्रों को पाकर महाराज दशरथ अत्यंम प्रसन्न हुए, पूरे राज्य में उत्सव मनाया गया। प्रजा, दरबारियों, मंत्रियों आदि को उपहार दिए गए। ऋषि-मुनियों, ब्राह्मणों आदि को दान दक्षिणा दिया गया।

कुछ समय पश्चात उन चारों शिशुओं का नामकरण संस्कार किया गया। महर्षि वशिष्ठ ने दशरथ जी के बड़े पुत्र का नाम राम, दूसरे का भरत, तीसरे का लक्ष्मण और सबसे छोटे पुत्र का नाम शत्रुघ्न रखा। चारों बालकों की किलकारियों से पूरा महल गूंज उठता था। महाराज दशरथ अपनी तीनों रानियों के साथ अपने बालकों पर पूरा स्नेह लुटाते थे। पूरी अयोध्या में आनंद से सराबोर थी। समय के साथ जब चारों भाई बड़े हुए तो उनकी शिक्षा प्रारंभ हुई।

गुरु विश्वामित्र ने ही भगवान राम को धनुर्विद्या और शास्त्र विद्या का ज्ञान दिया। वहीं, ऋषि वशिष्ठ ने श्रीराम को राज-पाट और वेदों की शिक्षा दी। उन्होंने ही श्रीराम का राज्याभिषेक कराया था।

राम नवमी की व्रत विधिः

रामनवमी के दिन सुबह जल्दी उठ जाएं और स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

अब पूजा स्थल पर पूजन सामग्री एकत्रित कर लें।

पूजा में तुलसी पत्ता और कमल का फूल जरूर होना चाहिए।

उसके बाद श्रीराम नवमी की षोडशोपचार पूजा करें।

खीर और फल-मूल को प्रसाद के रूप में तैयार करें। पूजा के बाद घर की सबसे छोटी महिला सभी लोगों के माथे पर तिलक लगाएं। राम नवमी के दिन विधिवत हवन भी किया जाता है। नवरात्रि का ये आखिरी दिन होता है इसलिए कई लोग इस दिन कन्याओं को भोजन भी कराते हैं।

भव्य राममंदिर बनने से भगवान राम के 500 वर्ष का इंतजार समाप्त हो गया है। यह पहला रामनवमी है जब भगवान राम को अपना भव्य निवास प्राप्त हो गया है। इसको लेकर पूरे देश में हर्ष का माहौल है। इस रामनवमी अयोध्या के लिये एतिहासिक होगी और लाखों लोग रामलला का दर्शन रामनवमी को करेंगे।अ ज मान सरोवर से निकल देश धरती की ज्वाला को शांत करती सरस सलिला सरयू के प्राण भी तृप्त होंगे। वैसे अब रामनवमी का उत्सव पूरे विश्व में मनाया जायेगा क्योंकि यह संस्कृति के पुर्नस्थापना का काल है। जिसकी उम्मीद नहीं थी वह हुआ है।

देश के मंदिरों में इस दिन श्रीराम जन्मोत्सवों की धूम देखते ही बनती है। इस दिन नवरात्रि का अंतिम दिन होने के कारण मां दुर्गा की भी पूजा की जाती है और जगह जगह हवन, पूजन और कन्या पूजन किये जाते हैं। मान्यता है कि भगवान श्रीराम का जन्म मध्यान्ह काल में हुआ था इसीलिए इस दिन तीसरे प्रहर तक व्रत रखा जाता है और दोपहर में मनाया जाता है राम महोत्सव। इस दिन भगवान श्रीराम को पंचामृत से स्नान कराकर प्रसाद का भोग लगाकर आरती की जाती है। मान्यता है कि इस दिन जो श्रद्धालु दिनभर उपवास रखकर भगवान श्रीराम की पूजा करते हैं तथा अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार दान-पुण्य करते हैं वह अनेक जन्मों के पापों को उतारने में समर्थ होते हैं। इस दिन पुण्य सलिला सरयू नदी में स्नान कर-के भी लोग पुण्य लाभ कमाते हैं। भगवान श्रीराम के जन्म स्थान अयोध्या में इस त्यौहार की विशेष धूम रहती है। अयोध्या का रामनवमी पर लगने वाला चैत्र रामनवमी मेला काफी प्रसिद्ध है जिसमें देश भर से लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। इस दिन देश भर के मंदिरों से रथ यात्राएं और भगवान श्रीराम, उनकी पत्नी सीता, भाई लक्ष्मण व भक्त हनुमान की झांकियां भी निकाली जाती हैं। हालांकि इस बार बाहर तो उत्साह नहीं नजर आ रहा है लेकिन श्रद्धालुओं के मन में उत्साह बरकरार है और लोग अपने घरों पर पूरी श्रद्धा के साथ रामनवमी का त्योहार मना रहे हैं। राम, सीता और लक्ष्मण वन में जा रहे थे। सीता जी और लक्ष्मण को थका हुआ देखकर राम जी ने थोड़ा रुककर आराम करने

का विचार किया और एक बुढ़िया के घर गए। बुढिया सूत कात रही थी। बुढ़िया ने उनकी आवभगत की और बैठाया, स्नान-ध्यान करवाकर भोजन करवाया। राम जी ने कहा- बुढिया माई, ₹पहले मेरा हंस मोती चुगाओ, तो मैं भी करूं। बुढ़िया बेचारी के पास मोती कहां से आतो जोकि सूत कात कर गुजारा करती थी। अतिथि को ना कहना भी वह ठीक नहीं समझती थीं। दुविधा में पड़ गईं। अतः दिल को मजबूत कर राजा के पास पहुंच गईं और अंजली मोती देने के लिये विनती करने लगीं। राजा अचम्भे में पड़ा कि इसके पास खाने को दाने नहीं हैं और मोती उधार मांग रही है। इस स्थिति में बुढ़िया से मोती वापस प्राप्त होने का तो सवाल ही नहीं उठता। आखिर राजा ने अपने नौकरों से कहकर बुढ़िया को मोती दिला दिये।

बुढ़िया मोती लेकर घर आई, हंस को मोती चुगाए और मेहमानों की आवभगत की। रात को आराम कर सवेरे राम जी, सीता जी और लक्ष्मण जी जाने लगे। राम जी ने जाते हुए उसके पानी रखने की जगह पर मोतियों का एक पेड़ लगा दिया। दिन बीतते गये और पेड़ बड़ा हुआ, पेड़ बढ़ने लगा, पर बुढ़िया को कुछ पता नहीं चला। मोती के पेड़ से पास-पड़ोस के लोग चुग-चुगकर मोती ले जाने लगे। एक दिन जब बुढ़िया उसके नीचे बैठी सूत कात रही थी। तो उसकी गोद में एक मोती आकर गिरा। बुढ़िया को तब ज्ञात हुआ। उसने जल्दी से मोती बांधे और अपने कपड़े में बांधकर वह किले की ओर ले चली.। उसने मोती की पोटली राजा के सामने रख दी। इतने सारे मोती देख राजा अचम्भे में पड़ गया। उसके पूछने पर बुढ़िया ने राजा को सारी बात बता दी।

राजा के मन में लालच आ गया। वह बुढ़िया से मोती का पेड़ मांगने लगा। बुढ़िया ने कहा कि आस-पास के सभी लोग ले जाते हैं। आप भी चाहे तो ले लें। मुझे क्या करना है। राजा ने तुरन्त पेड़ मंगवाया और अपने दरबार में लगवा दिया। पर रामजी की मर्जी, मोतियों की जगह कांटे हो गये और लोगों के कपड़े उन कांटों से खराब होने लगे। एक दिन रानी की ऐड़ी में एक कांटा चुभ गया और पीड़ा करने लगा। राजा ने पेड़ उठवाकर बुढ़िया के घर वापस भिजवा दिया। पेड़ पर पहले की तरह से मोती लगने लगे। बुढ़िया आराम से रहती और खूब मोती बांटती।

मर्यादा के प्रतीक श्री राम और उनकी कल्याण कथा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के दिन भगवान राम का जन्म हुआ था। उस दिन रामजन्मोत्सव होता है। भगवान राम ने विषम परिस्थितियों में भी स्थिति पर नियंत्रण रख सफलता प्राप्त की उन्होंने हमेशा वेदों और मयार्दा का पालन किया। स्वयं के सुखों से समझौता कर उन्होंने न्याय और सत्य का साथ दिया। जानिए भगवान राम के 5 ऐसे गुण जिनकी वजह से उनका जीवन सफल हुआ और वे मयार्दा पुरुषोत्तम कहलाएं।

सहनशील व धैर्यवान

सहनशीलता व धैर्य भगवान राम का प्रमुख गुण है। अयोध्या का राजा होते हुए भी श्री राम ने संन्यासी की तरह ही अपना जीवन व्यापन किया। यह उनकी सहनशीलता को दशार्ता है।

दयालु स्वभाव

भगवान राम काफी दयालु स्वभाव के रहें। उन्होंने दया कर सभी को अपनी छत्रछाया में लिया। उन्होंने सभी को आगे बढ़ कर नेतृत्व करने का अधिकार दिया। सुग्रीव को राज्य दिलाना उनके दयालु स्वभाव का ही प्रतिक है।

मित्रता

हर जाति, हर वर्ग के व्यक्तियों के साथ भगवान राम ने मित्रता की। हर रिश्तें को श्री राम ने दिल से निभाया। केवट हो या सुग्रीव, निषादराज या विभीषण सभी मित्रों के लिए उन्होंने स्वयं कई बार संकट झेले।

बेहतर नेतृत्व क्षमता

भगवान राम एक कुशल प्रबंधक थे। वो सभी को साथ लेकर चलने वाले थे। भगवान राम के बेहतर नेतृत्व क्षमता की वजह से ही लंका जाने के लिए पत्थरों का सेतु बन पाया।

भाई के प्रति प्रेम

भगवान राम ने अपने सभी भाइयों के प्रति सगे भाई से बढ़कर त्याग और समर्पण का भाव रखा और स्नेह दिया। इसी कारण से भगवान राम के वनवास जाते समय लक्ष्मण जी भी उनके साथ वन गए। यही नहीं भरत ने श्री राम की अनुपस्थिति में राजपाट मिलने के बावजूद भगवान राम के मूल्यों को ध्यान में रखकर सिंहासन पर रामजी की चरण पादुका रख जनता की सेवा की।

रामकथा की सफलता की पंक्तियां

यात्रा की सफलता के लिए

प्रबिसि नगर कीजै सब काजा। हृदय राखि कोसलपुर राजा।।संपत्ति की प्राप्ति के लिए

जे सकाम नर सुनहि जे गावहि। सुख संपत्ति नाना विधि पावहि।।

किसी भी संकट को दूर करने के लिए

दीनदयाल बिरिदु सम्भारी। हरहु नाथ मम संकट भारी। **मुकदमा जीतने के लिए**

पवन तनय बल पवन समाना। बुधि बिबेक बिग्यान निधाना।। **परस्पर प्रेम बढ़ाने के लिए**

सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती॥ **शीघ्र विवाह के लिए**

तब जन पाई बसिष्ठ आयसु ब्याह। साज सँवारि कै।।

मांडवी, श्रुतकी, रति, उर्मिला कुँअरि लई हंकारि कै।। **रोजगार पाने के लिए**

विस्व भरण पोषण कर जोई। ताकर नाम भरत जस होई।। **विद्या प्राप्ति के लिए**

गुरु गृहँ गए पढ़न रघुराई। अलप काल विद्या सब आई॥परीक्षा में सफलता के लिए

जेहि पर कृपा करहिं जनु जानी। कबि उर अजिर नचावहिं बानी॥

मोरि सुधारिहि सो सब भाँती। जासु कृपा नहिं कृपाँ अघाती॥ **पुत्र प्राप्ति के लिए**

प्रेम मगन कौसल्या निसिदिन जात न जान।

सुत सनेह बस माता बाल चरित कर गान।।आलस्य से मुक्ति पाने के लिए

हनुमान तेहि परसा कर पुनि कीन्ह प्रणाम।

राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहां विश्राम।।

सभी मनोरथ को पूरा करने के लिए

भव भेषज रघुनाथ जसु,सुनहि जे नर अरू नारि।

तिन्ह कर सकल मनोरथ सिद्ध करहि त्रिसिरारि।।

रामनवमी का संदेश जीवन में पवित्रता का सबसे बड़ा महत्व

जीवन मे पवित्रता बनाए रखना बहुत आवश्यक है और ऐसा करने के लिए घर ऑफिस मे साफ सफाई, अच्छा वातावरण रखना जरूरी है। रामचरितमानस में भी इस बात पर जोर दिया गया है कि जीवन में पवित्रता बनाए रखने के लिए स्थान का पवित्र होना कितना महत्वपूर्ण है ।कथाओं के अनुसार श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण वनवास के दौरान जब वन में विचरण कर रहे थे तब एक स्थान पर लक्ष्मण का मन विचलित हो उठा और वो मन ही मन सोचने लगे कि माता कैकेयी ने तो भैया श्री राम को वनवास दिया है मुझे नहीं में क्यों भैया श्री राम के साथ वनवास का कष्ट उठाऊ। तभी श्री राम ने लक्ष्मण से बोला इस भूमि कि मिट्टी काफी अच्छी दिखती है तोड़ी सी मिट्टी रख लो लक्ष्मण ने उस भूमि कि मिट्टी एक पोटली मे रख ली। रास्ते में विचरण करते-करते जब-जब वो उस मिट्टी की पोटली को अपने से दूर करते उनके मन मे किसी तरह का कोई भी सवाल नहीं उठता उनके मन मे बस माता सीता और श्री राम का ही ध्यान लगा रहता।परंतु जैसे ही वो उस पोटली को अपने पास रखते उनका मन फिर से विचलित हो उठता। जब कही बार ऐसा होते रहा तो उन्होंने श्री राम को इस बारें मे बताया। तब श्री राम ने उन्हें बताया की दोष तुम्हारा बिलकुल भी नहीं हैं।यह प्रभाव उस मिट्टी का जो तुम्हारी पोटली में है। उन्होंने लक्ष्मण को बताया कि जैसे कर्म जिस भूमि में किए जाते हैं उसका प्रभाव इंसान के जीवन मे भी पड़ता है। जिस स्थान की मिट्टी इस पोटली में है, वहां पर सुंद और उपसुंद नामक दो राक्षसों का निवास था। जिस स्थान की मिट्टी इस पोटली में है, वहां पर सुंद और उपसुंद नामक दो राक्षसों का निवास था इस कारण वो भूमि भी अपवित्र हो गयी और वहां का वातावरण अशुद्ध हो गया है।

राम से बड़ा राम का नाम

भगवान श्री राम की महिमा अपरंपार है। श्री राम खुद कह गए राम से बड़ा राम का नाम। जो बात स्वयं राम कह गए वो कैसे गलत हो सकती है? दरअसल, जीवन का आधार ही राम नाम है। हर जगह राम नाम की महिमा का गुणगान है। राम सिर्फ एक नाम नहीं है। राम नाम तो सबसे बड़ा मंत्र है। राम नाम की महिमा तो ये है कि सदाशिव भोले शंकर भी राम नाम जपते रहते हैं। इसी नाम का वो हर प्रहर जाप करते रहते है। संसार चल ही राम नाम से रहा है। सूर्य, चन्द्रमा, अग्नि, वायु सभी में जो शक्ति है वो सब राम नाम की है।

अविनाशी है राम नाम

राम नाम तो अविनाशी है। दुनिया इधर से उधर हो जाए, सब कुछ बदल जाए पर यह राम नाम ज्यों का त्यों यूं ही सदा बना रहेगा। इस राम नाम की महिमा कभी भी कम नहीं होगी बल्कि दिन-प्रतिदिन इसकी महिमा बढ़ते ही जाएगी।

मणिदीप की तरह है राम नाम

राम नाम तो मणिदीप की तरह है जो कभी बुझता ही नहीं है। जैसे दीपक को चौखट पर रख देने से घर के अंदर और बाहर दोनों हिस्से प्रकाशित हो जाते हैं, वैसे ही राम नाम को जपने से अंतःकरण और बाहरी आचरण दोनों प्रकाशित हो जाते हैं। जीवन मैं आनंद ही आनंद हो जाता है। हनुमान जी राम नाम का हर पल गुणगान किया करते हैं राम नाम भक्ति की महिमा का गुणगान करता है। सबसे बड़े भक्त बलशाली हनुमान जी भी इसी नाम का हर पल गुणगान किया करते हैं। इसी नाम की ध्वनि से वो खुश होते हैं। ये केवल एक नाम नहीं है भक्त की भक्ति है राम नाम, वीर की शक्ति है राम नाम, हनुमान जी का बल है राम नाम।

राम के दोनों अक्षर मधुर और सुंदर हैं

सभी पापों का काटनहार है ये राम नाम। राम के दोनों अक्षर मधुर और सुन्दर हैं। राम राम कहने से मुंह में मिठास पैदा होती है। दोनों अक्षर वर्णमाल की दो आंखें हैं। राम के बिना वर्णमाला भी अधूरी है। जगत मैं सूर्य उजाला करता है। चन्द्रमा चांदनी बिखेरता है परन्तु इन दोनों में भी ग्रहण लगता है, लेकिन राम नाम इन सबसे अलग है उसमे कभी कोई ग्रहण नहीं लगता है, ना ही वो चन्द्रमा की तरह घटता है, राम नाम लगातार बढ़ता ही रहता है। कहा भी गया है राम नाम एक ऐसी पूंजी जो जितनी खर्च होती है उतनी ही बढ़ती चली जाती है।

अमृत के समान है राम नाम

राम नाम तो अमृत के समान है। कहा गया है कि सिर्फ राम नाम जपने से ही बड़े-बड़े शास्त्रों का ज्ञान हो जाता है, जिसने पढ़ाई नहीं की, शास्त्र नहीं पढ़े उन्हें भी वेदों का ज्ञान हो जाता है। राम नाम तो वास्तविक ज्ञान करवाने वाला चतुर दुभाषिया है।

रोम रोम पवित्र हो जाता है राम नाम से

राम नाम जाप से रोम रोम पवित्र हो जाता है। साधक पवित्र हो जाता है। साधक के दर्शन ,स्पर्श मात्र से असर पड़ता है। अनिश्चिता दूर होती है शोक-चिंता दूर होते हैं। पापों का नाश होता है। साधक जहां कहीं भी रहते हैं वह धाम बन जाता है वे जहां चलते हैं वहां का वातावरण पवित्र हो जाता है।

कहीं पर भी कभी भी लिया राम का नाम

राम नाम की सबसे बड़ी महिमा ये है की इसे कहीं पर भी कभी भी लिया जा सकता है। राम नाम ही मुक्ति का मार्ग है राम नाम की महिमा ही अपरंपार है। हमारी संस्कृति में तो राम नाम से ही अभिवादन करने की परंपरा भी चली आ रही है।

स्पीड न्यूज

विभिन्न अखाड़ा में शामिल हुए विधायक

जमशेदपुर। रामनवमी की अष्टमी पर जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र के श्रीश्री रामनवमी पागलगिरी माई अखंड अखाड़ा समिति, रथ गली, श्री श्री केशरी नंदन हनुमान मंदिर अखाड़ा समिति, आर पी पटेल हाई स्कूल छपरईया मोहल्ला, श्रीश्री बजरंग अखंड अखाड़ा समिति, नव युवक संघ गर्ल्स स्कूल रोड में शामिल हुए दौरान सभी अखाड़ा समितियों ने विधायक को सम्मानित किया। विधायक ने सभी लोगों को रामनवमी की बधाई और शुभकामनाएं दी।

लांग टर्म गोल के लिए शॉर्ट टर्म में अच्छी स्ट्रैटेजी जरूरी

जमशेदपुर। एक्सएलआरआइ जमशेदपुर के पीजीडीएम (एचआरएम) प्रोग्राम के पहले कन्वोकेशन किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में हिंदुस्तान यूनिलीवर व यूनिलीवर साउथ एशिया की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एचआर सह सीएचआरओ अनुराधा राजदान उपस्थित थीं। उन्होंने एक्सएलआरआइ से पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा की डिग्री हासिल करने वाले कुल 38 विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट दिया। इस दौरान वरुण सेव्वा रेड्डी को एकेडमिक एक्सीलेंस के लिए मेडल दिया गया। अनुराधा राजदान ने कहा कि किसी भी कंपनी या फिर संस्थान में एचआर का रोल काफी महत्वपूर्ण होता है। किसी भी कंपनी के लांग टर्म अचीवमेंट के लिए आप शॉर्ट टर्म गोल को हासिल करने के लिए अच्छी रणनीति बनायें।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

चांडिल। मंगलवार को चौका थाना क्षेत्र के दिरलोंग के पास हटिया कर घर लोट रहे पल्सर बाइक सवार एक युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। मिली जानकारी के अनुसार दिरलोंग गांव के तीन युवक तमाड़ थाना क्षेत्र के कोबासाल हटिया गया था। हाट बाजार कर घर लौटने के दौरान एनएच 33 दिरलोंग के पास गलत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर से अनियंत्रित होकर टकरा गया। मृतक की पहचान दिरलोंग निवासी चौबीस वर्षीय अश्विन सिंह मुंडा के रूप में हुई है एवं दोनों दिरलोंग निवासी 23 वर्षीय दिनेश सिंह मुंडा एवं 25 वर्षीय ठाकुर सिंह मुंडा ग्रामीणों की मदद से चौका पुलिस ने घायलों को चांडिल अनुमंडल अस्पताल लाया।

रामनवमी आज पुलिस का फ्लैग मार्च

बुधवार को शहर में रामनवमी जुलूस निकलेगा। इसे देख पुलिस ने आज सीनियर एसपी किशोर कौशल और सिटी एसपी मुकेश लुणावत के नेतृत्व में संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया।

राजस्थान स्थापना दिवस पर भव्य कार्यक्रम

धालभूम क्लब में राजस्थान स्थापना दिवस मारवाड़ी समाज ने धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर समाज के प्रबुद्ध जनों को सम्मानित किया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

टाटा की स्वाति शर्मा को यूपीएससी की परीक्षा में 17वां रैंक

■ टैगोर एकेडमी और वीमेंस कॉलेज की पूर्व छात्रा है स्वाति

विशेष संवाददाता/सत्येन्द्र कुमार

अपने माता-पिता और परिजनों के साथ स्वाति शर्मा और खबर मन्त्र हिन्दी दैनिक पढ़तीं स्वाति।

जमशेदपुर। यूपीएससी की परीक्षा में जमशेदपुर की बिटिया स्वाति शर्मा ने 17 वां रैंक हासिल कर शहर एवं झारखंड को गौरवान्वित किया है। झारखंड टॉपर स्वाति शर्मा ने ऑल इंडिया रैंक 17 वां हासिल कर आइएएस कैडर सुनिश्चित कर लिया है।

मानगो, कालिका नगर निवासी पूर्व थल सैनिक (सीएमपी) संजय शर्मा की पुत्री स्वाति शर्मा ने बताया कि पिता सेना में थे। इसलिए आरंभिक पढ़ाई देश के कई हिस्सों में स्थित आर्मी स्कूलों में हुई। स्वाति ने मैट्रिक की परीक्षा आर्मी सैकेंडरी स्कूल कोलकाता से पास की। इसके बाद 12वीं की पढ़ाई उन्होंने जमशेदपुर के साकची स्थित टैगोर एकेडमी से पूरी की। इसके बाद 2019 में उन्होंने बिष्टुपुर स्थित जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज से राजनीति विज्ञान से एमए किया।

माता-पिता और मामा के साथ शिक्षक डॉ जाकिर को दिया सफलता का श्रेय : स्वाति शर्मा ने अपनी इस उपलब्धि में अपनी मां आशा देवी,पिता संजय शर्मा, बड़े भाई एवं टाटा स्टील में असिस्टेंट मैनेजर संजीव शर्मा के अलावा मामा अशोक शर्मा को दिया है। वास्तव में स्वाति इंटरमीडिएट तक लॉ करने के बारे में सोच रही थी किन्तु उनके मामा अशोक शर्मा ने कहा, कलेक्टर बन खानदान का नाम रौशन करो। फिर कॉलेज में एक कार्यक्रम में करीम सिटी कॉलेज के प्रोफेसर डा. जाकिर आये जिन्होंने छात्राओं को यूपीएससी की परीक्षा के महत्व और उसकी तैयारी के बारे में बताया तो स्वाति काफी प्रेरित हुई। स्वाति ने कहा कि उन्होंने यूपीएससी की पढ़ाई के लिए कोचिंग नहीं ली। हां, इसके लिए वर्ष 2022 में दिल्ली गई थी। वहां जाकर विभिन्न कोचिंग संस्थानों का टेस्ट सीरीज लिया और वहां जहां भी साप्ताहिक टेस्ट होता था उसमें वह भाग लेती थी। वर्ष 2022 नवंबर से 2023 मई तक वहीं रहकर यूपीएससी की तैयारी की। इस कारण सफलता प्राप्त हुई। पूरा डेढ़ साल सिर्फ यूपीएससी की तैयारी पर फोकस किया।

स्वाति को तीसरे प्रयास में मिली सफलता : छात्रों को संदेश देते हुए स्वाति ने कहा कि परीक्षाओं में असफलता से घबराना नहीं है। यूपीएससी की वर्तमान सफलता उन्हें तीसरे प्रयास में मिली। पहले प्रयास में तो वह प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाई। दूसरे प्रयास में प्रारंभिक परीक्षा तो उत्तीर्ण हुई, लेकिन उसके बाद की परीक्षाओं में वह उत्तीर्ण नहीं हुई।

जमशेदपुर के ऋत्विक वर्मा को 520वां रैंक

जमशेदपुर। लोयला स्कूल के पूर्व छात्र और स्पर्द्धा प्रकाशन, जमशेदपुर की प्रकाशक प्रियंका वर्मा व वन विभाग के पूर्व रेंजर अजय कुमार के पुत्र ऋत्विक वर्मा यूपीएससी की परीक्षा में 520 वां रैंक हासिल किया है। ऋत्विक ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई लोयोला से पूरी की जबकि ग्रेजूएशन दिल्ली विवि के करोड़ीमल कॉलेज से किया। भूगोल में स्नातक करने के बाद ऋत्विक ने दिल्ली में रह कर ही यूपीएससी की परीक्षा की तैयारी कर रहा था। ऋत्विक ने अपनी सफलता का श्रेय स्पर्धा प्रकाशन की पुस्तकों के अलावा अपनी मां प्रियंका वर्मा और पिता अजय कुमार को दिया है। ज्ञात हो कि ऋत्विक के छोटे भाई वेदांत मेहता ने भी यूपीएससी द्वारा आयोजित एनडीए की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 29 वां हासिल किया था। वह अभी अंबाला कैंट में कैप्टन के पद पर कार्यरत हैं।

जुमलेबाज नरेंद्र मोदी सरकार को उखाड़ फेंके जनता : चंपई सोरेन

■ कांड्रा के पदमपुर में बूथ कमेटी बैठक में शामिल हुए सीएम चंपाई

खबर मन्त्र ब्यूरो

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मुख्यमंत्री चंपई सोरेन।

गम्हरिया। अपने चार दिवसीय प्रवास के दौरान मंगलवार को मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन कांड्रा के पदमपुर में आयोजित बूथ कमेटी की बैठक में शिरकत किया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव में सिंहभूम सीट से पार्टी प्रत्याशी जोबा मांझी की जीत सुनिश्चित करने हेतु तन मन से जुट जाने की अपील किया। इस मौके पर उन्होंने कार्यकताओं को जीत सुनिश्चित कराने के कई टिप्स भी दिये। उन्होंने कहा कि केंद्र की जुमलेबाज सरकार से जनता ऊब चुकी है और इस चुनाव में उन्हें सत्ता से बेदखल करने की सोच लिया है।

उन्होंने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में झारखंड की सभी 14 सीटों पर महागठबंधन प्रत्याशी की जीत होगी और भाजपा का सुफरा साफ हो जाएगा। उन्होंने बूथ कमेटी के सदस्यों से प्रत्येक बूथ पर कम से कम एक सौ मत निश्चित रूप से महागठबंधन प्रत्याशी को दिलाएं ताकि जीत का अंतर ज्यादा हो। इस मौके पर काफी संख्या में झामुमो नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ज्वारा पूजा समाज का पारंपरिक व संस्कृति का वाहक पर्व: रघुवर

खबर मन्त्र ब्यूरो

कन्या पूजन देखते ओडिसा के राज्यपाल रघुवर दास।

जमशेदपुर। श्री श्री शीतला माता मंदिर टुईलाडुंगरी में चल रहे नवरात्रि ज्वारा महोत्सव के पावन अष्टमी के अवसर पर आज ओडिशा के महामहिम राज्यपाल रघुवर दास ने माता शीतला और मंदिर में जल रहे 21 अखंड ज्योत के समक्ष शीश नवा कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किए, मंदिर समिति की महिला सदस्यों ने राज्यपाल रघुवर दास को माता की लाल चुनरी ओढ़ा कर स्वागत किया, रघुवर दास ने अपने संबोधन में कहा की यह चैत्र नवरात्रि पर आयोजित होने वाला यह ज्वारा पूजा छत्तीसगढ़ी समाज का पारंपरिक और संस्कृति का वाहक पर्व है इसकी बहुत मान्यता है, बुजुर्गो के अनुसार जो भी व्यक्ति इस पूजा को बड़े मनोभाव से संपन्न करता है उसकी सभी इच्छाएं माता पूर्ण करती है, उन्होंने कहा की समाज को धर्म कर्म के साथ जरूरतमंदों तक भी पहुंचना चाहिए और उनको भी समाज के मुख्यधारा में ला कर खड़ा करना चाहिए, प्रातः काल से ही आज मंदिर परिसर में अष्टमी के अनुष्ठान चल रहे थे और संध्या बेला में हवन था नौ कन्या पूजन, नौ कन्या की खास बात ये रही की छत्तीसगढ़ी महतारी और माता बमेलश्वरी, माता दंतेश्वरी, माता लिंगराज और विभिन्न देवियों का स्वरूप में कन्याओं को तैयार किया गया था और उनका पूजन किया गया, समिति के सभी सदयो ने माता का पैर धो कर पूजा अर्चना की।

आइएएस बनने पर स्वाति का सैनिक परिषद ने किया सम्मान

स्वाति को सम्मानित करते परिषद के सुशील कुमार सिंह व साथी।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पूर्व सैनिक संजय शर्मा की बेटी स्वाति का भारतीय प्रशासनिक सेवा में 17वां रैंक पाने की खबर सुन सैनिक परिवार में खुशी की लहर दौड़ गयी। दोपहर से ही बधाई देने वालों का उनके आवास पर तांता लग गया। मीडिया और सामाजिक क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूर्व सैनिक सेवा परिषद के पूर्व प्रदेश महामंत्री सुशील सिंह, जिला मंत्री दिनेश सिंह, जिलाध्यक्ष संजय दत्त, राजीव रंजन, जिला उपाध्यक्ष डॉ कमल शुक्ला, मिथिलेश सिंह, सतनाम सिंह, कन्हैया कुमार, नरेंद्र कुमार ने अंग वस्त्र एवं मोमेंटो देकर इस खुशी के अवसर पर माता-पिता के साथ पुत्री का मुंह मीठा कराया। स्वाति की यह उपलब्धि लौह नगरी के युवाओं को अपने जीवन में बेहतर मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरणा देगी।

गीता कोड़ा से ग्रामीणों के दुर्व्यवहार मामले की जांच करने पहुंचे आइजी

खबर मन्त्र प्रतिनिधि

गम्हरिया। सरायकेला विस क्षेत्र के गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत मोहनपुर गांव में बीते रविवार को प्रचार करने पहुंची भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा व समर्थकों के साथ धक्का-मुक्की के मामले की जांच करने मंगलवार को छोटानागपुर प्रक्षेत्र के आईजी अखिलेश झा उक्त गांव में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कई ग्रामीणों से उक्त घटना के बावत पूछताछ किया। इसके तहत उन्होनें यहां सरायकेला खरसावां जिले के एसपी और गम्हरिया थाना प्रभारी की भूमिका की भी जांच की। उसके बाद आईजी गम्हरिया थाना पहुंचे जहां उन्होंने मोहनपुर गांव में घटित घटना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। साथ ही, उक्त मामले में दोनों ओर से दायर एफआइआर की भी समीक्षा कर इस मामले में आगे क्या कदम उठाये जा रहे हैं, इसकी भी जानकारी ली।

रविवार को प्रचार-प्रसार में पहुंची थी मोहनपुर

गम्हरिया पहुंचे आईजी अखिलेश झा।

विदित है कि रविवार को चुनाव प्रचार करने मोहनपुर गांव पहुंची भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा को गांव जाने से रोकते हुए ग्रामीणों द्वारा करीब ढाई घंटे तक बंधक बना लिया गया था। इस दौरान भाजपा समर्थकों के साथ ग्रामीणों द्वारा दुर्व्यवहार भी किया गया था। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस द्वारा उनको ग्रामीणों के चंगुल से मुक्त कराया गया था। तत्पश्चात, दोनों पक्षों द्वारा गम्हरिया थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी। साथ ही, भाजपा नेताओं द्वारा चुनाव आयोग से इसकी शिकायत कर जिले के एसपी और थाना प्रभारी को चुनाव कार्य से मुक्त करने की मांग की गई थी। इस मामले में आयोग द्वारा भी उपायुक्त से रिपोर्ट तलब किया गया है। इसको लेकर विभागीय स्तर पर भी जांच की जा रही है। इसी सिलसिले में आईजी गम्हरिया पहुंचे थे।

एक नजर में

विश्वकर्मा समाज ने स्वाति का किया अभिनंदन

जमशेदपुर। कालिका नगर डिमना रोड मानगो जमशेदपुर के रहने वाले रिटायर्ड आर्मी संजय शर्मा की बेटी स्वाति शर्मा ने आई ए एस में 17 वां रैंक ला कर सफलता हासिल किया है। जमशेदपुर विश्वकर्मा समाज की बेटी ने अपने समाज जमशेदपुर शहर की नाम रौशन किया है। इसकी जानकारी होते ही झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के कार्यकारी अध्यक्ष अर्जुन शर्मा ने अपने साथियो के साथ उनके निवास पर जाकर स्वाति शर्मा को पुष्प एव विश्वकर्मा भगवान का पीला अंग वस्त्र देकर स्वागत एम सम्मानित किया साथ ही उज्वल भविष्य की कामना किए उनका भविष्य उज्वल हो। जैसे आई ए एस को 17वां रैंक ला कर नाम रौशन किए है वैसी ही देश का बेटी बन कर नाम रौशन करे। इस अवसर पर उनके माता-पिता को इन्होंने भी स्वागत किया और बधाई दी।

बीएसीइटी : मेसर्स मनूपमा टेक्नोलोजीस प्रा लि के साथ हुआ एमओयू

जमशेदपुर। बीए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, घुटिआ जमशेदपुर ने तकनीकी क्षेत्र में छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए अग्रणी कंसल्टेंसी, निरीक्षण, परीक्षण, अंशांकन कंपनी मेसर्स मनूपमा टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू किया है। एमओयू के अनुसार छात्र कंपनी में तकनीकी क्षेत्र में ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। कंपनी ने ओएनजीसी, बीएचइएल, रेलवे, गेल आदि जैसे कई सार्वजनिक उपक्रमों के साथ गठजोड़ किया है, जहां छात्र तकनीकी ज्ञान प्राप्त करेंगे और प्रशिक्षण के लिए पूरे भरत के स्थानों में जायेंगे। साथ ही प्लेसमेंट सहायता के अलावा कंपनी बुद्धिमान और कुशल छात्रों को कुशल प्रशिक्षण भी प्रदान करेगी। एमओयू पर कॉलेज के चेयरमैन डॉ एस के सिंह और एमटीपीएल के डॉ ललित कृष्णदास महापात्रा ने हस्ताक्षर किये।

डॉ सुषमा की पुण्यतिथि पर दी गयी श्रद्धांजलि

गम्हरिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गम्हरिया की पूर्व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी दिवंगत डॉ सुषमा झा की पुण्यतिथि पर मंगलवार को चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय स्वास्थ्य उपनिदेशक डॉ विजय कुमार ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में डॉ सुषमा झा के कार्यों को भुला पाना कठिन होगा। अपने कार्यकाल में उन्होंने असंख्य मरीजों की सेवा की। चिकित्सा के क्षेत्र में निष्ठा एवं ईमानदारी का परिचय देकर उन्होंने एक मिसाल कायम की है।

सन्नी हत्याकांड में छह आरोपी गिरफ्तार

जमशेदपुर। मानगो वसुंधरा स्टेट के पास रविवार को हुए सन्नी यादव हत्याकांड में मंगलवार को पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया। इसमें से एक पर रेकी करने और दो लोगों पर आरोपियों को भगाने में मदद करने का के आरोप है। गिरफ्तार आरोपियों में मानगो गुरुद्वारा रोड निवासी प्रवीर सिंह उर्फ छोटू, उलीडीह विश्वकर्मा कॉलोनी निवासी राहुल सिंह उर्फ राहुल बच्चा,मानगो गुरुद्वारा रोड निवासी अर्जुन महतो उर्फ अर्जुन बच्चा, सीताराम डेरा छाया नगर हयूमपाइप निवासी राहुल राय, मधुसूदन एफ ब्लॉक नीलगिरी कॉलोनी का रौनक शर्मा और मानगो गुरुद्वारा रोड शिव मंदिर का निवासी आशीष बर्मन शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने तीन देसी कट्टा, तीन देशी पिस्तौल, 11 जिंदा कारतूस दो बाइक और घटना के बाद प्रयुक्त टेंपो को बरामद किया है।

11 से 31 मई तक चलेगा टाटा स्टील का समर कैंप 2024

खबर मन्त्र ब्यूरो

लांचिंग समारोह को संबोधित करते टाटा स्टील के वीपी चाणक्य चौधरी।

जमशेदपुर। खेलों को जीवनशैली के रूप में बढ़ावा देते हुए, टाटा स्टील का खेल विभाग 11 से 31 मई के बीच जेआरडी टाटा स्टील स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में समर कैंप 2024 आयोजित करने जा रहा है। उक्त जानकारी टाटा स्टील के वीपी सीएस चाणक्य चौधरी ने जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कंपलेक्स में पत्रकारों को दी। इस अवसर पर खेल विभाग के चीफ मुकुल विनायक चौधरी भी उपस्थित थे। चाणक्य चौधरी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य शहर की युवा पीढ़ी के बीच फिटनेस, सेहत और स्वस्थ जीवनशैली के बारे में जागरूकता पैदा करना और उन्हें खेल गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना है।

प्रदर्शन के बाद मजदूरों को मिला आश्वासन, काम पर वापस लौटे

खबर मन्त्र संवाददाता

गम्हरिया। औद्योगिक क्षेत्र गम्हरिया स्थित टाटा स्टील कंपनी में बालाजी कंस्ट्रक्शन के अधीन कार्यरत कामगारों को एजेंसी द्वारा अनियमित वेतन भुगतान किए जाने से उनमें रोष व्याप्त है। बीते मार्च माह के वेतन का भुगतान ठेका एजेंसी द्वारा अभी तक नहीं किए जाने से मंगलवार को कामगार भड़क उठे और काम का बहिष्कार करते हुए प्रदर्शन कर आक्रोश प्रकट किया। इसकी सूचना पाकर एजेंसी के प्रबंधक हरितेश प्रसाद मौके पर पहुंच कर कामगारों को समझाते हुए काम पर लौटने की अपील की। लेकिन कामगार मानने को तैयार नहीं हुए। करीब तीन घंटे बाद कंपनी प्रबंधन के प्रतिनिधि कामगारों से मिले और उन्हें वेतन भुगतान कराने का आश्वासन दिया। उसके बाद कामगार शांत हुए और काम पर वापस लौटे।

जमशेदपुर महानगर में भाजपा का बूथ विजय संकल्प अभियान आज से

■ जिला प्रभारी सह पूर्व विधायक डॉ जीतू चरण राम ने ली चारों विधानसभा की बैठक

खबर मन्त्र ब्यूरो

बैठक करते डा जीतू चरण राम। साथ में महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा व अन्य पदाधिकारी।

जमशेदपुर। झारखंड में भाजपा एक्टिव मोड पर नजर आ रही है। भाजपा ने लोकसभा की तैयारियां धरातल पर तेज कर दी है। इसको लेकर भाजपा अब बूथ विजय संकल्प अभियान की शुरूआत करने जा रही है। आगामी लोकसभा चुनाव के पहले जमशेदपुर महानगर में भारतीय जनता पार्टी का जनाधार बढ़ाने के लिए बुधवार से बूथ विजय संकल्प अभियान प्रारंभ होगा। इसी क्रम में, मंगलवार को भाजपा जमशेदपुर महानगर अंतर्गत चारों विधानसभा की बैठक साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में सम्पन्न हुई। भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जमशेदपुर पुर्वी, पश्चिमी, पोटका एवं जुगसलाई विधानसभा के सभी मंडल अध्यक्ष एवं भवन (शक्ति केंद्र) प्रभारी शामिल हुए। इस दौरान जमशेदपुर महानगर के प्रभारी एवं कांके के पूर्व विधायक डॉ जीतू चरण राम ने चारों विधानसभा के प्रभारी, विधानसभा के संयोजक एवं सह संयोजकों के साथ 28 मंडलों के अध्यक्ष एवं विभिन्न विधानसभा के भवन प्रभारियों की बैठक ली। बूथ विजय संकल्प अभियान जमशेदपुर महानगर के सभी बूथों पर 17 से 22 अप्रैल तक चलाया जाएगा। जिसमें भवन के प्रभारी, सह प्रभारी अपने बूथ के अध्यक्ष, सचिव एवं बीएलए 2 से संपर्क कर बूथ के पन्ना प्रमुख के संग बूथों के मतदाताओं से संपर्क करेंगे और भाजपा के पक्ष में समर्थन की अपील करेंगे। इस दौरान नव मतदाताओं के साथ संवाद करने के साथ प्रबुद्धजन और सभी समाज, वर्गों के प्रमुख लोगों से भी संपर्क की रणनीति बनाई गई। अभियान के तहत बूथ अंतर्गत पड़ने वाले मठ, मंदिर, गुरुद्वारा, मस्जिद, गिरजाघर समेत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, युवा, महिला, खिलाड़ी, शासकीय योजनाओं के लाभार्थी सहित अन्य सभी वर्गों से संपर्क कर बूथ में भाजपा के पक्ष में 370 वोट बढ़ाने के लक्ष्य के लिए सभी का सहयोग मांगा जायेगा।

नरेन पर भारी बटलर की तूफानी शतकीय पारी

राजस्थान को मिली ऐतिहासिक जीत, कोलकाता को उसी के घर में दो विकेट से हाराया, मैन ऑफ द मैच जोस बटलर

बेकार गयी सुनिल नरेन की रिकॉर्ड से भरी सेंचुरी

अनुभवी ऑलराउंडर सुनील नरेन ने 56 गेंद में छह छक्कों और 13 चौकों से 109 रन की पारी खेली, उन्होंने 49 गेंद में सेंचुरी ठोकी। इसी के साथ नरेन एक मैच शतक, विकेट और कैच लाने वाले आईपीएल के पहले खिलाड़ी बन गए। नरेन ने अंगकृष रघुवंशी (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी करके बड़े स्कोर का मंच तैयार किया। इन दोनों के बाद 21 एकस्ट्रा रन टीम की ओर तीसरा सर्वोच्च स्कोर रहा। रिंकू सिंह (नौ गेंद में नाबाद 20, दो छक्के, एक चौका) ने अंत में तेजतर्रार पारी खेली। रॉयल्स की ओर से आवेश खान (35 रन पर दो विकेट) और कुलदीप सेन (46 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए। टीम के दोनों स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (चार ओवर में बिना विकेट के 49 रन) और युजवेंद्र चहल (चार ओवर में 54 रन पर एक विकेट) काफी महंगे साबित हुआ।

नरेन को बोल्ड कर बोल्ट ने किया 10 लाख का नुकसान

राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने अपनी घातक गेंदबाजी से कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ सनसनी मचा दी। सुनील नरेन के खिलाफ 18वें ओवर की तीसरी गेंद पर एक ऐसा तेज यॉर्कर मारा जिसे विकेट टूट गया। एलईडी फ्लैश करने वाले इस विकेट के टूटने से कुछ देर के लिए खेल को रोकना पड़ गया। डगआउट से नया स्टंप लाया गया इसके बाद फिर से खेल को शुरू किया जा सकता है। आइपीएल 2024 में जिस स्टंप का इस्तेमाल किया जा रहा है वह काफी खास है। इस स्टंप में जब भी बल्लेबाज चौका-छक्का या गेंदबाज विकेट लेता है तो वह अलग-अलग रंगों में फ्लैश करता है। इसके अलावा वाइड और नो बॉल के लिए भी अलग-अलग रंग फ्लैश होता है।

एक स्टंप की कीमत 10 लाख रुपए : बता दें कि आइपीएल में जिस एलईडी स्टंप का इस्तेमाल किया जाता है वह काफी महंगा है। यह धारण स्टंप से बिल्कुल अगल होता है। हाईटेक टेक्नॉलॉजी लैस एक स्टंप की कीमत करीब 10 लाख रुपए होती है। इस तरह एक छोर पर तीन स्टंप की कीमत 30 लाख पड़ती है।

कोलकाता 223/6 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
साल्ट कॉट एंड बोल्ड आवेश	10	13	01	00
सुनील नरेन बोल्ड ट्रेंट बोल्ट	109	56	13	06
रघुवंशी कै. अश्विन बो. सेन	30	18	05	00
श्रेयस एल बीडब्ल्यू चहल	11	07	01	01
रसेल कै. जुरेल बो. आवेश	13	10	02	00
रिंकू सिंह नाबाद	20	09	01	02
वेंकटेश कै. जुरेल बो. सेन	08	06	01	00
रमनदीप सिंह नाबाद	01	01	00	00

अतिरिक्त :21

विकेट पतन : 21-1, 106-2, 133-3, 184-4, 195-5, 215-6.

गेंदबाज :ट्रेंट बोल्ट : 4-0-31-1, आवेश खान : 4-0-35-2, कुलदीप सेन : 4-0-46-2, युजवेंद्र चहल : 4-0-54-1, रविचंद्रन अश्विन : 4-0-49-0.

राजस्थान 224/8 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
जयसवाल कै. वेंकटेश बो. अरोड़ा	19	09	03	01
जोस बटलर नाबाद	107	60	09	06
सैमसन कै. नरेन बो. हर्षित	12	08	02	00
पराग कै. रसेल बो. हर्षित	34	14	04	02
जुरेल एलबीडब्ल्यू नरेन	02	04	00	00
अश्विन कै. रघुवंशी बो. वरुण	08	11	01	00
हेटमायर कै. श्रेयस बो. वरुण	00	01	00	00
पॉवेल एलबीडब्ल्यू नरेन	26	13	01	03
ट्रेंट बोल्ट रन आउट	00	01	00	00
आवेश खान नाबाद	00	00	00	00

अतिरिक्त : 16

विकेट पतन : 22-1, 47-2, 97-3, 100-4, 121-5, 121-6, 178-7, 186-8.

गेंदबाज : मिचेल स्टार्क : 4-0-50-0, वैभव अरोड़ा : 3-0-45-1, हर्षित राणा : 4-0-45-2, सुनील नरेन : 4-0-30-2, वरुण चक्रवर्ती : 4-0-36-2, आंद्रे रसेल : 1-0-17-0.

आइपीएल 2024 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	रद्द	अंक	रन रेट
राजस्थान	07	06	01	00	12	+0.667
कोलकाता	06	04	02	00	08	+1.399
चेन्नई	06	04	02	00	08	+0.726
हैदराबाद	06	04	02	00	08	+0.502
लखनऊ	06	03	03	00	06	+0.038
गुजरात	06	03	03	00	06	-0.637
पंजाब	06	02	04	00	04	-0.218
मुंबई	06	02	04	00	04	-0.234
दिल्ली	06	02	04	00	04	-0.975
बेंगलुरु	07	01	06	00	02	-1.185

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	टीम	रन
कोहली	बेंगलुरु	361
रियान	राजस्थान	318
नरेन	कोलकाता	276
सैमसन	राजस्थान	276
रोहित	मुंबई	261

पर्पल कैप

खिलाड़ी	टीम	विकेट
चहल	राजस्थान	12
बुमराह	मुंबई	10
मुस्तफिजुर	चेन्नई	10
कमिंस	हैदराबाद	09
रबाडा	दिल्ली	09

जब भी मुंबई की टीम हारी, उसमें हार्दिक की अहम भूमिका रही : इरफान पठान

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने हार्दिक पांड्या की कप्तानी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, वे मैच की परिस्थितियों के अनुरूप नहीं ढलते हैं और मुकाबले के दौरान उचित योजना भी नहीं बना पाने के चलते इस आइपीएल में मुंबई इंडियंस को अभी तक काफी खामियाजा भुगतना पड़ा है। हालांकि मुंबई इंडियंस इससे पहले पांच बार आइपीएल चैंपियन रह चुकी है। लेकिन इस बार टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और कारण इस सत्र में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक को खेल प्रेमियों और पूर्व खिलाड़ियों से काफी आलोचना झेलनी पड़ रही है। पठान ने आगे कहा, हार्दिक पांड्या को मुंबई इंडियंस की कप्तानी अच्छी तरह करने की जरूरत है। जब भी मुंबई इंडियंस की टीम हारी, उसमें पांड्या की अहम भूमिका रही।

एजेंसी

कोलकाता। आइपीएल 2024 का 31वां मुकाबला राजस्थान रॉयल्स ने आखिरी गेंद पर जीत लिया। जोस बटलर ने शतकीय पारी के साथ टीम को छठी जीत दिलाई। अंक तालिका में राजस्थान 12 अंकों के साथ शीर्ष पर बरकरार है जबकि कोलकाता आठ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है। कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट खोकर 223 रन बनाए। इसके जवाब में राजस्थान ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 224 रन बनाए और दो विकेट से मैच जीत लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरूआत धीमी हुई थी। टीम को पहला झटका यशस्वी जायसवाल के रूप में लगा जो 19 रन बनाने में कामयाब हुए। इसके बाद संजू सैमसन और जोस बटलर के बीच दूसरे विकेट के लिए 25 रन की साझेदारी हुई। कप्तान सिर्फ 12 रन बना सके। इसके रियान पराग बल्लेबाजी के लिए आए जिन्होंने 34 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से चार चौके और दो छक्के निकले। इस मैच में राजस्थान के बल्लेबाजी क्रम को कोलकाता के गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ संघर्ष करते देखा गया। ध्रुव जुरेल ने दो, रविचंद्रन अश्विन ने आठ शिमरोन हेटमाय ने शून्य, रोवमैन पॉवेल ने 26 और ट्रेंट बोल्ट ने शून्य रन बनाए।

बटलर ने 19वें ओवर में पलटा पासा

जोस बटलर ने पारी के 19वें ओवर में मैच का पासा राजस्थान की तरफ पलट दिया। उन्होंने हर्षित राणा के आखिरी ओवर में 19 रन बटोरे। इस दौरान इंग्लिश बल्लेबाज ने दो छक्के और एक चौका लगाया। 20वें ओवर की पहली गेंद पर उन्होंने अपना शतक पूरा किया। यह आईपीएल 2024 का उनका दूसरा शतक है। इससे पहले बटलर ने बेंगलुरु के खिलाफ जोरदार शतक जड़कर टीम को जीत दिलाई थी।

फ्लॉप साबित हुआ कोलकाता का बल्लेबाजी क्रम

इस मैच में केकेआर की शुरूआत कुछ खास नहीं हुई थी। सलामी बल्लेबाजी के लिए आए फिल सॉल्ट सिर्फ 10 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें आवेश खान ने चौथे ओवर की तीसरी गेंद पर निशाना बनाया। इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए अंगकृष रघुवंशी ने दूसरे विकेट के लिए नरेन के साथ 85 रन की साझेदारी निभाई। युवा बल्लेबाज ने राजस्थान के खिलाफ पांच चौकों की मदद से 30 रन बनाए। इस मुकाबले में श्रेयस अय्यर ने 11, आंद्रे रसेल ने 13 और वेंकटेश अय्यर ने आठ रन बनाए।

गुजरात और दिल्ली को निरंतरता की तलाश

एजेंसी

अहमदाबाद। निरंतरता हासिल करने की कोशिश में जुटी गुजरात टाइटन्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों ही टीम बुधवार को यहां होने वाले आइपीएल मैच में बेहतर प्रदर्शन कर एक दूसरे को पराजित करने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। पिछले दो चरण की तरह गुजरात टाइटन्स अभी तक एकजुट होकर शानदार प्रदर्शन नहीं कर सकी है, हालांकि उनके पास अपनी कमियों को पूरा करने का अब भी काफी समय है। गुजरात टाइटन्स ने तालिका में शीर्ष पर चल रही राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 10 अप्रैल को अंतिम गेंद में जीत हासिल की थी और अगर उसे अपने अभियान में जान फूंकनी है तो उसे ऐसा ही प्रदर्शन करने की जरूरत है। टीम अपने पहले छह मैच में केवल दो में ही जीत सकी है और अभी आठ मैच बाकी हैं तो शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम के पास चीजों का रूख बदलने के लिए काफी समय है। मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति हालांकि उसके लिए नुकसानदायक रही है लेकिन उन्हें अपने सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करना होगा। उमेश यादव ने अभी तक सात विकेट झटके हैं लेकिन प्रति ओवर 10 से ज्यादा रन लुटाये हैं। उनके नयी गेंद के जोड़ीदार स्पेंसर जॉनसन और अनुभवी मोहित शर्मा भी अपने इकोनोमी रेट में सुधार कर सकते हैं। स्टार स्पिनर राशिद खान ने अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की है लेकिन वह अपने खाते में और विकेट डालना चाहेंगे।

अब हमारे लिए हर मैच सेमीफाइनल की तरह है हैदराबाद से हार पर बोले बेंगलुरु के कोच

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) के सात मैच में अपनी टीम की छठी हार के बाद स्वीकार किया कि बचे हुए सात में से प्रत्येक मैच को अब सेमीफाइनल की तरह ही खेला जाएगा। आरसीबी को सोमवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद से 25 रन से हार का सामना करना पड़ा। फ्लावर ने आरसीबी गेम डे पर कहा, यह निश्चित रूप से नॉकआउट का समय है और प्रत्येक मैच को हम अब सेमीफाइनल की तरह ही लेंगे। लेकिन हमें सोचना होगा कि हम मजबूत वापसी करें। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने आरसीबी के दिशाहीन गेंदबाजों के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाकर आईपीएल का रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया। फ्लावर ने स्वीकार किया कि यह उनकी टीम के लिए मुश्किल रात थी। उन्होंने कहा, मैदान पर यह वास्तव में मुश्किल रात रही क्योंकि उन्होंने इतनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। फ्लावर ने कहा, हमने क्रीज पर बल्ले से जिस तरह का जज्बा दिखाया, उस पर मुझे बहुत गर्व है। हमने मैच गंवा दिया लेकिन हमने जिस तरह की बल्लेबाजी की, उस पर गर्व है। इंग्लैंड के पूर्व कोच ने कार्तिक की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने जिस तरह से सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ायी, उसे देखते हुए अगर इस विकेटकीपर बल्लेबाज को भारत की टी20 विश्व कप टीम में चुन लिया जाता है तो हैरानी की बात नहीं होगी।

अदालत में गिर पड़ा पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

नयी दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज माइकल स्लेटर कथित तौर पर घरेलू हिंसा के आरोप में मजिस्ट्रेट द्वारा जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद अदालत में गिर पड़े। 54 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी पर 5 दिसंबर 2023 और 12 अप्रैल 2024 के बीच कथित अपराधों से संबंधित 19 आरोप हैं, जिनमें पीछा करना, डराना-धमकाना, शारीरिक नुकसान पहुंचाने वाला हमला और गला घोंटना शामिल है। स्लेटर अपनी उपस्थिति के दौरान जेल के हरे कपड़े पहनकर कटघरे में बैठे थे और जब मजिस्ट्रेट रैलेन एलिस ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी तो वह फर्श पर गिर पड़े। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेल अधिकारियों ने उसे अपने पैरों पर खड़ा होने में मदद की।

विनेश की मांग पूरी करने को आईओए आया आगे

कुश्ती महासंघ से बात कर मान्यता कार्ड दिलाने को कहा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ से लोहा लेने वाली महिला पहलवान विनेश फोगाट की मांग पूरी होती दिख रही है। उनके कोच वॉलर एकोस, फीजियोथेरेपिस्ट अश्वनी पाटिल और स्पारिंग पार्टनर (अभ्यास कराने वाले) पहलवान अरविंद का बिश्केक (किर्गिस्तान) में 19 अप्रैल से शुरू हो रहे ओलंपिक क्वालिफायर में साथ जा सकते हैं। भारतीय ओलंपिक संघ ने भारतीय कुश्ती महासंघ से बात कर तीनों का मान्यता कार्ड जारी कराने को कहा है। आयोजक भी तीनों को मान्यता कार्ड देने को तैयार हो गए हैं, लेकिन इसे जारी करने से पहले एकोस को यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग की कोचिंग लाइसेंस फीस भरनी होगी।

साई और आईओए ने किए प्रयास

विनेश ने आरोप लगाया था कि उन्हें ओलंपिक में जाने से रोके जाने की साजिश रची जा रही है। उनके सपोर्ट स्टाफ को क्वालिफायर में साथ नहीं भेजे जाने के लिए उन्हें मान्यता कार्ड जारी नहीं किया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि विनेश के आरोपों के बाद साई ने आईओए से इस दिशा में कदम उठाने को कहा। आईओए ने कुश्ती महासंघ से तीनों सपोर्ट स्टाफ का मान्यता कार्ड बनवाने का लिए कहा। कुश्ती महासंघ ने भी यूडब्ल्यूडब्ल्यू से बात कर तीनों का मान्यता कार्ड बनवाने को कहा। बतौर कोच टूनार्मेंट में शिरकत करने के लिए कोच के पास विश्व संस्था का लाइसेंस होना जरूरी है, जो एकोस के पास नहीं है। आयोजकों ने भी कहा है कि एकोस लाइसेंस फीस भर दें तो उन्हें मान्यता कार्ड जारी कर दिया जाएगा।

50 भार वर्ग में खेलेंगी विनेश

हंगरी के कोच वॉलर एकोस टोक्यो ओलंपिक के दौरान भी विनेश के साथ थे। तब कुश्ती महासंघ ने विनेश के खराब प्रदर्शन के पीछे एकोस को जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि विनेश ने एकोस पर भरोसा जताते हुए उन्हें फिर अपने साथ जोड़ा है। एकोस को ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट ने विनेश को उपलब्ध कराया है। विनेश क्वालिफायर में 50 भार वर्ग में शिरकत करेंगी। क्वालिफायर में शिरकत करने के लिए भारतीय टीम मंगलवार को बिश्केक रवाना हो गयी।

मैं टी20 विश्व कप के लिए पंत को भारतीय टीम में चुनता : पोंटिंग

नयी दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का कहना है कि अगर वह आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का चयन करें तो ऋषभ पंत को इसमें जरूर शामिल करेंगे, भले ही कुछ खिलाड़ी मौजूदा आइपीएल में शानदार प्रदर्शन के बूते दावेदारी पेश कर रहे हों। लेकिन जिस तरह से पंत ने वापसी की है, उसे देखते हुए उन्हें जरा भी शक नहीं है कि आइपीएल के बाद न्यूयॉर्क के लिए कौन रवाना होगा। पोंटिंग ने कहा कि क्या मुझे लगता है कि ऋषभ को विश्व कप टीम में होना चाहिए? बिलकुल मुझे ऐसा लगता है। वह हालांकि मानते हैं कि भारतीय चयनकताओं के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर चुनने के लिए कई विकल्प मौजूद हैं लेकिन उनके लिए पंत पहली पसंद बने रहेंगे।

यूनान में पेरिस खेलों के लिए प्रज्वलित की गई ओलंपिक मशाल

एजेंसी

प्राचीन ओलिंपिया (यूनान)। अपोलो (सूर्य देवता) की मदद के बिना ही पेरिस ओलिंपिक में जलने वाली लौ मंगलवार को दक्षिणी यूनान में प्राचीन खेलों के स्थल पर जलाई गई। आसमान में बादलों के कारण सूर्य की किरणें नहीं दिखीं और मंगलवार को पारंपरिक तरीके से लौ जलाने के प्रयास विफल हो गए। पारंपरिक तरीके में चांदी की मशाल जलाने के लिए सूरज की किरणों का इस्तेमाल किया जाता है जिसके लिए प्राचीन यूनान की पुजारिन की पोशाक पहने एक युवती हाथ में मशाल लिए रहती थी। यूनान के सूर्य देवता अपोलो की प्रार्थना के बाद किरणों से लौ जलाई जाती थी, लेकिन इसके बजाय मंगलवार को एक बैकअप लौ का उपयोग किया गया था, जिसे सोमवार को अंतिम रिहर्सल के दौरान उसी स्थान पर जलाया गया था। सामान्यतः चुन्नटवाली लंबी पोशाक पहने पुजारिनों का एक समूह ईंधन से भरी मशाल को एक अवतल दर्पण पैराबोलिक मिरर के सामने रखता, जिससे सूर्य की किरणें मशाल पर केंद्रित हो जाती और लौ जलने लगती। लेकिन इस बार ऐसी कोशिश ही नहीं की गई। सीधे बैकअप का इस्तेमाल किया गया। विडंबना यह है कि कुछ मिनट बाद सूरज चमकने लगा। ओलिंपिया के प्राचीन स्टेडियम से मशालधारियों की रिले मशाल को प्राचीन ओलिंपिया के खंडहर मंदिरों और खेल मैदानों से 5000 किमी (3100 मील) से ज्यादा की दूरी तक ले जाएगी। यूनान में रिले की 11 दिवसीय यात्रा एथेंस में 26 अप्रैल को पेरिस 2024 के आयोजकों को मशाल सौंपने के साथ समाप्त होगी। सबसे पहले मशाल यूनान के रोअर स्टेफानोस डोस्कोस को दी गयी जिन्होंने तोक्यो में 2021 में स्वर्ण पदक जीता था। वह इसे लेकर करीब के स्मारक की ओर भागे। इसके बाद मशाल फ्रांस की तैराक लौरे मानाउडोउ को सौंपी गयी जिन्होनें 2004 में एथेंस में तीन पदक जीते थे। उन्होंने मशाल यूरोपीय संघ के एक सीनियर अधिकारी मारगारिटिस शिचिनास को सौंपी।

पेरिस ओलंपिक: इंग्लैंड ने की तैराकी टीम की घोषणा

लंदन। इंग्लैंड ने पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने वाली पूल और मैराथन स्पधाओं के लिए अपनी 33 सदस्यीय तैराकी टीम की मंगलवार को घोषणा की। टीम में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन एडम पीटी, दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता टॉम डीन और जेम्स गाइ, ओलंपिक चैंपियन अन्ना हॉपकिन, कैथलीन डॉसन, फ्रेया एंडरसन और मैट रिचर्ड्स और टोक्यो ओलंपिक 2020 में चार पदक जीतने वाले डंकन स्कॉट का टीम में चयन किया गया है।

दीपिका सोरेंग हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा पुरस्कार से सम्मानित

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की फारवर्ड दीपिका सोरेंग ने प्रतिष्ठित असुंता लाकड़ा पुरस्कार से सम्मानित किये जाने पर हॉकी इंडिया का आभार व्यक्त किया है। सोरेंग को पिछले महीने आयोजित हुए छठे हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार 2023 के दौरान इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, जो वर्ष की उभरती महिला खिलाड़ी को दिया जाता है। दीपिका के लिए 2023 एक जबरदस्त वर्ष रहा, इस वर्ष उन्होंने महिला जूनियर एशिया कप में टीम के लिए पदार्पण किया, 6 मैचों में 7 गोल करके टीम को स्वर्ण पदक जीतने में मदद की और टूनार्मेंट में टीम के लिए दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं। दीपिका ने मंगलवार को हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मुझे यह सम्मान देने के लिए मैं हॉकी इंडिया का आभार व्यक्त करती हूं। जब मेरे नाम की घोषणा की गई तो यह मेरे और मेरे परिवार के लिए एक यादगार पल था। पुरस्कार राशि और पुरस्कार जीतना बहुत बड़ी बात है। मेरे लिए यह एक प्रेरणा है, और यह मुझे और भी बेहतर प्रदर्शन करने और देश को गौरवान्वित करने का साहस और ताकत देता है। दीपिका ने भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के साथ 2023 में 4 देशों के जूनियर महिला आमंत्रण टूनार्मेंट (डसेलडोर्फ) में भी हिस्सा लिया और सभी चार मैच खेले। उन्होंने पिछले साल 2023 एफआईएच जूनियर महिला विश्व

कप में टीम के साथ यात्रा की थी और भारतीय टीम की एक प्रमुख खिलाड़ी भी थीं। उन्होंने टूनार्मेंट में 9 गोल करके उद्घाटन एफआइए महिला हॉकी5 विश्व कप ओमान 2024 में टीम को रजत पदक जीताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्हें ओमान में टूनार्मेंट की युवा खिलाड़ी भी नामित किया गया था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैंने पिछले वर्ष में बहुत प्रगति की है और इसका श्रेय सहायक स्टाफ, कोच और टीम के साथियों को जाता है जिन्होंने लगातार मेरा मार्गदर्शन किया। जब भी मुझे संदेह हुआ तो उन्होंने बहुमूल्य सुझाव दिए और मुझे खुद को व्यक्त करने का मौका भी दिया। अपनी टीम के भीतर विश्वास रखना महत्वपूर्ण है और खुद को अभिव्यक्त करने के लिए जगह महसूस करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है और ऐसे शानदार माहौल में रहना मेरे लिए एक उल्लेखनीय अनुभव रहा है। दीपिका को हाल ही में 33 सदस्यीय राष्ट्रीय महिला टीम कोर ग्रुप में नामित किया गया था जो 16 मई तक बेंगलुरु के साई केंद्र में प्रशिक्षण ले रही है। उन्होंने कहा, मैं हर दिन कड़ी मेहनत कर रही हूं और कोचों की सलाह पर ध्यान दे रही हूं। सीनियर खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण लेना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा है क्योंकि मैं उनसे बहुत सी चीजें सीख रही हूं। मुझे उम्मीद है कि मुझे भारतीय सीनियर टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा, क्योंकि इस साल हमारे पास कई महत्वपूर्ण टूनार्मेंट हैं। जब भी मौका मिलेगा, मैं उसका फायदा उठाने के लिए तैयार रहूंगी। वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ काफी समय बिताने और उनके साथ खेलने से मेरे विकास में और मदद मिलेगी।

स्पीड न्यूज

डॉ अंबेडकर जयंती समारोह का आयोजन

मंचासीन अतिथि।

गढ़वा। कोरवाडीह अंबेडकर क्लब के तत्वावधान में 133वीं बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत झारखंड मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, जिला परिषद सदस्य जैदुला अंसारी, कोरवाडीह पंचायत के मुखिया शरीफ अंसारी, हिंदू मुस्लिम समन्वय समिति के अध्यक्ष शफीक अंसारी, उप प्रमुख फैजुल अंसारी, अमित सिंह ने संयुक्त रूप से बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर तनवीर आलम ने कहा कि बाबा साहब एक महान पुरुष थे और उन्होंने सभी समुदाय के हित के लिए ऐसा संविधान दिया जिससे आज शोषित पीड़ित समाज को अधिकार मिल रहा है। जिला पार्षद सदस्य ने कहा कि बाबा साहब ने हमें जीवन जीने का अधिकार दिया। शरीफ अंसारी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के दिए संविधान के बदौलत ही आज हम कही भी अपना अधिकार के लिए लड़ाई लड़ सकते हैं। मौके पर मोजीबुर रहमान, शंभू राम, झामुमो के पंचायत अध्यक्ष अमित कुमार सिंह, युवा समाजसेवी सुमेर कुमार चौधरी, चंचल रवि, बैजनाथ राम, वासुदेव राम, अनिल राम, क्लब के अध्यक्ष रामचंद्र राम, सचिव जगदीश कुमार, कोषाध्यक्ष अशर्फी राम, प्रदीप कुमार रवि, शंभू राम आदि लोग उपस्थित थे।

ज्ञान निकेतन में अंबेडकर जयंती पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता

उपस्थित बच्चे।

गढ़वा। शहर के ज्ञान निकेतन कॉन्वेंट (10+2) स्कूल में भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं महान समाज सुधारक बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक मदन प्रसाद केशरी, उपप्राचार्य बसंत ठाकुर ने दीप प्रज्वलित कर तथा अंबेडकर जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन क्रिया गया। मौके पर निदेशक ने कहा कि बाबा साहब जाति व्यवस्था को समाप्त करने और भारत में सभी को एक समान नागरिकता का अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। देश में जाति और धर्म आधारित असमानताओं को समाप्त करने में उनके संघर्ष और योगदान की सराहना को उस महान व्यक्ति को सच्ची श्रद्धांजलि और सम्मान देने के लिए पूरे देश में अंबेडकर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। वे राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र के विद्वान थे साथ ही साथ वह एक महान दार्शनिक और वक्ता भी थे। मौके पर शिक्षक उदय प्रकाश, अभिषेक कुमार पांडेय, सुषमा तिवारी, सुनीता कुमारी, संतोष प्रसाद, मुकेश भारती, बीरेन्द्र साव, नीरा शर्मा, सरिता दूबे, रिजवाना शाहीन, शिवानी कुमारी, नीलम कुमारी, सुष्मिता कुमारी आदि लोग उपस्थित थे।

झामुमो नेता पूर्व विधायक अनंत व ताहिर अंसारी पर हुआ एफआईआर

अनंत प्रताप देव व ताहिर अंसारी।

श्री बंशीधर नगर/धुरकी। जेएमएम नेता पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा और ताहिर अंसारी पर आदर्श चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज हुआ है। इस संबंध में धुरकी थाने में दोनों नेताओं के साथ कई अन्य अज्ञात लोगों पर केस रजिस्टर्ड हुआ है। धुरकी बीडीओ जुल्फिकार अंसारी ने दोनों नेताओं पर एफआईआर दर्ज करायी है। दोनों नेताओं और उनके समर्थक अज्ञात लोगों पर बिना अनुमति के सरकारी स्थल पर मीटिंग करने का आरोप है। इसकी पुष्टि करते हुये धुरकी के थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार ने बताया कि बीडीओ जुल्फिकार अंसारी की लिखित शिकायत के आलोक में झामुमो नेताओं पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव व जेएमएम नेता ताहिर अंसारी के साथ-साथ उनके कई अन्य अज्ञात समर्थकों के विरुद्ध आदर्श चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ है। उपरोक्त लोगों पर आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू रहने के दौरान वन परिसर में स्थित सरकारी डाकबंगला में बगैर अनुमति के उलगुलान महारैली से संबंधित बैठक करने का आरोप है।

जिप अध्यक्ष ने किया बाबूडीह भाया बुल्का सड़क का निरीक्षण

निरीक्षण करती जिप अध्यक्ष।

रमना। सलोनी जेभी कंट्रैक्शन के मुंशी और मजदूरों के द्वारा एक लम्बा बांस लेकर जाम भव में डाला जा रहा है। इस जाम भव की लंबाई करीब 60-70 मीटर का होगा और 15-20 मीटर के बांस डाला जा रहा था जो 10 मीटर भी जाम भव के अंदर नहीं जा पाया। इसकी नजर ग्रामीणों पर पड़ी तो इस जाम भव, से प्रभावित किसानों की भीड़ एकत्रित हो गए। किसानों ने संवेदक द्वारा इस प्रकार भव निर्माण करने पर इसकी जानकारी जिला परिषद जिलाध्यक्ष शांति देवी को जाम भव से जल निकासी नहीं होने और सिचाई प्रभावित होने वालो किसानों नें सुचना दी। मौके पर जिप अध्यक्ष पहुंच कर ग्रामीणों की समस्या सुनी और उपस्थित मुंशी से इस पुल के बारे में जानकारी मांगी। जिसके बाद उन्होंने बताया की इस पुल पर बने चबूतरा को ही ऊपर कर सड़क से ऊपर कर देना है, जाम भव की समस्या के बारे में पूछने पर कोई स्पष्ट जबाब नहीं दिया गया। उन्होंने कहा की इसके लिए तो अधिकारी ही बता सकते हैं। जिप अध्यक्ष नें जाम भव की समस्या को दूर करने के लिए दिशा निर्देश दिया। साथ ही सड़क को गुणवत्ता पूर्ण निर्माण करने का निर्देश दिया। मौके पर सूर्यदेव राम, प्रभात सिंह, सुजीत कुमार, प्रदीप कुमार, उदय मेहता, आकाश कुमार, उपेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।

रामनवमी को शांतिपूर्ण मनाने को लेकर पुलिस ने निकाली फ्लैग मार्च

कांडी। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय के निदेर्शानुसार रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने को लेकर पुलिस ने पूर्व संध्या पर मंगलवार को कांडी बाजार में फ्लैग मार्च निकाली। यह फ्लैग मार्च पुलिस इंस्पेक्टर आदित्य ठाकुर के नेतृत्व में निकाली गई। फ्लैग मार्च थाना मोड़ से बाजार होते पेट्रोल पंप मोड़ तक गयी पुन: वापस थाना परिसर तक गयी। इस अवसर पर थाना प्रभारी गुलशन कुमार गौतम ने सभी पूजा कमेटी व आखाड़ा के अध्यक्षों सचिवों एवं सदस्यों तथा गणमान्य व्यक्तियों से आग्रह किया कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु को सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस को खबर दें, जिसमें समय रहते उसपर कारवाई किया जा सके। कहा कि सोशल मीडिया पर आपत्ति जनक पोस्ट नहीं करें, अन्यथा पकड़े जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। मौके पर एएसआई संजय राम, एसआई रौशन राम, एएसआई भवेश झा सहित पुलिस बल शामिल थे।

देश की एकता व अखंडता हमेशा बनी रहे, यही भगवान से कामना है : मंत्री मिथलेश

श्री महावीर मंडल व श्री रामनवमी पूजा महासमिति जेनरल ने निकाला जलूस

- रामनय हुआ गढ़वा निकाली गई भव्य मंगलवारी जलूस, शामिल हुए मंत्री मिथिलेश

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। रामनवमी पूजा के मौके पर पूरा गढ़वा राम मय हो गया है। मंगलवार को गढ़वा में मंगलवारी जुलूस का आयोजन किया गया। श्री महावीर मंडल एवं श्री रामनवमी पूजा महासमिति जेनरल के तत्वावधान में काफी भव्य एवं आकर्षक मंगला जुलूस निकाला गया। काफी संख्या में महिला, पुरुष रामभक्तों ने जुलूस में हिस्सा लिया। श्री महावीर मंडल की ओर से आयोजित मंगला जुलूस में गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता व उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर शामिल हुए। पूरा गढ़वा जय श्री राम एवं अन्य भक्ति गीतों से गूंजता रहा। श्री महावीर मंडल का जुलूस मझिआव मोड़ झंडा चौक स्थित सरस्वती नदी पुल के समीप से निकलकर रंका मोड़ पहुंचा। पुनः मेन रोड से रामलला मंदिर पहुंच कर समाप्त हो गया। जबकि श्री रामनवमी पूजा महा समिति जेनरल का जलूस

जय श्री राम के नारों से गूंजा गढ़वा

रामनवमी के मंगलवारी जुलूस में शामिल मंत्री मिथिलेश ठाकुर।

चिनिया मोड़ स्थित मां काली मंदिर परिसर से निकलकर रंका मोड़ संकट मोचन मंदिर पहुंचा। यहां हनुमानजी की आरती के बाद मेन रोड होते हुए रामलला मंदिर पहुंचा। राम धुन पर मंत्री श्री ठाकुर भी जमकर थिरके।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गढ़वा शहर में श्री रामनवमी पूजा के अवसर पर श्री महावीर मंडल और श्री रामनवमी पूजा महासमिति जेनरल की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई है। मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि आज गढ़वा, झारखंड सहित पूरा देश भक्ति में सराबोर है। उन्होंने भगवान से कामना करते हुए कहा कि यह जो माहौल है ऐसा ही बना रहे। देश की एकता एवं अखंडता हमेशा बनी रहे। इसमें किसी का नजर ना लगे। हमारा देश गंगा जमुनी तहजीब का देश है। यहां के लोग रामनवमी, मुहर्रम, ईद, होली, दशहरा, क्रिसमस आदि सभी पर्व-त्योहार मिलजुल कर बड़े ही धूमधाम से मनाते हैं। यही हमारे लोकतंत्र की सुंदरता है।

मौके पर मुख्य रूप से श्री महावीर मंडल के संरक्षक राकेश पाल, अध्यक्ष कंचन साहू, कंचन जायसवाल, दीपक तिवारी, आशीष अग्रवाल, डेजी गुप्ता, प्रतिभा शौर्य सहित काफी संख्या में महिला-पुरुष शामिल थे।

मंगला जुलूस में 30 अखाड़े के लोग हुए शामिल

उड़ते बजरंगबली।

गढ़वा बादल में भी दिखे महावीर हनुमान।

मंगला जुलूस में शामिल लोग।

खबर मन्त्र संवाददाता

- श्री राम नवमी पूजा महासमिति जेनरल के जुलूस में उड़ते हुए हनुमान जी रहे आकर्षण का केंद्र
- मंगलवारी जुलूस के दौरान बादल के बीच दिखे महावीर हनुमान

गढ़वा। गढ़वा में आयोजित मंगला जुलूस में 30 अखाड़े के लोगों ने भाग लिया। मंगलवार की दोपहर जुलूस में राम भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। मंगला जुलूस में महावीरी झंडे के साथ शामिल युवक महिलाओं एवं युवतियों ने अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन किया। साथ ही रानी लक्ष्मीबाई का रूप धारण कर युवती, महिला जुलूस हुईं। श्री रामनवमी पूजा महासमिति जेनरल की ओर से आयोजित जलूस में हनुमान जी का उड़ता हुआ आदमकद प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बना रहा। जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न समाज सेवी संस्था द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई थी। शहर के रंका मोड़ झुग्गी झोपड़ी संघ, युवा शक्ति संघ, मेन रोड में वैश्य महासभा, गढ़देवी मोड़ के पास युवा मंडली संघ, कसेरा समाज सहित विभिन्न समाजसेवी संगठन के लोगों ने जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था किया था। पूरे शहर में सुरक्षा का चाक चौबंद प्रबंध किया गया था। काफी संख्या में पुलिस पदाधिकारी व तैनात किए गए थे। एसडीपीओ नीरज कुमार सहित सीआरपीएफ दीपक मिश्रा दल बल के साथ पूरे जुलूस में शामिल थे। महासमिति जेनरल की ओर से कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी के सचिव विकास माली व दौलत सोनी ने महाराष्ट्र से उड़ते बजरंगबली व भगवा पताका वाद्य यंत्र की टीम को बुलाया था। मंगलवारी जुलूस के दौरान एकाएक बादल के बीचों बीच महावीर हनुमान का प्रारूप दिखा। जिसे देख लोग भावुक हो गए। जुलूस में मुख्य रूप से श्री रामनवमी पूजा महासमिति जनरल के संयोजक मुरली श्याम सोनी, उमेश कश्यप, विकास माली, मोहन स्वर्णकार, दौलत सोनी, सुनील कुमार, रोहित कुमार, राजकुमार गुप्ता, शनि चंद्रवंशी, सूर्य प्रकाश सिंह, ब्रजेश उपाध्याय, विजय केशरी सहित काफी संख्या में लोग शामिल थे।

मंत्री मिथिलेश ने किया महाबीर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

उद्घाटन करते मिथिलेश ठाकुर।

मझिआंव। झारखंड राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता व उत्पाद व मद्य निषेध विभाग मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने मंगलवार को दोपहर में मझिआंव करमडीह मुख्य पथ में 50 बेड के एक निजी अस्पताल महाबीर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस सम्बंध में जानकारी देते हुए अस्पताल के संचालक डॉ ब्रजेश पांडेय ने बताया कि मझिआंव वासियों की सुविधा खासकर गरीब तबके के लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह अस्पताल खोला गया है। इमरजेंसी में जो लोग कई हजार रुपये वाहन पर खर्च कर बाहर इलाज कराने के लिए जाते हैं, उन्हें अब इस अस्पताल के खुलने से वाहन खर्च में ही इलाज हो जायेगा। पांडेय ने कहा कि इस अस्पताल में 24 घंटे अनुभवी चिकित्सकों द्वारा इलाज कराया जायेगा। जिसमे महिला प्रसूति, आईसीयू, एनआईसीयू, अत्याधुनिक आपरेसन थियेटर एवं पैथोलॉजी लैब, जेनरल वार्ड, ऑक्सीजन आदि की व्यवस्था है। साथ ही लकवा, हड्डी रोग, सभी प्रकार के पेट रोग, सीना से संबंधित रोग के इलाज की भी व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि ईद एवं रामनवमी के अवसर पर एक माह तक बिना परामर्श शुल्क लिये ही इलाज किया जायेगा। मौके पर राधाकृष्ण मंदिर के महंत बाल ब्रह्मचारी साधु बाबा केशव नारायण दास, महेन्द्र पांडेय, महेंद्र नाथ दुबे, अधिवक्ता एसएन घर दुबे, कांडी प्रमुख पिंकू पांडेय, अजय शंकर पांडेय, युवा समाजसेवी मारुति नंदन सोनी, विवेक सोनी, डॉ ब्रजेश पांडेय, डॉ बी कुमार, डॉ के कुमार, डॉ एमके सिंह, डॉ ऋतिका सिन्हा, मुरारी पांडेय, ईश्वर कस्यप, सुशील पांडेय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में बांका के अपूर्व आनंद को मिला 163वां रैंक

एजेंसी

पटना। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा- 2023 का फाइनल रिजल्ट मंगलवार को जारी हो गया है। इस परीक्षा में बिहार के बांका जिले के अमरपुर प्रखंड के भिखनपुर गांव के एक किसान के पुत्र ने अपने तीसरे प्रयास में यूपीएससी परीक्षा में 163वां रैंक लाया है। भिखनपुर गांव निवासी ओमनारायण शर्मा का पुत्र अपूर्व आनंद बचपन से ही पढाई में मेधावी छात्र था। उन्होने मैट्रिक बोर्ड की परीक्षा 2013 में डीएवी पब्लिक स्कूल देवघर से उत्तीर्ण किया। जबकि आगे की डिग्री आई आईटी कानपुर से पूरी की। इसके बाद अपूर्व आनंद ने 32 लाख की पैकेज पर गोल्ड मेन कंपनी में दो वर्षो तक काम किया। बचपन से ही कुछ अलग हटकर समाज की सेवा करने की जिद के कारण वह कोविड काल में अपने घर भिखनपुर आ गया और ऑनलाइन यूपीएससी की तैयारी में जुट गया। तीसरे प्रयास में ही उन्हें सफलता हाथ लगी और वह यूपीएससी की

परीक्षा में 163 वां रैंक लाकर यह साबित कर दिया को अगर हौसले हो बुलंद तो आँधियो में चिराग जलते हैं। अपूर्व आनंद ने सफलता का श्रेय अपनी मां शबनम शर्मा एवं बड़े पिताजी श्रीनारायण शर्मा को दिया। अपूर्व आनंद के बड़े पिताजी श्रीनारायण शर्मा सलिल ने बताया कि अपूर्व के पिता उनके छोटे भाई ओमनारायण शर्मा एक सफल किसान के साथ -साथ एक अच्छे पिता थे। उन्होंने बचपन से ही अपने बच्चों को अनुशासन में रहना सिखाया। 2015 में उनकी मौत के बाद पूरा परिवार बिखराव की स्थिति में आ गया।

बैंक से पैसे निकालकर घर जा रहे किसान से 50 हजार की छिनतई

अररिया। फारबिसगंज थाना क्षेत्र के फारबिसगंज ढोलबज्जा मार्ग में किरकिचिया के पूर्व मुखिया परमानंद यादव के घर के पास बाइक पर सवार दो युवकों ने मंगलवार को किसान से 50 हजार रुपये की छिनतई कर ली। रुपैया का झोला छीनने के क्रम में किसान जमीन पर गिर गया और घायल हो गया। पीड़ित किसान किरकिचिया पंचायत के महेशमुढ़ी वार्ड संख्या आठ का रहने वाला 55 वर्षीय सोहेंद्र यादव पिता -स्व.शिबू यादव है। वह एसबीआइ के मुख्य शाखा एस स्पेस निकालकर साइकिल से घर की ओर जा रहा था। घटना को लेकर पीड़ित किसान सोहेंद्र यादव ने बताया कि एसबीआई मुख्य शाखा से 50 हजार रुपये निकालकर साइकिल से झोला में पैसे को रखकर घर जा रहा था।

सीसीए एक्ट के तहत 63 लोगों पर हुई कार्रवाई

एजेंसी

गोपालगंज। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर थाना क्षेत्र में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बिहार अपराध नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। इसके तहत आपराधिक प्रवृत्ति लोगों को चिह्नित कर उन पर बिहार अपराध नियंत्रण एक्ट लगाया गया है। लोकसभा चुनाव को प्रलोभन मुक्त व भयमुक्त, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए विभिन्न थाना क्षेत्र में 63 लोगों के विरूद्ध सीसीए एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए प्रतिवेदन को एसपी स्वर्ण प्रभात ने डीएम को सीसीए एक्ट लगाने के लिए प्रस्ताव भेजा है, जिस पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि 63 लोगों पर सीसीए एक्ट लगता है तो उन्हें मतदान के दिन जिला बदर भी किया जा सकता है। एसपी ने जिलाधिकारी को इसे लेकर प्रस्ताव भेजा है, जिसके तहत जिलाधिकारी सह दंडाधिकारी ने इन व्यक्तियों के विरुद्ध बिहार अपराध नियंत्रण 1981 की धारा 3 के तहत कार्रवाई की। बिहार अपराध नियंत्रण अधिनियम 1981 की धारा (3) के तहत जिले के विभिन्न थानों से अपराधियों के विरुद्ध पुलिस अधीक्षक द्वारा भादवि 1861 के अध्याय 16 व अध्याय 17 के तहत उनके कृत्यों को दंडनीय अपराध की श्रेणी में रखते हुए इन लोगों के विरुद्ध बिहार अपराध नियंत्रण अधिनियम की धारा 2 डी के अंतर्गत इन्हें असामाजिक तत्व मानते हुए प्रस्ताव जिलाधिकारी को भेजा है। प्रस्ताव के आलोक में जिलाधिकारी सह दंडाधिकारी के द्वारा संबंधित अपराध कर्मियों से कारणपृच्छा करते हुए उन्हें जवाब दाखिल करने को कहा गया है कि क्यों न उनके विरुद्ध अधिनियम की धारा 3 की उपधारा तीन के तहत आदेश पारित किया जाए।

पटना में भीषण सड़क हादसे में सात की मौत

एजेंसी

पटना। राजधानी पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र के रामलखन पथ पर मंगलवार को विषण सड़क हादसा हुआ। इस सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गयी, जबकि एक व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। पटना के न्यू बायपास स्थित राम लखन पथ एनएच- 30 पर यात्री लेकर जाती एक ऑटो अनियंत्रित होकर मेट्रो का काम कर रही हाइड्रा क्रेन से टकरा गयी। ऑटो में कुल आठ लोग सवार थे, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई। दो बच्चों सहित युवक और महिलाओं की

मौत हुई है। न्यू बायपास स्थित निजी अस्पताल में घायलों को भर्ती कराया गया। जहां एक बच्चे की मौत हुई है। घटना के बाद ऑटो चालक फरार हो गया। पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है। पुलिस ने सातो शवों को पीएमसीएच पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि निजी अस्पताल में इलाजरत मुकेश कुमार साहनी 29 वर्षीय मोतिहारी के रहने वाले हैं जो अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ ऑटो में सवार थे। घायल मुकेश कुमार साहनी का इलाज जारी है। अन्य मृतकों की पहचान में पुलिस जुटी है।

सुपौल में डूबने से बच्चे की मौत

सुपौल। बिहार में सुपौल जिले के कुनौली थाना क्षेत्र के अन्तर्गत कोसी नदी में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई । पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि कुनौली वार्ड संख्या 12 निवासी संजय कामत का 12 वर्षीय पुत्र सुमित कुमार नदी में स्नान करने गया था। स्नान करने के क्रम वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई ।

भागलपुर में किसान की गोली मारकर हत्या

भागलपुर। बिहार में भागलपुर जिले के बाथ थाना क्षेत्र में अज्ञात अपराधियों ने आज दिनदहाड़े एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी तथा एक अन्य को घायल कर दिया। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि इस क्षेत्र के दौलतपुर गांव निवासी मुकेश कुमार मंडल चचेरे भाई कारेलाल मंडल के साथ अपने बहियार (खेत) में काम कर रहा था, तभी चार-पांच की संख्या में अपराधी पहुंचे और दोनों पर गोलियों की बौछार करते हुए भाग निकला।

पेज एक का शेष

गोड्डा से दीपिका...

रांची सीट की घोषणा बाकी : इन तीन सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा के साथ कांग्रेस मिले 7 सीटों में से कुल 6 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिया है। अब कांग्रेस को सिर्फ रांची सीट पर प्रत्याशी के नाम का ऐलान करना है। सूत्रों के मुताबिक चंपाई सोरेन सरकार में मंत्री बन्ना गुप्ता रांची से प्रत्याशी बनाये जाने के लिए जोर-शोर से जुटे हुए हैं। वहीं सुबोधकांत सहाय अपने क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस ने खूंटी में कालीचरण मुंडा, लोहरदगा में सुदर्शन भगत और हजारीबाग में जेपी पटेल को प्रत्याशी घोषित किया था।

जमशेदपुर की स्वाति...

मोनिका को 708वां रैंक मिला है। रांची की मोनिका चंद्रनाथ भाई पटेल की बेटी है। मोनिका ने सफलता प्राप्ता कर माता-पिता सहित संपूर्ण झारखंड को गौरवान्वित किया है। मोनिका की सफलता पर उनका पूरा परिवार खुश है। मोनिका और उनके परिजनों को लगातार बधाई मिल रही है। लॉ की स्टूडेंट रही है साक्षी : राज्य के तेज तर्रार आईएएस अधिकारी शेखर जमुआर की बेटी साक्षी की प्राथमिक शिक्षा रांची के डीपीएस से हुई है। उन्होंने 10वीं की परीक्षा डीपीएस से और 12वीं की परीक्षा जेवीएम श्यामली से पास की है। साक्षी बचपन से ही काफी मेधावी रही है। रांची के नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एनयूएसआरएल) से लॉ की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा यूपीएससी क्रैक किया। साक्षी की इस सफलत पर राज्य के आईएएस अधिकारियों समेत झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और दोनों स्कूल के प्राचार्यों ने बधाई दी है। **अमन की सफलता पर चाईबासा में खुशी :** चाईबासा के अमन अग्रवाल ने अपने पहले ही प्रयास में सिविल परीक्षा उत्तीर्ण किया है। उन्होंने 544वां स्थान हासिल किया है। परीक्षा परिणाम आते ही उनके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गयी। अमन फिलहाल अपने पूरे परिवार के साथ दिल्ली में ही हैं। अमन की इस सफलता पर उसके ननिहाल जमशेदपुर और रांची में हर्ष का माहौल है। रांची में उनके रिश्ते में मामा आनंद गोयल ने बताया कि अमन की इस सफलता के पीछे उसके कड़े परिश्रम, माता पिता के आशीर्वाद और उनके शुभचिंतकों की शुभकामनाएं हैं।
प्रेरणा की पढ़ाई रांची- बोकारो में हुई : पशुपालन विभाग में कार्यरत सहायक ममता सिंह की पुत्री प्रेरणा सिंह ने भी यूपीएससी में सफलता प्राप्त की। मूल रूप से बिहार की रहनेवाली ममता सिंह और उनके परिवार का अधिकांश समय झारखंड में ही बीता। प्रेरणा सिंह ने बोकारो डीपीएस से दसवीं परीक्षा पास की। उनके पिताजी सुबोध कुमार सिंह का देहांत हो जाने की वजह से उन्हें वापस रांची आना पड़ा और रांची डीपीएस से प्लस टू की शिक्षा प्राप्त की। करीब 10 माह तक उन्होंने एचआर के पद पर छत्तीसगढ़ में वेदांता स्टील में कार्य किया। सिविल सेवा में आने की ललक की वजह से उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा देने की ठानी। रांची में ही उन्होंने ऑनलाइन कोचिंग की और कड़ी मेहनत कर कर इस परीक्षा में उत्तीर्ण हो गयी। **टेंडर हार्ट स्कूल की छात्रा रही हर्षिता :** रांची टेंडर हार्ट की छात्रा हर्षिता चमारिया ने इस वर्ष के यूपीएससी में 410 वां रैंक लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया। हर्षिता का टेंडर हार्ट विद्यालय में नर्सरी से दसवीं की परीक्षा 2014-15 में 10 सीजीपीए से पास की थी। उसकी सफलता से विद्यालय परिवार काफी हर्षित है। उसने इसका श्रेय स्कूल की संस्थापिका गार्गी मंजू एवं विद्यालय परिवार द्वारा प्राप्त उचित मार्गदर्शन को दिया। स्कूल के चैयरमैन सुधीर तिवारी एवं प्राचार्या उषा किरण झा ने हर्षिता के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर ढेर सारी बधाई दी। **लोयला के छात्र रहे ऋत्विक वर्मा :** जमशेदपुर की प्रकाशक प्रियंका वर्मा व वन विभाग के पूर्व रेंजर अजय कुमार के पुत्र ऋत्विक वर्मा ने 520 वां रैंक हासिल किया है। ऋत्विक की प्रारंभिक पढ़ाई लोयोला से पूरी की जबकि ग्रेजूएशन दिल्ली विवि के करोड़ीमल कॉलेज से किया। भूगोल में स्नातक करने के बाद ऋत्विक ने दिल ली में रह कर ही यूपीएससी की परीक्षा की तैयारी कर रहा था। इससे पूर्व ऋत्विक का चयन बीपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में भी हो चुका था। ऋत्विक ने अपनी सफलता का श्रेय स्पर्धा प्रकाशन की पुस्तकों सहित अपनी मां और पिता को दिया। ऋत्विक के छोटे भाई वेदांत मेहता ने भी यूपीएससी द्वारा आयोजित एनडीए की परीक्षा में ऑल इंडिया 29 वीं रैंक हासिल की थी।

अंतू समेत नौ के...

सद्दाम से पूछताछ के बाद हो रही कार्रवाई : ईडी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हेमंत सोरेन मामले में गिरफ्तार सद्दाम से पूछताछ के बाद नए सिरे से छापेमारी की जा रही है। ईडी ने सद्दाम को रिमांड पर लेकर पांच दिनों तक पूछताछ की थी, उसी पूछताछ के बाद अंतु तिर्की सहित कई अन्य के यहां छापमेरी की गयी। राजधानी रांची में सेना की जमीन के साथ साथ जमीन घोटाले से जुड़े केस में ईडी ने बीते साल कार्रवाई की थी। जिसमें रांची के पूर्व डीसी और आईएएस छवि रंजन, बड़गाईं अंचल के सीओ मनोज कुमार समेत अलग-अलग अंचल के राजस्व कर्मचारियों और जमीन माफियाओं के ठिकाने पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान ईडी को भारी पैमानें पर जमीन के डीड, रजिस्ट्री से जुड़े दस्तावेज, कई सरकारी कागजात मिले थे। कोलकाता से जमीन के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर रांची में अरबों की जमीन की खरीद बिक्री में गड़बड़ी और उससे मनी लाउंड्रिंग के साक्ष्य ईडी को मिले थे। सेना की जमीन और चेशायर होम रोड की जमीन की खरीद बिकी के लिए कोलकाता से कागजात बनाए गए थे। इन सब मे सद्दाम की भूमिका भी सामने आई थी।

हेमंत की जमानत...

दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद न्यायाधीश ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। पीएमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन ने इडी को निर्देश देते हुए कहा कि जांच एजेंसी को ऐसा क्यों लगता है कि उन्हें अभी बेल नहीं दिया जाये। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद न्यायाधीश ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। ईडी ने बड़गाई अंचल जमीन घोटाले के आरोप में 31 जनवरी को देर रात मुख्यमंत्री आवास से पूछताछ के दौरान ही गिरफ्तार किया था। तब से वह जेल में ही हैं। मामले में ईडी ने जांच पूरी करते हुए हेमंत सोरेन के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। इस पर अदालत ने संज्ञान ले लिया है। अब 23 अप्रैल को इस मामले पर सुनवाई के बाद ये स्पष्ट हो पायेगा की उन्हें बेल दिया जाये या अभी जांच को देखते हुए उन्हें जेल में ही रखना सही होगा।

मोदी के रहते...

उन्होंने युवा मतदाताओं से आग्रह करते हुए कहा कि वे इस बात पर ध्यान न दें कि राजद नेता और इंडिया गठबंधन के अन्य नेता क्या प्रचार कर रहे हैं। वहीं पूर्मिया में पीएम मोदी ने कहा कि पूर्णिया समेत सीमांचल का विकास मेरा मिशन है। उन्होंने पूर्णिया और सीमांचल क्षेत्र के विकास की जानबूझकर उपेक्षा करने के लिए केंद्र और बिहार की पूर्ववर्ती सरकारों को दोषी ठहराया। **सीमांचल का विकास मेरा मिशन :** श्री मोदी ने यहां एक चुनावी रैली में कहा कि उन्होंने सीमांचल और पूर्णिया के संपूर्ण विकास को अपना मिशन बनाया है। सीमांचल और पूर्णिया की तकदीर बदलने के लिए उनकी सरकार ने आकांक्षी जिला और आकांक्षी प्रखंड योजना शुरू की है, जिसमें पूर्णिया ने देश के आकांक्षी जिलों की सूची में अपना स्थान बनाया है। पूर्णिया में विकास की अपार संभावनाएं हैं।

स्पीड न्यूज

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना से भरा पर्चा

शिवपुरी। मध्यप्रदेश के गुना शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जिला निर्वाचन अधिकारी कार्याकल में अपना नामांकनपत्र दाखिल किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद थे। डॉ यादव ने कहा कि इस बार गुना शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से श्री सिंधिया की ऐतिहासिक जीत होगी। उन्होंने कहा कि इस बार सिर्फ गुना में ही नहीं, 29 सीटों पर ही भाजपा की विजय होगी।

दिग्विजय सिंह ने राजगढ़ से भरा पर्चा

राजगढ़। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को राजगढ़ संसदीय क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी के तौर पर नामांकनपत्र दाखिल किया। इससे पहले उन्होंने इस अंचल के प्रसिद्ध जालपा माता मंदिर में दर्शन किए। राजगढ़ में श्री सिंह का मुख्य मुकाबला भाजपाा प्रत्याशी एवं मौजूदा सांसद रोडमल नागर से है, जो पहले ही नामांकनपत्र पेश कर चुके हैं।

ओमान में बाढ़ से 17 लोगों की मौत

मस्कट। ओमान में भारी बाढ़ के कारण नौ स्कूली बच्चों सहित 17 लोगों की मौत हो गई। अल अरबिया प्रसारक ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। बचावकर्मी प्रभावित क्षेत्रों में लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं।

हमास ने युद्धविराम की शर्तों को खारिज किया

गाजा। फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन हमास ने नवीनतम बंधक समझौते के प्रस्ताव के सभी शर्तों को खारिज कर दिया है, जिससे समझौते के तहत इजरायल द्वारा रिहा किए जाने वाले फि लिस्तीनी कैदियों की संख्या में बढ़ गयी है। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार ने मंगलवार को एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। इसके अलावा, हमास समझौते के पहले चरण के हिस्से के रूप में 20 बंधकों को रिहा करने किया जाना है। हमास ने मांग की है कि बंधकों को रिहा करने से पहले इजरायल छह सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हो।

डीपफेक का शिकार हुए आमिर खान

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसे लेकर अभिनेता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वीडियो में आमिर खान एक खास राजनीतिक पार्टी के लिए प्रचार करते नजर आ रहे हैं लेकिन उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को फर्जी बताया है। इसे एक राजनीतिक पार्टी के झूठे प्रचार को बढ़ावा देने वाले कैप्शन का इस्तेमाल कर वायरल किया गया है। यह वीडियो एक राजनीतिक पार्टी से जुड़ा है, वीडियो में साफ है कि आमिर की आवाज को डब किया गया है। जैसे ही आमिर को इस बात का पता चला तो उन्होंने एफआईआर दर्ज कराई है।

ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी को चुनौती देंगे बॉबी

एजेंसी

बंगाल का दंगल

- डायमंड हार्बर में टीएमसी के अभिषेक बनर्जी के खिलाफ भाजपा ने अभिजीत दास उर्फ बॉबी को फिर दिया टिकट
- भाजपा ने 2019 में नीलांजन रॉय को बनाया था प्रत्याशी

कोलकाता। भाजपा ने आखिरकार डायमंड हार्बर में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ उम्मीदवार उतार दिया है। अभिषेक के खिलाफ भाजपा के अभिजीत दास उर्फ बॉबी लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। इसके साथ ही भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए 42वें और आखिरी उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी है। अभिजीत बंगाल की राजनीति में कोई जाना-पहचाना नाम नहीं हैं, लेकिन दक्षिण 24 परगना की राजनीति में वे जाना-पहचाना चेहरा हैं। वह एक समय दक्षिण 24 परगना के भाजपा जिलाध्यक्ष थे। उन्होंने 2014 में भी अभिषेक के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। हालांकि, वह उस वर्ष जीत से बहुत दूर रहे थे। अभिषेक ने जहां पांच लाख से ज्यादा वोटों से जीत हासिल की, वहीं बॉबी को दो लाख से कुछ ज्यादा वोट मिले थे। 2019 में भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया। उनकी जगह भाजपा ने नीलांजन रॉय को उम्मीदवार बनाया। इसके बाद पार्टी नेतृत्व ने 2024 में फिर से उनपर भरोसा जताया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, संघ परिवार के साथ-साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने भी बॉबी को मैदान में उतारने की मांग की थी, लेकिन पार्टी के कुछ लोग चाहते थे कि डायमंड हार्बर में पार्टी का बाहर से कोई हेवीवेट उम्मीदवार आए। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, संघ परिवार का तर्क था कि बॉबी आरएसएस के पुराने कार्यकर्ता हैं। उन्होंने अलग-अलग समय पर भाजपा और संघ के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया है। वह डायमंड हार्बर की राजनीति से करीब से जुड़े हुए हैं इसलिए अगर कोई अभिषेक से लड़ सकता है तो वही लड़ सकते हैं। भाजपा के एक अन्य वर्ग ने तर्क दिया कि अभिषेक से मुकाबला करना आसान नहीं होगा इसलिए उम्मीदवार ऐसा होना चाहिए जिसके नाम पर भाजपा को वोट मिले। हालांकि संघ परिवार बॉबी के साथ खड़ा था इसलिए इतने लंबे समय के इंतजार के बाद आखिरकार अभिजीत दास को अभिषेक बनर्जी के खिलाफ मैदान में उतार दिया गया है।

भाजपा ने सात प्रत्याशियों के नामों का किया एलान

ओडिशा विस चुनाव के लिए 21 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी

नयी दिल्ली। भाजपा ने मंगलवार को 7 लोकसभा उम्मीदवारों की अपनी 12वीं लिस्ट जारी कर दी। इस सूची में महाराष्ट्र की एक, बंगाल की एक, उत्तर प्रदेश से दो और पंजाब से तीन उम्मीदवार शामिल हैं। भाजपा ने इसके अलावा उत्तर प्रदेश और तेलंगाना में हो रहे विधानसभा उपचुनाव के लिए भी अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। पार्टी ने इसके साथ ही ओडिशा में हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए 21 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी लिस्ट भी जारी कर दी है। मंगलवार को जारी सूची के अनुसार भाजपा ने महाराष्ट्र के सतारा लोकसभा सीट से छत्रपति उदयनराजे भोंसले, पंजाब से खडूर साहिब से मंजीत सिंह मन्ना, होशियारपुर से अनिता सोम प्रकाश, बठिंडा से परमपाल कौर सिद्धू को उम्मीदवार बनाया है। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद से ठाकुर विश्वदीप सिंह, देवरिया से शशांक मणि त्रिपाठी और पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर से अभिजीत दास को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके साथ भाजपा की केन्द्रीय चुनाव समिति ने विधानसभा उपचुनाव के लिए तेलंगाना की सिकंदराबाद कैंट सीट से डॉ. टीएन वामशा तिलक और उत्तर प्रदेश के लखनऊ पूर्व से ओपी श्रीवास्तव, ददरौल से अरविंद सिंह, गैंसड़ी से शैलेन्द्र सिंह शैलू, दुद्धी से श्रवण गौंड को उम्मीदवार बनाया गया है।

डिम्पल के खिलाफ बसपा ने शिव प्रसाद यादव को दिया टिकट

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के लिए बसपा ने 11 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। बसपा ने मैनपुरी से सपा उम्मीदवार डिम्पल यादव को टक्कर देने के लिए इस चुनावी मैदान में शिव प्रसाद यादव को उतारा है। बसपा की ओर से मंगलवार की जारी की गई सूची के मुताबिक, मैनपुरी से शिव प्रसाद यादव, बदायूं से मुस्लिम खां, बरेली से छोटेलाल गंगवार, सुलतानपुर से उदराज वर्मा, फरूर्खाबाद क्रांति पाण्डेय, बांदा से मयंक द्विवेदी को बसपा ने टिकट दिया है। डुमरियागंज से ख्वाजा समसुद्दीन, बलिया से लल्लन सिंह यादव, जौनपुर से धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला सिंह, गाजीपुर से डॉ. उमेश कुमार सिंह, वाराणसी से अतहर जमाल लारी को बसपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है।

आप ने पंजाब में चार लोस सीटों पर किया उम्मीदवारों का एलान

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब की चार लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। दो दिन पहले अकाली दल से आप में आए पवन कुमार टीनू पर भी पार्टी ने भरोसा जताते हुए जालंधर से चुनाव मैदान में उतार दिया है। इसके अलावा तीन विधायकों को लोक सभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया गया है। पंजाब में पार्टी ने सबसे अधिक विधायकों को चुनाव मैदान में उतारा है। को जारी की सूची के अनुसार वर्तमान में बटाला विधानसभा हलके से विधायक अमन शैरी कलसी को गुरदासपुर लोकसभा हलके से, मुक्तसर साहिब के विधायक जगदीप सिंह काका बराड़ को फिरोजपुर लोकसभा हलके से तथा लुधियाना सेंट्रल से विधायक अशोक पराशर पप्पी को लुधियाना लोकसभा हलके से चुनाव मैदान में उतारा गया है। जालंधर लोकसभा सीट पर चुनाव से पहले ही घमासान मचा हुआ है।

घुसपैठियों के लिए सुरक्षित शरणस्थली बना बंगाल

प्रधानमंत्री बोले- सीएए पर झूठ फैला रही है टीएमसी

एजेंसी

बालुरघाट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर झूठ फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि पश्चिम बंगाल सीमा पार से आने वाले घुसपैठियों के लिए सुरक्षित शरणस्थली बन गया है। मोदी ने भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष एवं उम्मीदवार सुकांत मजूमदार के पक्ष में एक रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य उन लोगों (हिंदू, सिख, बौद्ध जैन और अन्य) को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है जो देश के बाहर से आए हैं लेकिन टीएमसी, सीएए के बारे में झूठ फैला रही है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों का समर्थन करती है, लेकिन सीएए का विरोध करती है जो शरणार्थियों को नागरिकता देता है। मोदी ने दिया कि यह लोकसभा चुनाव साबित करेगा कि बाबासाहेब अंबेडकर के लोकतंत्र में, दलित, वंचित व्यक्ति और आदिवासी तृणमूल कांग्रेस के नियंत्रण में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पूरे पश्चिम बंगाल में भाजपा के लिए अद्वितीय समर्थन है। लोगों ने तृणमूल कांग्रेस की लूट और भ्रष्टाचार की संस्कृति को खारिज करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस को लगता है कि दलित, आदिवासी और गरीब अपनी इच्छा के अनुसार चलने के लिए स्वतंत्र नहीं हैं। लेकिन यह चुनाव उन्हें बताएगा कि बाबासाहेब के लोकतंत्र में दलित, वंचित लोग और आदिवासी तृणमूल कांग्रेस के गुलाम नहीं हैं। जिसने आदिवासी महिलाओं को घुटनों पर ला दिया है, वह जल्द ही घुटनों पर आ जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रस सिंडिकेटेड गिरोह के तहत भ्रष्टाचार और लूट में शामिल है।

ममता बनर्जी का इस साल भी रामनवमी रोकने की कोशिश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी ममता बनर्जी की सरकार ने हिंदुओं के त्योहार रामनवमी को रोकने की कोशिश की। पीएम ने कहा कोर्ट से अनुमति मिली। बुधवार को पूरी श्रद्धा-भक्ति से रामनवमी की शोभायात्राएं निकलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल ने बंगाल को अवैध घुसपैठियों को लीज पर दे दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पहली रामनवमी है, जब अयोध्या के भव्य मंदिर में रामलला विराजमान हो चुके हैं। मुझे पता है कि तृणमूल ने हमेशा की तरह यहां रामनवमी उत्सव रोकने की पूरी कोशिश की और सारे षड्यंत्र रचे पर जीत सत्य की ही होती है।

सरकार बनते ही रद्द करेंगे अग्निपथ : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सेना में भर्ती की अल्पकालिक 'अग्निपथ' योजना को सेना और देश की रक्षा का सपना देखने वाले युवाओं का अपमान करार देते हुए मंगलवार को कहा कि केंद्र में विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस की सरकार बनने के साथ ही इस योजना को तत्काल निरस्त कर पुरानी भर्ती प्रक्रिया बहाल की जाएगी। कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी इस योजना को खत्म करने का वादा किया है। गांधी ने ट्वीट किया कि अग्निपथ योजना सेना और देश की रक्षा करने का सपना देखने वाले बहादुर युवाओं का अपमान है। नरेंद्र मोदी के कार्यालय में बनी योजना है जिसे सेना पर थोप दिया गया है।

माफियाओं का फातिहा पढ़ते हैं विपक्षी नेता: योगी

एजेंसी

जनता को राम-राम, माफिया-अपराधियों का राम नाम सत्य

बिजनौर/ शामली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुये कहा कि यह माफिया-अपराधियों का महिमा मंडन करते हैं और उनके घरों में जाकर फातिहा पढ़ते हैं। नगीना व कैराना लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि बुधवार को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्मदिन है। पांच सौ वर्षों के बाद पहली बार यह अवसर आ रहा है, जब रामलला अपनी जन्मभूमि पर जन्मोत्सव मनाएंगे। हमारी पीढ़ियां धन्य हो गईं, जो हम जन्मोत्सव कार्यक्रम के साक्षी बनेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की सुरक्षा के लिये सदैव तत्पर हैं और माफिया तत्वों को नेस्तानाबूद करने में भी समय नहीं लगाती है। योगी ने कहा कि माफिया-अपराधियों को गले का हार बनाते हैं, महिमा मंडन करते हैं। उनके घरों में जाकर फातिहा पढ़ते हैं, लेकिन कोई निर्दोष हिंदू दुर्घटना का शिकार हो जाता है तो इनके मुख से संवेदना के एक शब्द भी नहीं निकलते हैं। हम सामान्य नागरिकों को राम-राम करते हैं और माफिया-अपराधियों का राम नाम सत्य। योगी ने कहा कि भारत एकमात्र ऐसा देश है, जहां आराध्य को अपनी जन्मभूमि के लिए प्रमाण देना पड़ा। यह संकट कांग्रेस व समाजवादी पार्टी ने दिया। इन्होंने हमारी आस्था को संकटग्रस्त करने का प्रयास किया।

सभी दलों के साथ हो रहा है समान व्यवहार :आयोग

एजेंसी

हेमा मालिनी मामले में सुरजेवाला पर लगाया 48 घंटे का प्रतिबंध

चुनाव आयोग ने अभिनेत्री एवं भाजपा नेत्री हेमा मालिनी पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में मंगलवार को कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला के अगले 48 घंटों के लिए चुनाव प्रचार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। सुरजेवाला ने 31 मार्च को कैथल में एक जनसभा में उक्त टिप्पणी की थी।

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग का कहना है कि वह सभी राजनीतिक दलों के साथ समान व्यवहार कर रहा है। इस क्रम में आयोग की ओर से वस्तुस्थिति स्पष्ट की गई है। आयोग ने विभिन्न राजनीतिक दलों के खिलाफ की गई कार्रवाई की भी जानकारी दी है। आयोग का कहना है कि वह किसी भी तरह से बाध्य नहीं है। इसके बावजूद उसने फैसला लिया है कि अपने पारदर्शिता के वादे के अनुरूप पहले महीने के दौरान आदर्श आचार संहिता के अपने प्रवर्तन को सार्वजनिक डोमेन में रखेगा। आयोग ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के साथ समान व्यवहार किया गया है, अल्प सूचना पर भी सभी को समय दिया गया है और उनकी शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना गया है। एक महीने की अवधि के दौरान 07 राजनीतिक दलों के 16 प्रतिनिधिमंडलों ने चुनाव की आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन की शिकायतें दर्ज करने के लिए आयोग से मुलाकात की।

श्रीनगर : झेलम में नाव पलटी छह की मौत और कई लापता

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में गंडबल से बटवारा जा रही एक नाव मंगलवार सुबह झेलम नदी में पलट गई, छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हैं। यह दुर्घटना श्रीनगर में हुआ है और हादसे के समय स्कूली बच्चों सहित 20 से अधिक लोगों को लेकर जा रही थी। श्रीनगर के जिला मजिस्ट्रेट बिलाल मोहिउद्दीन भट ने कहा कि वे पता लगा रहे हैं कि नाव में कितने लोग सवार थे।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि तक शुरूआती जानकारी है, नाव में 15 लोग सवार थे और उनमें से सात नाबालिग थे और बाकी वयस्क थे। हमने 12 लोगों को नदी से निकाला है और उनमें से छह की दुर्भाग्य से मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि घायलों का तीन का अस्पताल में इलाज चल रहा है और हालत स्थिर है।

महाराष्ट्र में 48 सीटों पर जीतेगी महाविकास आघाड़ी : उद्धव ठाकरे

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को दावा किया कि महाविकास आघाड़ी (मविआ) महाराष्ट्र में सभी 48 सीटों पर जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि मविआ के सहयोगी दल आपस में मिलकर काम कर रहे हैं, बहुत जल्द मविआ के नेता साथ मिलकर चुनावी सभाएं करने वाले हैं। उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को शिवसेना भवन में अपने पार्टी के चुनाव चिन्ह मशाल गीत का लोकार्पण किया। ठाकरे ने पत्रकारों को बताया कि मविआ महाराष्ट्र की सभी 48 सीटें जीत रही है, जबकि सामने वाले जिन 45 सीटों का दावा कर रहे हैं, वह संख्या पूरे देश की है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि लोकसभा चुनाव में लड़ाई तानाशाही विरुद्ध लोकशाही की है। लोग देश में फिर से तानाशाह सरकार नहीं चाहते हैं। मन बनाकर चुनाव का इंतजार कर रहे हैं। चुनाव बाद देश को सही मायने में बदलाव मिलने वाला है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि वे कभी भी गुजरात का अपमान नहीं करना चाहते लेकिन गुजरात में भी भाजपा के विरोध में आंदोलन होने लगे हैं। इसका कारण भाजपा की वजह से गुजरात की छवि खराब हो रही है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि सलमान खान के घर के सामने हवाई फायरिंग करने वाले गुजरात से पकड़े गए।

आसनसोल में अहलुवालिया और शत्रुघ्न के बीच सीधा मुकाबला

एजेंसी

महासमगर

- टीएमसी के शत्रुघ्न सिन्हा को चुनौती देंगे भाजपा प्रत्याशी सांसद एसएस अहलूवालिया
- चौथे चरण में 13 मई को होगा मतदान
- सात लाख 72 हजार 138 पुरुष वोटर हैं और महिला मतदाताओं की संख्या आठ लाख 43 हजार 683

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पर पूरे देश की निगाहें इसलिए टिक गई हैं, क्योंकि विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन में होने के बावजूद ममता बनर्जी ने अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा की है। राज्य में कई ऐसी सीटें हैं जो वीआईपी हैं, जिन पर लड़ाई दिलचस्प होने वाली है। ऐसी ही एक सीट है आसनसोल लोकसभा सीट। आसनसोल सीट से वैसे तो 2019 के चुनाव में भाजपा के टिकट पर बाबुल सुप्रियो ने जीत दर्ज की थी। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने पर पार्टी से उनकी अनबन हो गई और उन्होंने संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। यहां से 2022 के उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर शत्रुघ्न सिन्हा जीते थे, जिन्हें इस बार भी पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। दूसरी ओर भाजपा ने उनके खिलाफ एसएस अहलूवालिया को टिकट दिया है, जो पहले भी भाजपा से ही सांसद रह चुके हैं। वामदल भी इस सीट पर ताल ठोक रहे हैं और जहांआरा खान को उम्मीदवार बनाया गया है। लेकिन अहलूवालिया और शत्रुघ्न सिन्हा के बीच होगा सीधा मुकाबला। यहां 13 मई को चौथे चरण में वोटिंग होगी। तृणमूल कांग्रेस ने बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा को इस सीट से दोबारा टिकट दिया है। 2022 में हुए उपचुनाव में वह दो लाख से अधिक मतों के अंदर से ऐतिहासिक जीत दर्ज करने में कामयाब रहे हैं।इसके साथ ही पहली बार आसनसोल संसदीय सीट पर तृणमूल उम्मीदवार की जीत हुई थी।2014 से पहले इस सीट पर माकपा उम्मीदवारों का कब्जा था और 2014 में पहली बार भाजपा के टिकट पर बाबुल सुप्रियो जीते थे। इस बार लड़ाई दिलचस्प होने वाली है क्योंकि हिंदीभाषी गढ़ होने की वजह से भाजपा के पक्ष में बड़ी संख्या में मतदाता हैं। 2022 के उपचुनाव में शत्रुघ्न सिन्हा के खिलाफ अग्निमित्र पॉल ने चुनाव लड़ा लेकिन वे हार गई थीं। इस सीट पर जीत दर्ज करने के बाद आजतक शत्रुघ्न सिन्हा ने संसद में एक बार भी चर्चा में हिस्सा नहीं लिया है। यहां तक कि आसनसोल में भी लोगों से वह संपर्क में नहीं रहे हैं जिसकी वजह से स्थानीय लोगों में नाराजगी भी है। आसनसोल, कोलकाता के बाद पश्चिम बंगाल का सबसे बड़ा शहर है। छोटानागपुर के पठार के लगभग मध्य में प्रदेश के पश्चिमी सीमा पर स्थित यह नगर खनिज पदार्थों में धनी है। यहां सेनेरैल साइकिल का भारत प्रसिद्ध कारखाना है। यह शहर भारत के उन 11 शहरों में से एक है जो विश्व के 100 सबसे तेजी से विकसित हो रहे शहरों की सूची में हैं। आसनसोल लोकसभा में सात विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। उनमें से सात लाख 72 हजार 138 पुरुष वोटर हैं। महिला मतदाताओं की संख्या आठ लाख 43 हजार 683 हैं। थर्ड जेंडर के मतदाता 44 हैं। 2019 में वोटरों की संख्या 12 लाख 38 हजार 135 थी। जिनमें से पुरुष मतदाता छह लाख 64 हजार 991 और महिला मतदाता पांच लाख 72 हजार 239 थीं।